हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • मंगलवार • 26.05.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 298 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 4 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में हुयी वित्त व वाणिज्य-कर विभाग की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक

राजस्व वृद्धि और पारदर्शिता पर जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड मंत्रालय (प्रोजेक्ट भवन) में सोमवार को मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में वित्त एवं वाणिज्य-कर विभाग के अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षात्मक बैठक संपन्न हुई। बैठक में राज्य की वित्तीय स्थिति, राजस्व संग्रहण, बजट प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जनहितैषी योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत बिंदुवार समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को वित्तीय संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन, योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने और कार्यों में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस उच्च स्तरीय महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य रूप से विभागीय मंत्री राधा कृष्ण किशोर, राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, वित्त सचिव प्रशांत कुमार तथा वाणिज्य-कर विभाग के सचिव अमित कुमार सहित संबंधित विभागों के अन्य सभी वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने और कार्यों में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने का निर्देश

कार्यों में पारदर्शिता के लिए बायोमीट्रिक और ई-गवर्नेंस अनिवार्य

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, शुद्धता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बायोमैट्रिक प्रणाली के प्रभावी एवं व्यापक उपयोग पर विशेष बल दिया। उन्होंने कड़े निर्देश जारी करते हुए कहा कि सभी संबंधित सरकारी कार्यालयों एवं विभागों में उपस्थिति तथा कार्यप्रणाली से जुड़ी प्रक्रियाओं में बायोमैट्रिक व्यवस्था को सख्ती से लागू किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सभी विभाग निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप एक साझा दृष्टिकोण (को-ऑर्डिनेशन) के साथ आगे बढ़ें, ताकि संसाधनों का बेहतर उपयोग हो और विकास योजनाओं को गति मिले।

वाणिज्य-कर विभाग: कर चोरी रोकने और जीएसटी अनुपालन पर फोकस

बैठक के दूसरे हिस्से में वाणिज्य-कर विभाग की समीक्षा के दौरान वस्तु एवं सेवा कर, मूल्य वर्धित कर, प्रोफेशनल टैक्स तथा अन्य राज्य स्तरीय करों की वसूली, निगरानी एवं प्रवर्तन से संबंधित मुद्दों पर गहन मंथन किया गया। करदाताओं के बीच स्वैच्छिक अनुपालन को प्रोत्साहित करने, कर वंचना (चोरी) पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने तथा आधुनिक तकनीकी साधनों के माध्यम से ऑडिट और स्क्रूटनी प्रणाली को सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया गया। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि कर प्रणाली को और अधिक सरल, पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाया जाए ताकि करदाताओं को असुविधा न हो और राज्य के राजस्व में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित की जा सके।

ओडिशा और छत्तीसगढ़ से बेहतर है झारखंड का खनन राजस्व

बैठक में विभिन्न वित्तीय वर्षों के आंकड़ों के तुलनात्मक विश्लेषण के आधार पर यह महत्वपूर्ण तथ्य सामने आया कि पड़ोसी राज्यों ओडिशा एवं छत्तीसगढ़ की अपेक्षा झारखंड का खनन राजस्व काफी बेहतर स्थिति में है। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि राज्य में खनिज संसाधनों के सुव्यवस्थित प्रबंधन, पारदर्शी नीतिगत व्यवस्था एवं प्रभावी निगरानी तंत्र के परिणामस्वरूप राजस्व संग्रह में यह उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि पर संतोष व्यक्त करते हुए खनन क्षेत्र में और अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित करने, अवैध खनन पर कठोर नियंत्रण स्थापित करने तथा आधुनिक तकनीकों के उपयोग को प्रोत्साहित करने पर विशेष बल दिया।

खेतों तक पानी पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड मंत्रालय (प्रोजेक्ट भवन) में सोमवार को मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में जल संसाधन विभाग की एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में राज्य में संचालित विभिन्न सिंचाई योजनाओं, मेगा लिफ्ट परियोजनाओं, पाइपलाइन आधारित जलापूर्ति योजनाओं, बांधों एवं बहुउद्देश्यीय परियोजनाओं की प्रगति की विस्तृत बिंदुवार समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि जल संसाधन विभाग की सभी चालू और लंबित योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूर्ण किया जाए, ताकि राज्य के अन्नदाताओं (किसानों) को इसका सीधा लाभ मिल सके।

इस उच्च स्तरीय महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य रूप से जल संसाधन विभाग के मंत्री हफीजुल हसन, राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, विभागीय सचिव प्रशांत कुमार सहित जल संसाधन विभाग के सभी तकनीकी व वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

समय पर पूरी हों सभी सिंचाई योजनाएंः मुख्यमंत्री

नदी जल को संरक्षित कर छोटे जलाशयों में लिफ्ट करने के निर्देश

नदी जल संरक्षण पर विशेष बल देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की नदियों के पानी को झारखंड के भीतर ही संरक्षित कर उसे किसानों के खेतों तक पहुँचाने के लिए ठोस एवं व्यवहारिक कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने नदी जल को छोटे-छोटे जलाशयों में लिफ्ट कर सिंचाई कार्यों में उपयोग करने तथा स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप योजनाएं बनाने पर जोर दिया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने पॉली तालाबों में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित कर मत्स्य पालन (मछली पालन) को भी बढ़ावा देने की बात कही।

सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से ग्रामीण पलायन पर लगेगी रोक

मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि झारखंड मूलतः एक कृषि प्रधान राज्य है। यहाँ सिंचाई सुविधाओं के व्यापक विस्तार से न केवल कृषि उत्पादन में रिकॉर्ड वृद्धि होगी, बल्कि हमारे किसानों की आर्थिक स्थिति भी बेहद सुदृढ़ होगी। खेती-किसानी के मजबूत होने से ग्रामीण क्षेत्रों से होने वाले पलायन पर भी प्रभावी रोक लगेगी। अधिकारियों को निर्देशित किया कि खेतों तक पानी पहुँचाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ प्रयास सुनिश्चित किए जाएं और राज्य में खेती के लिए पानी की समस्या किसी भी स्थिति में उत्पन्न नहीं होनी चाहिए।

एक नजर

असम विस में पेश हुआ यूसीसी विधेयक

गुवाहाटी : असम विधानसभा में सोमवार को यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी), असम 2026 विधेयक पेश किया गया। इस विधेयक का उद्देश्य राज्य के सभी निवासियों के लिए विवाह, तलाक, उत्तराधिकार तथा लिव-इन संबंधों को लेकर एक समान नागरिक कानूनी ढांचा स्थापित करना है। हालांकि, संविधान द्वारा प्रदत्त विशेष संरक्षण को ध्यान में रखते हुए अनुसूचित जनजातियों को इसके दायरे से बाहर रखा गया है।

गंगा स्नान के दौरान 12 लोग डूबे 5 की मौत

बदायूं : उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में सोमवार को ज्येष्ठ गंगा दशहरा के पावन अवसर पर एक बड़ा हादसा हो गया। कछला और अटैना घाट पर गंगा स्नान के दौरान गहरे पानी में जाने से अलग-अलग हादसों में कुल 12 श्रद्धालु डूब गए। स्थानीय गोताखोरों और पुलिस की मदद से 6 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है, जबकि 5 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, एक 17 वर्षीय बच्ची अभी भी लापता है, जिसकी तलाश के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

4 बच्चों को कुएं में फेंक कर पिता ने की आत्महत्या

मुंबई : महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में सोमवार को सुबह पत्नी से परेशान एक शख्स ने अपने चार बच्चों को कुएं में फेंककर खुद फंदा लगा कर आत्महत्या कर लिया। जामोद ग्रामीण पुलिस स्टेशन ने घटनास्थल से पांचों शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस घटना की गहन छानबीन जारी है। गांव में एक ही समय में पांच शव मिलने से हडकंप मच गया है।

देबाशीष सामंतराय ने राज्यसभा और पार्टी से दिया इस्तीफा

नयी दिल्ली : बीजू जनता दल (बीजद) के वरिष्ठ नेता देबाशीष सामंतराय ने सोमवार को राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन को अपना आधिकारिक इस्तीफा सौंपा। इससे पहले उन्होंने बीजद अध्यक्ष नवीन पटनायक को पत्र लिखकर पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से भी इस्तीफा देने की घोषणा की थी।

वित्त मंत्री ने कहा, '3 एफ' पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत

एजेंसी

नयी दिल्ली : फाइनेंस मिनिस्टर निर्मला सीतारमण ने सोमवार को फ्यूल, फर्टिलाइजर और फॉरेन एक्सचेंज पर और ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कहा है कि क्रूड ऑयल, फर्टिलाइजर्स और गोल्ड की बढ़ी कीमतें एक्सटर्नल सेक्टर पर दबाव बढ़ा रही हैं।

पश्चिम एशिया संकट और एनर्जी मार्केट्स में चल रहे उतार-चढ़ाव के कारण बढ़ते वैश्विक दबावों के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को '3ऋ का मंत्र दिया है और इन पर अधिक ध्यान देने की बात कही है। सीतारमण के यह 3ऋ फ्यूल, फर्टिलाइजर और फॉरेन एक्सचेंज हैं। मुंबई में आयोजित एक इवेंट में वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पेट्रोल-डीजल और फॉरेन एक्सचेंज बचाने, गोल्ड जैसे गैर-जरूरी इंपोर्ट से बचने की हालिया अपील को बाहरी आर्थिक दबाव को मैनेज करने के संदर्भ में देखा जाना चाहिए।

दस दिन में चौथी बार बढ़े ईंधन के दाम

पेट्रोल 2.61 रुपये, डीजल 2.71 रुपये हुआ महंगा

एजेंसी

नई दिल्ली : पश्चिम एशिया संकट के बीच सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आज एक बार फिर इजाफा किया है। तेल कंपनियों ने पेट्रोल की कीमत 2.61 रुपये प्रति लीटर, जबकि डीजल के दाम 2.71 रुपये प्रति लीटर बढ़ाये हैं। पिछले 10 दिन में यह चौथी बढ़ोतरी हैं। नई दरें लागू हो गई हैं। इंडियन ऑयल के वेबसाइट के मुताबिक राष्टीरय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 2.61 रुपये प्रति लीटर बढ़कर 102.12 रुपये प्रति लीटर हो गई है, जो पहले 99.51 रुपये प्रति लीटर थी। वहीं, डीजल के दाम 2.71 रुपये बढ़कर 95.20 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गए हैं, जो पहले 92.49 रुपये प्रति लीटर था।

शहर	पेट्रोल में बढ़ोतरी	नया दाम (पेट्रोल)	डीजल में बढ़ोतरी	नया दाम (डीजल)
दिल्ली	+2.61 रुपये	102.12 रुपये	+2.71 रुपये	95.20 रुपये
कोलकाता	+2.87 रुपये	113.51 रुपये	+2.80 रुपये	99.82 रुपये
मुंबई	+2.72 रुपये	111.21 रुपये	+2.81 रुपये	97.83 रुपये
चेन्नई	+2.46 रुपये	107.77 रुपये	+2.55 रुपये	99.55 रुपये
रांची	+3 .40 रुपये	105 .93 रुपये	+3 .40 रुपये	101.06 रुपये

इसके अलावा कोलकाता में पेट्रोल 113.51 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है, जहां 2.87 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। मुंबई में इसका भाव 111.21 रुपये प्रति लीटर हो गया है, जबकि चेन्नई में कीमत 107.77 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गई। इसी तरह कोलकाता में डीजल की कीमत 99.82 रुपये प्रति लीटर हो गई है। मुंबई में डीजल का दाम 97.83 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला : बीपीएससी 33वीं न्यायिक सेवा परीक्षा टली

एजेंसी

नयी दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बड़ा फैसलाबिहार लोक सेवा आयोग ने 33वीं बिहार न्यायिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा 2026 की प्रारंभिक परीक्षा स्थगित कर दी है। सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश के बाद 3 जून को होने वाली परीक्षा फिलहाल टाल दी गई है।बिहार न्यायिक सेवा की तैयारी में दिन-रात जुटे हजारों अभ्यर्थियों के लिए बड़ी खबर आई है। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) ने 33वीं बिहार न्यायिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा की प्रारंभिक परीक्षा को फिलहाल स्थगित करने का फैसला लिया है। यह परीक्षा 3 जून 2026 को आयोजित होने वाली थी, लेकिन अब इसे टाल दिया गया है। आयोग की ओर से जारी नोटिस में बताया गया है कि यह फैसला सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारित अंतरिम आदेश के बाद लिया गया है।सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद लिया गया फैसलाजारी नोटिस के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिका पर सुनवाई के दौरान 22 मई 2026 को अंतरिम आदेश पारित किया गया था। उसी आदेश के आलोक में बिहार लोक सेवा आयोग ने 3 जून को होने वाली प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा को स्थगित करने का निर्णय लिया है।

रिम्स-2 अस्पताल बनेगा 42 सौ करोड़ रुपये की लागत से, 26 सौ करोड़ देगा एडीबी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची में प्रस्तावित रिम्स-2 परियोजना को लेकर सोमवार को स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में नेपाल हाउस स्थित सभागार में एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) की टीम के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक हुई। बैठक में 4200 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले अत्याधुनिक अस्पताल की निर्माण योजना, वित्तीय प्रबंधन और तकनीकी पहलुओं पर विस्तार से ठोस रूप से चर्चा की गई।

तीन वाहनों की टक्कर में छह की मौत, 26 घायल

एजेंसी

मुंबई : महाराष्ट्र के धुले जिले में मुंबई-आगरा हाइवे लालिंग घाट पर सोमवार तडके हुई तीन वाहनों की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई और 26 लोग घायल हो गए। सभी घायलों का इलाज धुले के भाऊसाहेब हीरे सरकारी मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। इस घटना की छानबीन मोहाडी पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है।

घटना की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि आज तडके करीबतीन बजे लालिंग घाट पर विपरीत दिशा में चल रहे एक रेती भरे डंपर ने शराब ले जा रहे एक ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी। इस घटना के बाद टोल प्लाजा के कर्मचारी और वहां मौजूद लोग घायलों को बचाने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार निजी ट्रैवेल बस ने दोनों वाहनों को टक्कर मार दिया। इस घटना में छह लोगों की मौत हो गई और करीब 26 लोग घायल हो गए। इस घटना में सभी घायलों का इलाज नजदीकी अस्पताल में हो रहा है।

महाराष्ट्र के अम्बेनाली घाट में कार खाई में गिरी, आठ की मौत

मुंबई : महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में महाबलेश्वर-पोलादपुर रोड पर अम्बेनाली घाट इलाके में बीती रात एक कार 900 फुट गहरी खाई में गिर गई, जिससे आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है। राहत और बचाव टीम ने सोमवार को सुबह से अब तक पांच शव बरामद कर खाई से निकाल लिया गया है। अभी मौके पर राहत और बचाव कार्य जारी है। इस घटना की छानबीन कर रही हाइवे पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सातारा जिले के रहने वाले आठ लोग पिकनिक के लिए शनिवार को रत्नागिरी जिले के दापोली में आए थे। यह सभी लोग रविवार को देर रात दापोली से सातारा की ओर कार से लौट रहे थे। जब उनकी कार अम्बेनाली घाट पर पहुंची ही थी कि अचानक चालक का नियंत्रण कार से हट गया और कार करीब 900 फीट गहरी खाई में गिर गई।

शिबू सोरेन को मरणोपरांत मिला पद्म भूषण, झामुमो में खुशी की लहर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत शिबू सोरेन ('दिशोम गुरु') को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा सोमवार को मरणोपरांत पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में आयोजित एक गरिमामय समारोह में वर्ष 2026 के पहले पद्म पुरस्कार प्रदान किए गए। इस सम्मान से झामुमो कार्यकर्ताओं और आदिवासी समाज में खुशी की लहर है। नेताओं का कहना है कि झारखंड निर्माण और आदिवासी समाज को उनके अधिकारों के लिए जागरूक करने में गुरुजी का योगदान अतुलनीय रहा है, और यह सम्मान पूरे जनजातीय समाज के लिए गौरव की बात है।

राष्ट्रपति ने प्रदान किए पद्म सम्मानः कला, खेल और चिकित्सा जगत की 66 हस्तियां हुईं सम्मानित

धर्मेंद्र सिंह देओल को मरणोपरांत मिला पद्म विभूषण

एजेंसी

नयी दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक भव्य नागरिक अलंकरण समारोह में वर्ष 2026 के लिए देश के प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कार प्रदान किए। इस विशेष समारोह में देश के विकास और समाज सेवा में अतुलनीय योगदान देने वाली कुल 66 प्रतिष्ठित विभूतियों को सम्मानित किया गया।

समारोह की शुरूआत में सिनेमा जगत के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र सिंह देओल को मरणोपरांत देश के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान 'पद्म विभूषण' से नवाजा गया। उनकी ओर से यह सम्मान उनकी पत्नी और लोकसभा सदस्य हेमा मालिनी ने राष्ट्रपति के हाथों ग्रहण किया।

पहले चरण के इस भव्य समारोह में चिकित्सा, शिक्षा, खेल, कला और समाज सेवा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय व जमीनी काम करने वाले 66 लोगों को राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया गया। शेष बचे हुए अन्य विजेताओं को अगले चरण के समारोह में सम्मानित किया जाएगा। राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल में आयोजित इस गरिमामयी कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई कैबिनेट मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

पत्नी हेमा मालिनी ने ग्रहण किया पुरस्कार

131 लोगों को मिला पद्म सम्मान

"इस वर्ष जनवरी में गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर गृह मंत्रालय द्वारा कुल 131 पद्म पुरस्कारों की घोषणा की गई थी, जिन्हें राष्ट्रपति ने अपनी स्वीकृति दी थी। इस पूरी सूची में 05 हस्तियों को पद्म विभूषण, 13 उत्कृष्ट व्यक्तित्वों को पद्म भूषण एवं 113 नागरिकों को पद्म श्री सम्मान के लिए चुना गया था।"

एक नजर

भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए एसडीओ ने की प्याऊ की व्यवस्था

बरही : बरही में लगातार बढ़ती गर्मी एवं लू की गंभीर स्थिति को देखते हुए बरही अनुमंडल पदाधिकारी जोहन टुड्डू ने बरही चौक एवं बरही निबंधन कार्यालय में प्याऊ की व्यवस्था की। जिसका उद्देश्य आमजनों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराकर भीषण गर्मी से राहत प्रदान करना है, ताकि आम लोगों को गर्मी के दौरान पेयजल संकट का सामना ना करना पड़े। इस दौरान एसडीओ जोहन टुड्डू ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि सभी स्थानों पर पेयजल व्यवस्था की नियमित निगरानी की जाए तथा पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाये। साथ ही खराब पड़े चापाकलों एवं जलमीनारों की त्वरित मरम्मत कराने तथा आवश्यकतानुसार टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिए गए है। वहीं उन्होंने आम नागरिकों से अपील की है कि अत्यधिक गर्मी एवं लू के दौरान अनावश्यक रूप से घरों से बाहर ना निकलें, पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन करे तथा स्वास्थ्य संबंधी सभी आवश्यक सावधानियों का पालन करें, ताकि गर्मी के प्रभाव से बचा जा सकें।

संस्कार भारती हजारीबाग की साधारण सभा संपन्न तीन नए संरक्षक नियुक्त

हजारीबाग : संस्कार भारती हजारीबाग जिला इकाई की साधारण सभा सांस्कृतिक माहौल में संपन्न हुई। मुख्य अतिथि प्रांत मंचीय कला संयोजक राकेश रमन ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रांतीय पर्यवेक्षक राकेश रमन ने व्यवसायी राजेंद्र प्रसाद, सेवानिवृत्त सहायक समादेष्टा हृदयकांत पाठक और अन्नदा कॉलेज के प्राचार्य डॉ. नीलमणि मुखर्जी को संस्था का संरक्षक घोषित किया। मंत्री राजीव कुमार झा ने वार्षिक प्रतिवेदन और कोषाध्यक्ष अनिल पांडेय ने आय-व्यय का ब्यौरा पेश किया। दोनों प्रतिवेदन ओंकार ध्वनि के साथ सर्वसम्मति से पारित हुए।

'अकके प्रदूषण से कला बचाएं'
मुख्य अतिथि राकेश रमन ने कहा कि भारतीय कला और संस्कार के संरक्षण में संस्कार भारती अग्रणी है। "अकके सांस्कृतिक प्रदूषण से कला को बचाने की जरूरत है। कला साधना से ही सुशोभित होती है। शोभा सिंहा की शिष्याओं ने ध्येय गीत और सरस्वती वंदना पेश की। अय्याशीका राय के एकल नृत्य, राजस्थानी और हरियाणवी नृत्यों की प्रस्तुति हुई।

युवाओं के लिए निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण, स्वरोजगार से जोड़ने की पहल

हजारीबाग : उपायुक्त हेमन्त सती के निदेर्शानुसार इंडियन बैंक आरसेटी, हजारीबाग द्वारा युवाओं को स्वरोजगार एवं कौशल विकास से जोड़ने के उद्देश्य से विभिन्न नि:शुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।
प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्लंबिंग एवं सैनेटरी कार्य, घरेलू विद्युत उपकरण सेवा उद्यमी, हल्के मोटर वाहन चालक, सौर ऊर्जा उपकरण तकनीशियन तथा फास्ट फूड स्टॉल उद्यमी से संबंधित प्रशिक्षण शामिल हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम जून से अक्टूबर तक चरणबद्ध तरीके से आयोजित होंगे। सभी प्रशिक्षण पूर्णत: नि:शुल्क होंगे तथा प्रशिक्षणार्थियों के लिए रहने एवं खाने की भी व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी।

हजारीबाग में गूंजा 'संतों की सुरक्षा राष्ट्र की जिम्मेदारी' का नारा, जैन समाज का मौन जुलूस

मुनिश्री धर्म सागर जी के सानिध्य में उमड़ा जनसैलाब डीसी को सौंपा ज्ञापन, सर्वसमाज ने दिखाई एकजुटता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : राष्ट्रीय संत सुरक्षा अभियान के तहत हजारीबाग में मंगलवार को जैन समाज ने अनुशासन और शांति की मिसाल पेश की। पूज्य मुनिश्री धर्म सागर जी एवं मुनि श्री भाव सागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से शहर में भव्य मौन जुलूस निकाला गया। जुलूस में महिलाओं, पुरुषों, युवाओं और बच्चों समेत हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर संतों की सुरक्षा को राष्ट्रधर्म बताया।

डीसी कार्यालय तक पहुंचा जनसैलाब

मौन जुलूस नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरता हुआ उपायुक्त कार्यालय पहुंचा। वहां उपायुक्त और पुलिस प्रशासन के प्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपकर जैन संतों एवं साधु-साध्वियों की सुरक्षा के लिए ठोस प्रोटोकॉल बनाने की मांग की गई। समाजजनों ने कहा, "संतों पर हमला केवल जैन समाज पर नहीं, संपूर्ण मानवता और भारतीय संस्कृति पर आघात है।"

मुनिश्री का उद्बोधन: 'विशेष कानून बने'

पूज्य मुनिश्री धर्म सागर जी ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर संत सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू हो। संत सुरक्षा नीति बने और संतों के विरुद्ध अपराधों को विशेष संवेदनशील श्रेणी में रखा जाए। उन्होंने प्रशासन और समाज के बीच बेहतर समन्वय तंत्र की जरूरत भी बताई।

तख्तियों पर लिखे थे संकल्प

जुलूस में शामिल श्रद्धालु हाथों में तख्तियां लिए थे। उन पर लिखा था: 'संतों की सुरक्षा राष्ट्र की जिम्मेदारी' और 'अहिंसा के पथिक सुरक्षित हों, भारत की संस्कृति संरक्षित हो'। पूरा माहौल अनुशासित और शांतिपूर्ण रहा। पूर्व सांसद यदुनाथ पांडे, ईसाई समाज के धर्मगुरु आनंद जोजो, भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह, आरएसएस के आशुतोष जी, बार एसोसिएशन के डॉ. संतोष कुमार पांडे, सद्भावना विकास मंच के दीपक कुमार, सीपीआई के गणेश सिट्टू, गायत्री परिवार के डूंगरमल जैन, चंद्रवंशी समाज के अजीत चंद्रवंशी, तेली समाज के राजेंद्र प्रसाद समेत कई संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

'जन-जागरण का उद्देश्य सफल'

जैन समाज के मीडिया हेड विजय जैन लुहाड़िया ने बताया कि जुलूस का उद्देश्य संतों की सुरक्षा के प्रति जन-जागरण था। श्रद्धालुओं ने एक स्वर में संदेश दिया कि संतों का सम्मान राष्ट्र का सम्मान है।

पूर्व विधायक ने जनता दरबार लगाया कई लोगों के समस्याओं को कराया समाधान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने अपने आवास बरवाडीह स्थित समाधान भवन में जनता आपके दरबार का आयोजन किया। जिसका नेतृत्व कांग्रेस नेता विशेश्वर नाथ चौबे ने किया । मौके पर दर्जनों लोगों ने अपनी समस्याओं को लेकर जनता दरबार पहुंचे। अंबा प्रसाद ने लोगों की समस्याओं को समझने एवं उसे दूर करने का प्रयास किया। इस दौरान कई लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों से बात कर पूरा किया । पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने कहा कि जनता की सेवा के लिए मैं निरंतर लगी हुई हूं ,मैं हमेशा जनता के बीच रहकर काम करती रहूंगी। स्थानीय तौर पर जनता की मूलभूत जो भी समस्या है,उस पर अधिकारियों से बात कर समाधान कराने के लिए विशेष ध्यान दिया जाएगा। मौके पर मुख्य रूप से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विशेश्वर चौबे, गौतम कुमार, बाबर हुसैन कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष बड़कागांव विधानसभा, जफर आलम, मंजर अली, गणेश कुमार साव, मोहम्मद तारीख हुसैन, फिरोज अख्तर, इंजमाम अंसारी, बॉबी कुमार, आशिक रजा, फिरोज अंसारी, खीरू साव, गौतम कुशवाहा, मनोज कुमार, संदीप कुमार, आराधना गुप्ता एवं धर्मेंद्र सोनी सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

लाखों की जलमीनार बनी शोपीस: रोमी चौक में 'हर घर जल' योजना फेल, वर्षों से बंद पड़ा स्ट्रक्चर

प्रत्यूष नवबिहार (मोहन राणा)

हजारीबाग : सरकार की महत्वाकांक्षी 'हर घर जल' योजना रोमी पंचायत के रोमी चौक में सरकारी लापरवाही की भेंट चढ़ गई है। लाखों रुपये खर्च कर बनाई गई जलमीनार निर्माण के कई साल बाद भी चालू नहीं हो सकी। नतीजा, ग्रामीण आज भी चापाकल और कुओं के भरोसे हैं।

ढांचा खड़ा, पर पानी नदारद

रोमी चौक में पंचायत के हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के लिए जलमीनार बनाई गई थी। ग्रामीणों को भरोसा दिया गया था कि अब पानी के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। लेकिन हकीकत यह है कि जलमीनार सिर्फ एक ढांचा बनकर खड़ी है। गांव के कई हिस्सों में पाइपलाइन तो बिछा दी गई, पर कई घरों में नल तक नहीं लगे। जहां पाइप पहुंची भी, वहां आज तक एक बूंद पानी नहीं आया।

- पाइपलाइन बिछी पर घरों तक नहीं पहुंचा पानी, ग्रामीणों ने जांच की मांग की
- शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं
- लाखों खर्च, फिर भी पानी नहीं-रोमी पंचायत के ग्रामीण परेशान

'केवल कागजों में योजना'
स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि योजना के नाम पर सिर्फ औपचारिकता पूरी की गई। "लाखों खर्च हुए, पर लाभ जीरो। जलमीनार शोपीस बन गई। गर्मी में हालत और खराब हो जाती है। महिलाएं और बच्चे आज भी दूर से पानी ढोने को मजबूर हैंः, एक ग्रामीण ने बताया। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार विभाग, जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के सामने समस्या उठाई गई, लेकिन कोई ठोस पहल नहीं हुई। इससे विभागीय कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि योजना अब सिर्फ कागजों और सरकारी दावों तक सीमित रह गई है।

किशोरी राणा का सत्ता पर तीखा प्रहार, बोले- धृतराष्ट्र-लक्ष्मण की लड़ाई में पिस रही जनता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग की सियासत इन दिनों अहंकार और वर्चस्व की लड़ाई का अखाड़ा बन चुकी है। सांसद बनाम विधायक की खुली टकराहट ने शहर का सियासी पारा चढ़ा दिया है। इस राजनीतिक घमासान पर नव झारखंड फाउंडेशन के केंद्रीय अध्यक्ष सह समाजसेवी किशोरी राणा ने तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सत्ता के चेहरे सम्मान की लड़ाई में उलझे हैं, जबकि जनता बुनियादी सुविधाओं के लिए कराह रही है।

'जनता की आवाज शोर में दब गई'
किशोरी राणा ने कहा, "हजारीबाग की जनता बिजली, पानी, सड़क और अस्पताल जैसी मूलभूत समस्याओं से जूझ रही है। लेकिन नेताओं को इसकी फिक्र नहीं। कोई बड़े भाई का सम्मान बचाने में लगा

है, तो कोई अपमान का बदला लेने की हुंकार भर रहा है।" उन्होंने तंज कसा, "धृतराष्ट्र और लक्ष्मण की इस लड़ाई में पिस सिर्फ जनता रही है। इस सियासी शोर में जनता की आवाज पूरी तरह दब चुकी है।"

नगर निगम पर भी साधा निशाना
किशोरी राणा ने नगर निगम की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि महापौर और नगर निगम आयुक्त की आपसी खींचतान से विकास कार्य पूरी तरह ठप हैं। उपमहापौर की भूमिका जनता को कहीं नजर नहीं आ रही। "शहर की सड़कें गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं। अस्पतालों में इलाज की व्यवस्था बदहाल है। भीषण गर्मी में लोग बूंद-बूंद पानी के लिए परेशान हैं", उन्होंने कहा।

'काम की राजनीति चाहिए, सम्मान की नहीं'

उन्होंने दो टूक कहा कि जनता को नेताओं की व्यक्तिगत प्रतिष्ठा से कोई सरोकार नहीं है। तो आज हजारीबाग की तस्वीर कुछ और होती।

'जनता हिसाब जरूर करेगी'

किशोरी राणा ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि जनता सब देख और समझ रही है। आने वाले समय में जनता ही तय करेगी कि उसे सम्मान की राजनीति चाहिए या काम की राजनीति। "जो जनसमस्याओं से मुंह मोड़ेगा, जनता उसे सत्ता से जरूर मोड़ेगी", उन्होंने कहा।

भीषण गर्मी में हजारीबाग यूथ विंग ने बुझाई हजारों लोगों की प्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : 39 डिग्री तापमान और लू के थपेड़ों के बीच हजारीबाग यूथ विंग ने इंसानियत की मिसाल पेश की। शनिवार को भारत माता चौक के समीप संस्था ने विशाल शरबत वितरण कार्यक्रम चलाकर करीब 5000 से अधिक राहगीरों, मजदूरों, एम्बुलेंस चालकों और यात्रियों की प्यास बुझाई। चिलचिलाती धूप में जब लोग गर्मी से बेहाल होकर गुजर रहे थे, तब यूथ विंग के सदस्य लगातार ठंडा और मीठा शरबत पिलाकर राहत पहुंचाते रहे। कार्यक्रम स्थल पर लोगों की लंबी कतारें लगी रहीं। शरबत पीने के बाद राहगीरों के चेहरे पर आई मुस्कान ने माहौल को मानवीय संवेदनाओं से भर दिया।

समाजसेवी मुन्ना सिंह ने भी बांटा शरबत

कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी मुन्ना सिंह भी भारत माता चौक से गुजरते हुए मौके पर पहुंचे। उन्होंने खुद

राहगीरों को शरबत पिलाया और हजारीबाग यूथ विंग के सेवा कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि संस्था लगातार समाजहित में सराहनीय काम कर रही है।
कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजक जयप्रकाश खंडेलवाल और प्रणीत जैन की अहम भूमिका रही। दोनों ने पूरी व्यवस्था सुव्यवस्थित ढंग से संभाली। संरक्षक चंद्रप्रकाश जैन ने कहा, "हर मौसम में जनता के साथ खड़ा रहना ही हमारा संकल्प है। सेवा कार्य ही संस्था की सबसे बड़ी पहचान है। आगे भी जनहित में काम जारी रहेंगे।" वहीं अध्यक्ष करण जायसवाल ने कहा, "सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं, यही हमारी सोच है।

विभावि बनेगा 'सेंटर आफ डिसेबिलिटी स्टडीज' : कुलपति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग को 'सेंटर फॉर डिसेबिलिटी स्टडीज' के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय एक ऐसे केंद्र के रूप में कार्य करेगा जो विद्यालय और महाविद्यालय में पढ़ रहे विशिष्ट अधिगम अक्षमता वाले शिक्षार्थियों को मुख्य धारा में शामिल करने पर कार्य करेगा। उक्त बातें विभावि के कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा ने सोमवार को कहीं। वह स्वामी विवेकानंद सभागार में आयोजित तीन दिवसीय 'शिक्षकों का क्षमता निर्माण कार्यशाला' के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यशाला का आयोजन आइक्यूएसी, विभावि तथा 'द कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग - सेमका 'के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। कुलपति ने कहा कि इस

तरह के प्रावधान राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी जोड़े गए हैं। इसके तहत विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों को अब ऐसे विद्यार्थियों के देखभाल के लिए विद्यालयों का हाथ थामना है। इसके लिए राज्य के विद्यालयों के शिक्षकों का संवेदीकरण एक समयउपयोगी कार्य सिद्ध होगा । उन्होंने बताया कि जिन्हें हम कभी-कभी मंदबुद्धि वाले विद्यार्थी समझने की भूल करते हैं उनमें भी मेधा की कमी नहीं होते हैं। इस संबंध में उन्होंने आमिर खान की लोकप्रिय फिल्म 'तारे जमीन पर' की चर्चा की।

उन्होंने कहा कि कार्यशाला में लगभग 50 लोगों की छोटी टोली बनाई गई है ताकि बेहतर प्रशिक्षण दिया जा सके। ऐसे लोग मास्टर ट्रेनर बन के सक्षमता-दूत की भूमिका में होंगे। कार्यक्रम को नई दिल्ली 'द कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग' के सेमका के निदेशक डॉ बशीरहमद शडरेख ने वर्चुअल मोड में संबोधित किया। उन्होंने कहा कि विनोबा भावे विश्वविद्यालय भारत का पहला विश्वविद्यालय है जो इस कार्य को लेकर कार्य प्रारंभ किया है। उन्होंने विभावि के कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा को इसका श्रेय देते हुए उनकी सराहना की। डॉ शडरेख ने ऐसे बच्चों को 'विशेष रूप से प्रतिभाशाली (specially gifted)' कहा। इस संबंध में उन्होंने आरपीडब्ल्यूडी (RPwD) एक्ट 2016 के विभिन्न प्रावधानों की चर्चा की। भारत सरकार के उच्च शिक्षा मंत्रालय का संवेदीकरण कार्यक्रम बिल्ड की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अब ऐसे विद्यार्थियों के लिए सिर्फ रैंप और लिफ्ट की व्यवस्था करना पर्याप्त नहीं है। अब इन्हें डिजिटल सपोर्ट देनी होगी, सॉफ्टवेयर पर काम करना होगा। कार्यक्रम में समायोजन, सुलभन तथा आकलन के महत्व को भी बताया। बताया कि अल्बर्ट आइंस्टीन और अगाथा क्रिस्टी जैसे विश्व विख्यात लोग भी इस तरह की अक्षमता से पीड़ित थे। यदि इस तरह के बच्चों के बारे में अभी नहीं सोचेंगे तो भविष्य के आइंस्टीन और क्रिस्टी जैसे 'आउट ऑफ बॉक्स' चिंतन करने वाले लोगों को हम खो देंगे।

संक्षिप्त खबरें

टीबी के मरीजों के लिए राहत की खबर, बरही अनुमंडलीय अस्पताल में अब ट्रूनेट मशीन से होगी जांच

बरही : बरही में टीबी की जांच करा रहे मरीजों के लिए एक राहत भरी खबर है, अब बरही अनुमंडलीय अस्पताल में टीबी की जांच ट्रूनेट मशीन से की जाएगी। जिससे मरीजों की जांच में आसानी होगी। दरअसल, राज्य यक्ष्मा विभाग के आदेशानुसार बरही अनुमंडलीय अस्पताल में ट्रूनेट मशीन सुविधा शुरू की है। यह मशीन टीबी संभावित मरीजों के लिए जांच में प्रयोग की जाएगी। इस संबंध में बरही अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ प्रकाश ज्ञानी ने बताया कि भारत को टीबी मुक्त बनाने का संकल्प लिया गया है। इसीलिए टीबी रोग की रोकथाम केडी विभिन्न उपाय किए जा रहे है। टीबी रोग पर नियंत्रण करने के लिए लोगों को जागरूक करने का प्रयास भी किया जा रहा है। बता दें कि टीबी एक संक्रामक बीमारी है जो माइक्रोबैक्टीरियम नामक जीवाणु के कारण होती है। यह जीवाणु हवा के माध्यम से फैलता है और आमतौर पर फेफड़ों को संक्रमित करता है, लेकिन शरीर के अन्य भागों को भी संक्रमित कर सकता है। टीबी के जीवाणु जब किसी व्यक्ति के शरीर में प्रवेश करते है, तो वे फेफड़ों में संक्रमण पैदा करते है। टीबी के लक्षणों में खांसी, बलगम, बुखार, थकान, वजन कम होना और रात में पसीना आना है।

बरही पश्चिमी मुखिया ने बरही चौक की करायी साफ-सफाई

बरही : बरही चौक समेत सड़कों पर पसरी गंदगी से जब लोग परेशान होने लगे तब बरही पश्चिमी के मुखिया शमशेर आलम ने सोमवार को बरही चौक के आसपास की गंदगी को साफ कराया। मुखिया के इस कार्य की लोगों ने सराहना की। बरही चौक समेत सड़कों की साफ सफाई के लिए कोई बरही में कोई व्यवस्था नहीं है। जब बहुत अधिक गंदगी से लोग परेशान हो जाते हैं तो कभी बरही पश्चिमी के मुखिया और कभी बरही पूर्वी के मुखिया साफ सफाई कराते हैं। बरही अधिसूचित क्षेत्र नहीं है। इसके कारण बरही चौक समेत सार्वजनिक स्थानों की साफ सफाई नियमित रुप से नहीं होती है। दूसरी ओर बरही चौक के चारों ओर ठेला वाले, फल सब्जी विक्रेता और स्थानीय व्यवसायी प्रतिदिन कुड़ा कचरा सड़कों पर ही फेंक देते हैं। अनेक बार उन्हें अपने व्यवसाय की गंदगी को स्वयं निस्तारण के लिए कहा गया लेकिन उसमें कोई सुधार नहीं हुआ। यही कारण है कि जब गंदगी की बदबू से लोग परेशान होने लगते हैं तो ही साफ सफाई होती है।

ब्रह्म विद्या विहंगम की ओर से सत्संग गोष्ठी का हुआ आयोजन

बरही : ब्रह्म विद्या विहंगम योग की ओर से हजारीबाग रोड स्थित शकुंतला पैलेस में सत्संग गोष्ठी का आयोजन किया गया।
अध्यक्षता किशोर सिंह एवं संचालन कृष्णा कुमार गुप्ता ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक ॐ कार ध्वनि से हुआ। जिसके बाद स्वागत गान, मंगल गान, शांति पाठ, ज्ञान गुदरी ममता देवी द्वारा, उद्बोधन सुनीता देवी द्वारा, स्वर्वेद पाठ कृष्णा कुमार गुप्ता द्वारा, भजन ममता देवी, सुनीता देवी व सुलेखा कुमारी द्वारा किया गया। द्वारा किया गया। इस अवसर पर कृष्णा कुमार गुप्ता, रविन्द्र सिंह, अनिल प्रजापति,चंदन शर्मा, अनमोल राणा, राकेश प्रसाद, प्रमोद गुप्ता सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

डोकाटांड में मंडापूजा धूमधाम से हुआ संपन्न

बड़कागांव : नापोखुर्द पंचायत अंतर्गत डोकाटांड में मंडापूजा का आयोजन किया गया। इस दौरान दर्जन भर से अधिक श्रद्धालुओं ने पीठ में कील लगवा कर 40 फीट ऊंचे लट्ठे से परिक्रमा कर फूल का छिड़काव किया। इस दौरान भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने फूल को लपकने का प्रयास किया। गांव के बुजुर्ग का कहना है कि बनस पूजा में भक्त के द्वारा छिड़काव किए गए फूल घर लाने एवं तिजोरी में रखने से सुख स्मृद्धि एवं सफलता प्राप्त होती है। वहीं रविवार रात्रि में श्रद्धालु नंगे पहुंच चलकर आस्था का परिचय दिया। विधायक रोशन लाल चौधरी पूजा में पहुंचे एवं श्रद्धालुओं के मनोबल को बढ़ाया, एवं मंडा पूजा की बधाई दी। इस दौरान पूजा समिति के द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें सफल परीक्षार्थियों को सम्मानित कर प्रोत्साहित किया गया। 12 वीं कक्षा साइंस में प्रथम स्थान साइंस में (91.4%) प्रियंका कुमारी, द्वितीय स्थान साइंस में (84.4%)लक्की कुमार, तृतीय स्थान आर्ट्स में (76.8%) दीपांशु कुमार सहित कुल 12 विद्यार्थी प्रथम स्थान प्राप्त किए। 10वीं कक्षा में प्रथम स्थान (83.8%) मधु कुमारी, द्वितीय स्थान (82.2%) साक्षी कुमारी, तृतीय स्थान (80%) सत्यम कुमार सहित कुल 17 विद्यार्थी प्रथम स्थान प्राप्त परीक्षार्थियों को अतिथि मुखिया गणेश साव अध्यक्ष मनोज साहू के हाथों सम्मानित किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम बनस मेला एवं प्रतिभा सम्मान समारोह को विधिवत सफल बनाने में मंडा पूजा समिति डोकाटांड़ के अध्यक्ष मनोज साव,सचिव अरुण साव,कोषाध्यक्ष दिवाकर साव, संयोजक सुखदेव साव, मिडिया प्रभारी दीपन साव, के अतिरिक्त अन्य युवाओं ने भी योगदान दिया। मेले में अतिथि के तौर पर विधायक रोशनलाल चौधरी,पूर्व विधायक प्रतिनिधि चंदर , पंसस गणेश साव, पूर्व मुखिया प्रतिनिधि चंद्रिका साव,पूर्व विधायक प्रतिनिधि अर्जुन साव, शंकर साव शामिल हुए। मंडापूजा में मुख्य भगत भादे पाहन,हीरालाल पाहन, हेमनी देवी,माकुन भुइयां, टीरु भुइयां, भीम साव, सुंदर साव,अजीत साव,अनिल साव,विष्णु साव,प्रसाद भुइयां आदि शामिल थे।

एक नजर

रांची विश्वविद्यालय में 28 को बकरीद का अवकाश

रांची : रांची विश्वविद्यालय ने ईद-उल-जोहा (बकरीद) के अवसर पर घोषित अवकाश की तिथि में आंशिक संशोधन किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने पूर्व में घोषित 27 मई के अवकाश को बदलते हुए अब 28 मई को अवकाश घोषित किया है। विश्वविद्यालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, 27 मई को विश्वविद्यालय मुख्यालय, संबंधित इकाइयां, सभी अंगीभूत महाविद्यालय तथा संबद्ध महाविद्यालय खुले रहेंगे। इस दिन सभी शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्य सामान्य दिनों की तरह संचालित होंगे। इस संबंध में रांची विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. गुरुचरण साहु ने सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी।

पॉक्सो अदालत ने दोषी को सुनाई 20 साल की सजा

रांची : रांची की पॉक्सो की विशेष अदालत ने नाबालिग लड़की के अपहरण मामले में दोषी उमेंद्र कुमार उर्फ उमेंद्र राय को 20 साल की कठोर सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर विभिन्न धाराओं के तहत कुल 35 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ना राशि जमा नहीं करने की स्थिति में अभियुक्त को अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। अदालत ने अभियुक्त को पॉक्सो एक्ट की धारा 4(2) के तहत 20 वर्ष की सजा और 25 हजार रुपये जुमार्ना की सजा सुनाई। वहीं भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 366 के तहत 10 वर्ष की सजा तथा 10 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया। इससे पूर्व अदालत अभियुक्त को दोषी करार दे चुकी थी।

कारोबारी विक्की भालोटिया की जमानत याचिका खारिज

रांची : बहुचर्चित जीएसटी घोटाला मामले में जमशेदपुर के जुगसलाई निवासी कारोबारी विक्की भालोटिया उर्फ अमित अग्रवाल को राहत नहीं मिली है। पीएमएलए की विशेष अदालत ने सोमवार को उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी। विक्की भालोटिया की ओर से छह मई को अदालत में जमानत याचिका दाखिल कर राहत की गुहार लगाई गई थी। मामले की सुनवाई के बाद अदालत ने याचिका नामंजूर कर दी। दरअसल, यह मामला शेल कंपनियों के जरिए फर्जी जीएसटी इनवॉइस तैयार कर 730 करोड़ रुपये से अधिक के फर्जीवाड़े से जुड़ा हुआ है। इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ईसीआईआर दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान ईडी ने कई आरोपितों को गिरफ्तार किया, जिनमें विक्की भालोटिया, शिव कुमार देवड़ा, मोहित देवड़ा और कोलकाता के कारोबारी अमित गुप्ता शामिल हैं।

एसी कॉपर वायर चोरी मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

रांची : रांची के लोअर बाजार थाना क्षेत्र स्थित सर्वदा ज्वेलर्स में एसी में लगे तांबे के तार की चोरी मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है और चोरी किए गए आठ किलो एसी कॉपर वायर बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपितों में कर्बला चौक निवासी मोहम्मद आसिफ उर्फ नेपाली और महेश लोहरा शामिल हैं। पुलिस ने चोरी के तार लक्ष्मी लकड़ा की कबाड़ी दुकान से बरामद किए। वहीं, कबाड़ी दुकान संचालक महेश लोहरा को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) केवी रमण ने सोमवार को बताया कि मामले की जांच के दौरान पुलिस को चोरी किए गए तांबे के तारों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिली। इसके आधार पर छापेमारी कर चोरी का सामान बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि कांके चौक निवासी सौरभ अग्रवाल और संजय अग्रवाल ने अज्ञात अपराधियों के खिलाफ लोअर बाजार थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी।

नदियां केवल जलधाराएं नहीं, हमारी आस्था संस्कृति और जीवन का आधारः राज्यपाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लोहरदगा : झारखंड के माननीय राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने आज गंगा दशहरा के पावन अवसर पर लोहरदगा जिला स्थित चूल्हापानी में आयोजित देवनद-दामोदर महोत्सव-2026 को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। इस दौरान राज्यपाल ने पर्यावरण और नदी संरक्षण पर विशेष बल देते हुए कहा कि नदियाँ केवल जलधाराएँ नहीं हैं, बल्कि हमारी अटूट आस्था, समृद्ध संस्कृति और मानव जीवन का मुख्य आधार हैं। उन्होंने रेखांकित किया कि दामोदर नदी झारखण्ड की जीवनरेखा (लाइफलाइन) के रूप में यहाँ के जनजीवन, कृषि, उद्योग एवं सांस्कृतिक परंपराओं को सदियों से समृद्ध करती आ रही है।

नदियों की स्वच्छता केवल शासन नहीं, हर नागरिक का दायित्व

माननीय राज्यपाल ने जनभागीदारी पर जोर देते हुए कहा कि नदियों की स्वच्छता और उनका जीर्णोद्धार केवल शासन-प्रशासन या सामाजिक संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह देश के प्रत्येक नागरिक का सामूहिक व नैतिक दायित्व है। उन्होंने केंद्र सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में नमामि गंगे परियोजना तथा लाइफ स्टाइल फॉर एनवायरनमेंट जैसे वैश्विक अभियानों के माध्यम से प्रकृति संरक्षण को एक राष्ट्रीय जन-संकल्प का स्वरूप दिया गया है। जब तक समाज की सक्रिय भागीदारी नहीं होगी, तब तक पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कोई भी सकारात्मक और स्थाई परिवर्तन संभव नहीं है।

वैश्विक जल संकट और जलवायु परिवर्तन पर जताई चिंता

राज्यपाल महोदय ने दामोदर महोत्सव को नदियों एवं प्रकृति संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता का एक सशक्त और सराहनीय अभियान बताया। उन्होंने वैश्विक स्तर पर पर्यावरण असंतुलन का जिक्र करते हुए कहा कि वर्तमान समय में पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन (क्लाइमेट चेंज), पर्यावरण प्रदूषण एवं गहरे जल संकट जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। ऐसे दूरगामी संकट के दौर में नदियों का संरक्षण और उनकी अविरलता को बचाए रखना मानव जीवन की सबसे अनिवार्य आवश्यकता बन चुका है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमारे प्राकृतिक जलस्रोत सुरक्षित रहेंगे, तभी जीवन और विकास के बीच सही संतुलन संभव हो सकेगा।

युवाओं से पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान

अपने संबोधन के अंत में राज्यपाल महोदय ने विशेष रूप से युवाओं, छात्र-छात्राओं एवं सामाजिक संगठनों से पर्यावरण संरक्षण की इस मुहिम को एक बड़े जन-आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाने का पुरजोर आह्वान किया। उन्होंने सचेत करते हुए कहा कि यदि हमारी नदियाँ जीवित और स्वच्छ रहेंगी, तभी मानव सभ्यताएँ और हमारा भविष्य सुरक्षित रह सकेगा। इस पावन अवसर पर उन्होंने उपस्थित जनसमूह से दामोदर सहित राज्य की सभी पावन नदियों की स्वच्छता, संरक्षण एवं उनके पुनर्जीवन हेतु एक सामूहिक संकल्प लेने की अपील की।

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की एमआरपी संबंधी राष्ट्रव्यापी जनजागरण मुहिम को मिला राजभवन का समर्थन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत द्वारा देशभर में उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा तथा बाजार में व्याप्त मनमानी मूल्य वसूली पर रोक लगाने हेतु अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) व्यवस्था को प्रभावी एवं जनहितकारी बनाने के लिए एक बड़ा राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत, झारखंड प्रांत की पर्यावरण प्रमुख डॉ. अनीता शर्मा ने महामहिम राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से राजभवन में शिष्टाचार भेंट की और उन्हें इस गंभीर समस्या से जुड़ा एक महत्वपूर्ण ज्ञापन सौंपा।

सौंपे गए ज्ञापन के माध्यम से बाजार में उपभोक्ताओं से वस्तुओं पर अंकित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी), जिसका असली लागत मूल्य से कई गुणा अधिक राशि का स्तर (लेबल) लगाकर वसूला जाता है, की ओर महामहिम का ध्यान आकृष्ट कराया गया। संगठन ने राज्यपाल को बताया कि विभिन्न क्षेत्रों में एक ही उत्पाद की अलग-अलग कीमतें ली जा रही हैं, जिससे सीधे तौर पर ग्राहकों के अधिकारों की अनदेखी हो रही है। ज्ञापन में आग्रह किया गया कि इस पूरी व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, कठोर एवं जनहितकारी बनाने हेतु प्रभावी कानून और सख्त क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। डॉ. अनीता शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में देश का आम उपभोक्ता अनेक प्रकार की आर्थिक शोषणकारी प्रवृत्तियों का सामना कर रहा है।

राज्यसभा चुनाव को लेकर झामुमो ने निर्वाचन आयोग को लिखा पत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

निष्पक्ष-भयमुक्त मतदान की मांग

रांची : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय महासचिव और प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने आगामी राज्यसभा चुनाव-2026 को लेकर भारत निर्वाचन आयोग से निष्पक्ष, पारदर्शी और भयमुक्त मतदान सुनिश्चित कराने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने सोमवार को निर्वाचन आयोग को पत्र भेजकर चुनाव प्रक्रिया पर विशेष निगरानी रखने का आग्रह किया।

सुप्रियो भट्टाचार्य ने मुख्य चुनाव आयुक्त तथा झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को भेजे गए पत्र में आशंका जताई है कि चुनाव के दौरान विधायकों को आर्थिक प्रलोभन, दबाव और भयादोहन के जरिए प्रभावित करने की कोशिश की जा सकती है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की गरिमा बनाए रखने के लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव बेहद आवश्यक है।

11 जिलों में बारिश और वज्रपात की चेतावनी, ऑरेंज अलर्ट जारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के 11 जिलों में 26 और 27 मई को बारिश, आकाशीय बिजली गिरने और तेज आंधी चलने की संभावना को लेकर मौसम विभाग ने सोमवार को ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार, इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

मौसम विभाग ने जिन जिलों में बारिश और वज्रपात की आशंका जताई है, उनमें गढ़वा, पलामू, लातेहार, चतरा, देवघर, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ और साहिबगंज शामिल हैं। विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है।

इधर, राज्यभर में भीषण गर्मी का प्रकोप लगातार जारी है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज में 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम तापमान कोडरमा में 20.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

राजधानी रांची और आसपास के क्षेत्रों में सोमवार सुबह से मौसम साफ रहा, लेकिन दिनभर उमस और तेज धूप के कारण लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा।

रांची प्रेस क्लब में कलमकार खुशबू बरनवाल 'सीपी' की तीन पुस्तकों का हुआ लोकार्पण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मोराबादी स्थित रांची प्रेस क्लब में लेखिका खुशबू बरनवाल 'सीपी' की तीन विभिन्न विधाओं की पुस्तकों–सुगंधित सोपान (छंदबद्ध काव्य संग्रह), सीपी छंदालय (छंद शास्त्र) और कलछी और कलम (लघुकथा संग्रह) का भव्य लोकार्पण सह कृति चर्चा का आयोजन किया गया। दो सत्रों में चले इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने वीडियो संदेश के माध्यम से अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

विशिष्ट अतिथि राज्यसभा सांसद महुआ माजी के कर-कमलों द्वारा तीनों पुस्तकों का विमोचन संपन्न हुआ। इस अवसर पर महुआ माजी ने लेखिका के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि 'सीपी छंदालय' पुस्तक नवांकुरों को छंद सीखने में बेहद मददगार साबित होगी।

समारोह के दौरान आवरण पृष्ठ और चित्रकारी के लिए देशना खुशराज व रियांशी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा कि सभी आमंत्रित साहित्यिक पुरोधाओं को प्रतीक स्वरूप 'कलछी-कलम' और 'गीता' भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में एक शानदार कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ, जिसमें नरेश बंका, पंकज धरोहर, सदानंद यादव, सूरज श्रीवास्तव और रंजन वर्णवाल ने काव्य पाठ से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

विधिक जागरूकता सह रक्तदान शिविर का आयोजन : अबुआ आवास, राशन कार्ड और भूमि विवाद से जुड़े दर्जनों आवेदन जमा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए), रांची एवं अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के संयुक्त तत्वाधान में सोमवार को बुंडू प्रखंड कार्यालय परिसर में एक दिवसीय विधिक जागरूकता सह रक्तदान शिविर का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के राज्य प्रभारी राजेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव श्री राकेश रौशन, बुंडू प्रखंड के अंचल अधिकारी (सीओ) हंस हेम्ब्रम एवं अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रितेश कुमार मुख्य रूप से उपस्थित थे।

इस विशेष शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के बीच विधिक (कानूनी) जागरूकता बढ़ाना, सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी देना तथा ग्रामीणों की समस्याओं को सही पटल पर रखकर उनका त्वरित निष्पादन करवाना था। शिविर में उपस्थित प्रखंड की भारी ग्रामीण जनता को जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के पैनल अधिवक्ता श्री राजेश कुमार सिन्हा ने कानूनी अधिकारों और सरकारी योजनाओं की बारीकियों से अवगत कराया।

जागरूकता शिविर के दौरान काफी संख्या में पहुँचे ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन आगे की विधिसम्मत कार्यवाही के लिए जमा किए। इनमें मुख्य रूप से कोर्ट-कचहरी के मुकदमों से संबंधित मामले, अबुआ आवास योजना और राशन कार्ड में सुधार के आवेदन, वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन की, स्वीकृति के मामले, भूमि विवाद (जमीन संबंधी) से जुड़े महत्वपूर्ण आवेदन।

आवेदनों पर संज्ञान लेते हुए सचिव महोदय ने अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही करने का निर्देश दिया और समाज के अंतिम व्यक्ति तक सस्ता एवं सुलभ न्याय पहुँचाने की बात कही।

अतिथियों को रुद्राक्ष और अन्य पौधे देकर किया गया सम्मानित

कार्यक्रम के अंत में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रितेश कुमार ने मुख्य अतिथि व सचिव महोदय को रुद्राक्ष का पौधा भेंट कर संगठन की ओर से आभार व्यक्त किया। वहीं, राज्य प्रभारी राजेश कुमार सिंह ने पैनल अधिवक्ता श्री राजेश कुमार सिन्हा एवं अंचल अधिकारी हंस हेम्ब्रम को भी पौधे देकर सम्मानित किया। इस एक दिवसीय शिविर को सफल बनाने में संगठन के बुंडू प्रखंड प्रभारी चौधरी महतो, राम सिंह, जागेश्वर, मुन्ना लाल, जगरनाथ मुंडा, बगराए मुंडा, बिकेस्वर महतो सहित सदर अस्पताल की टीम और स्थानीय ग्रामीणों का सराहनीय व सक्रिय सहयोग रहा।

सदर अस्पताल की टीम ने किया रक्त संग्रहण, दाताओं को बांटे गए फल व जूस

विधिक शिविर के साथ-साथ यहाँ एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर भी चलाया गया। इसके लिए सदर अस्पताल, रांची से रविंद्र कुमार के नेतृत्व में एक विशेष रक्त संग्रहण दल (ब्लड बैंक टीम) मौके पर उपस्थित था। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के सदस्यों और स्थानीय युवाओं द्वारा किए गए रक्तदान का टीम ने सुरक्षित संग्रहण किया। इस पुनीत कार्य के लिए सचिव राकेश रौशन एवं अंचलाधिकारी हंस हेम्ब्रम ने सभी रक्तदाताओं के बीच बिस्कुट, पानी और जूस का वितरण कर उनका हौसला बढ़ाया।

संक्षिप्त खबरें

अधिकारियों को दिल-दिमाग दोनों से काम करने की जरूरत : दीपिका पांडेय

रांची : ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने अधिकारियों से संवेदनशीलता के साथ काम करने की अपील करते हुए कहा कि सरकारी दफ्तरों में आने वाले जरूरतमंद लोगों की पीड़ा को समझना जरूरी है। अधिकारी न सिर्फ अपने दिमाग से बल्कि दिल से भी काम करने की जरूरत है। यह सुनिश्चित करें कि मदद की उम्मीद लेकर आने वाला व्यक्ति खाली हाथ वापस न लौटे। मंत्री सोमवार को रांची के सर्ड सभागार में आयोजित आई गॉट कर्मयोगी पोर्टल के राज्यस्तरीय कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। मंत्री ने कहा कि प्रखंड और अंचल कार्यालय ही सरकार का चेहरा है। ऐसे में अधिकारियों को लोगों के लिए सहज रूप से उपलब्ध रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने में अधिकारियों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। मंत्री ने कहा कि मईया सम्मान योजना, अबुआ आवास योजना और सर्वजन पेंशन योजना जैसी योजनाओं का लाभ लोगों तक अधिकारियों के प्रयास से ही पहुंच रहा है। उन्होंने मिशन कर्मयोगी को कार्य क्षमता बढ़ाने और प्रशासनिक व्यवस्था को आधुनिक बनाने की दिशा में अहम पहल बताया। उन्होंने अधिकारियों से समय के साथ खुद को अपडेट करने और नवाचार तथा तकनीक का उपयोग बढ़ाने की अपील की। दीपिका पांडेय ने बढ़ती गर्मी को देखते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने सभी बीडीओ को निर्देश दिया कि प्रखंड कार्यालय, पंचायत भवन और प्रमुख चौक-चौराहों पर आम लोगों के लिए पेयजल की व्यवस्था हर हाल में सुनिश्चित की जाए। कार्यशाला में सर्ड के निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि मिशन कर्मयोगी अधिकारियों के लिए काम को आसान और प्रभावी बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। कार्यशाला में बड़ी संख्या में अधिकारी पदाधिकारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

इंडाल हाई स्कूल के 1996 बैच ने 30 साल बाद मनाया एतिहासिक पुनर्मिलन समारोह

सिल्ली : सिल्ली स्थित 'विलेज रिसॉर्ट' में बीते रविवार को एक बेहद भावुक और ऐतिहासिक पल देखा गया, जब इंडाल हाई स्कूल, मुरी के 1996 बैच के पूर्व छात्र अपनी स्कूली शिक्षा के 30 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक साथ जुटे। तीन दशकों के लंबे अंतराल के बाद जब बचपन के यार एक-दूसरे से गले मिले, तो पुरानी यादें ताजा हो गईं और पूरा माहौल आत्मीयता से भर उठा। इंडाल हाई स्कूल के इतिहास में यह पहला मौका है, जब किसी बैच ने दूसरी बार इस तरह के बड़े मिलन समारोह को सफलतापूर्वक आयोजित कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। देश-विदेश से जुटे पुराने साथी, शिष्यों की तरक्की देख भावुक हुए गुरुजन इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनने के लिए देश-विदेश के कोने-कोने से 1996 बैच के 50 से अधिक छात्र-छात्राएं तमाम व्यस्तताओं के बावजूद सिल्ली पहुंचे। कई मित्र विशेष रूप से भारत के विभिन्न राज्यों और विदेशों से इस सफर का हिस्सा बनने आए थे। समारोह में विशेष रूप से शामिल हुए पूर्व शिक्षकगण सर्वश्री फणीभूषण महतो, दामोदर पाठक, गिरिजा महतो, गुणधर साहू और धीरेन्द्र नाथ महतो ने अपने शिष्यों को देश-दुनिया में प्रतिष्ठित पदों पर तरक्की करते देख अत्यंत हर्ष और गर्व व्यक्त किया। गुरुजनों ने सभी को उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद देते हुए कहा कि इस सुव्यवस्थित आयोजन का अनुशासन किसी उच्च कोटि के शीर्ष स्कूल की परंपरा जैसा है। इन साथियों की अथक मेहनत से सफल हुआ यह भव्य समागम इतने बड़े पैमाने पर देश-विदेश से सहपाठियों को एकजुट करना और कार्यक्रम को निर्बाध रूप से सफल बनाना एक बड़ी चुनौती थी, जिसे आयोजन समिति ने बखूबी अंजाम दिया। इस कार्यक्रम के बेहतरीन प्रबंधन और संचालन में श्री शिवराज, शशि शंकर, अमित, संजोती, छवि, रुक्मणि, मनीदीपा, माधवी, राकेश, चैता, अनूप, सुरेश, किरण, श्रीमंतों, अमित किरण, प्रशांतो, भानु, उत्तम, अनिल, डब्बू, मनोज, अजय, काजल, बुद्धदेव और राजा सहित अन्य सभी मित्रों ने पर्दे के पीछे रहकर बेहद महत्वपूर्ण और सराहनीय भूमिका निभाई। दिनभर चले इस गरिमामयी समारोह में पुरानी यादों के किस्से, हंसी-मजाक, पुराने गानों का दौर और गुरुजनों का विशेष सम्मान किया गया। आज कॉरपोरेट अधिकारियों से लेकर सफल उद्यमियों तक, सब अपनी पहचान भूलकर वही पुराने स्कूली बच्चे बन गए थे। अंत में, सुनहरी यादों को अपने दिलों में समेटे सभी छात्र-छात्राओं ने अगले वर्ष पुनः इसी उत्साह के साथ मिलने और दोस्ती के इस कारवां को हमेशा जिंदा रखने के पक्के वादे के साथ एक-दूसरे से विदा ली।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिल्ली की ओर से स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया

सिल्ली: सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिल्ली के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ प्रियंका सिन्हा के निदेर्शानुसार सोमवार के दिन बिरहोर टोला लाधूप में चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया,जिसमें चिकित्सा पदाधिकारी एवं स्वास्थ्य कर्मचारी के द्वारा चिकित्सा परामर्श,रक्तचाप,रक्तजांच तथा निशुल्क दवा का वितरण किया गया।चिकित्सा पदाधिकारियों ने बताया कि शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगो को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना है तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है।ग्रामीणों ने भी शिविर का सराहना करते हुए कहा कि इस तरह का आयोजन होने से ग्रामीण स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही है।शिविर के आयोजन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की ओर से डॉ विवेक कुमार,डॉक्टर सूरज चंद्रा,सीएचओ शिशिल्या मिंज,एएनएम पिंकी कुमारी, नरगिस खातून,फार्मासिस्ट अर्श कुमार महतो,एलटी कमल कांत महतो,प्रदीप करमाली लाधूप क्षेत्र के बी०टी०टी० एवं सभी सहिया तथा ग्रामवासियों का साहनी योगदान रहा।

हेसल रिंग रोड में विधायक प्रतिनिधि नईम अंसारी को किया गया सम्मानित

अनगडा : हेसल रिंग रोड परवेज खान के के आवास में अनगडा अंजुमन इएलाहे मुआसरा कमिटी की ओर से सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन संचालन रब्बानी राज ने किया इस अवसर पर अल्पसंख्यक विधायक प्रतिनिधि नईम अंसारी और खाद आपूर्ति विधायक प्रतिनिधि सफिउलाह अंसारी को कमिटी की ओर से अंग वस्त्र व बुके देकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम में में नईम अंसारी ने कहा कि आज बहुत खुशी की बात है कि पूरे क्षेत्र में काम करने का एक मौका मिला है इसको मजबूती से हम निभाने का प्रयास करेंगे और इस कार्य के लिए मैं विधायक राजेश कच्छप को धन्यवाद देता हूं मौके पर मुख्य रूप से प्रमुख दीपा उरांव उप प्रमुख जयपाल हजाम साकीर अंसारी मुस्तफा अंसारी अब्दुल ईमाम अंसारी डॉ गुलजार अंसारी सफीक अंसारी छोटेलाल महतो मिन्हाज अंसारी सिद्दीकी अंसारी रोहित नायक किस्टो कुजूर एहसान अंसारी अब्बास अंसारीसेराज खान अमीरूल अंसारी सकील अंसारी आदि शामिल थे।

पीवीयूएनएल में एसिड रिसाव पर मॉक ड्रिल में सीआईएसएफ-एनडीआरएफ का शानदार तालमेल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पतरातू : पीवीयूएनएल में संभावित औद्योगिक आपदा एवं किसी भी शत्रुतापूर्ण परिस्थिति से प्रभावी तरीके से निपटने को लेकर व्यापक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के निर्देशन में आयोजित इस अभ्यास का उद्देश्य कर्मचारियों, सीआईएसएफ जवानों और प्रबंधन टीम को आपातकालीन परिस्थितियों के प्रति सजग, प्रशिक्षित और तैयार रखना था।

मॉक ड्रिल का आयोजन डीएम प्लांट स्थित एसिड स्टोरेज टैंक परिसर में किया गया, जहां अम्ल रिसाव की काल्पनिक स्थिति उत्पन्न कर राहत एवं बचाव अभियान चलाया गया। पूरे घटनाक्रम को वास्तविक आपदा की तरह प्रस्तुत किया गया, जिससे सुरक्षा व्यवस्था और आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता का आकलन किया जा सके।

अभ्यास के दौरान सीआईएसएफ एवं एनडीआरएफ टीमों के बीच उत्कृष्ट तालमेल देखने को मिला। दोनों एजेंसियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रिसाव प्रभावित क्षेत्र को सुरक्षित किया और बचाव प्रक्रिया को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। सुरक्षा अधिकारी, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना) तथा महाप्रबंधक (परियोजना) भी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और पूरे अभियान की निगरानी करते रहे। मॉक ड्रिल के दौरान चिकित्सालय एवं एम्बुलेंस दल पूरी सतर्कता के साथ सक्रिय रहे। किसी भी संभावित दुर्घटना से निपटने के लिए मेडिकल टीम को पहले से तैयार रखा गया था। वहीं नियंत्रण कक्ष में मुख्य कार्यकारी अधिकारी के साथ मानव संसाधन विभागाध्यक्ष लगातार पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए थे।

पीवीयूएनएल प्रबंधन के अनुसार इस मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य अम्ल रिसाव जैसी खतरनाक परिस्थितियों में त्वरित, समन्वित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करना था। साथ ही विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर भविष्य की चुनौतियों से निपटने की तैयारी को और मजबूत बनाना भी इसका प्रमुख लक्ष्य रहा।

एक नजर

भीषण गर्मी में जनता बेहाल, सरकार दिखावे में व्यस्त : महेश यादव

कोडरमा : झारखंड में पड़ रही भीषण गर्मी और हीट वेव ने आम जनता का जीना मुश्किल कर दिया है। एक तरफ लोग बिजली और पानी की भारी किल्लत से त्रस्त हैं, दूसरी तरफ सरकार और प्रशासन केवल दिखावटी व्यवस्थाओं में व्यस्त नजर आ रहे हैं। आम आदमी पार्टी के कोडरमा जिलाध्यक्ष महेश कुमार यादव ने बयान जारी करते हुए कहा कि अगर मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिला प्रशासन जगह-जगह शीतल प्याऊ लगाकर वाहवाही लूट सकता है, तो आखिर बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं को दुरुस्त क्यों नहीं किया जा रहा? क्या जनता को केवल एक गिलास ठंडा पानी देकर सरकार अपनी जिम्मेदारी से बचना चाहती है? उन्होंने कहा कि सच्चाई यह है कि राज्य के कई इलाकों में घंटों बिजली गायब रहती है। गांवों और शहरों में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। भीषण गर्मी में बच्चे, बुजुर्ग और मरीज तड़प रहे हैं, लेकिन सरकार के जिम्मेदार लोग एसी कमरों में बैठकर केवल फोटो खिंचवाने और प्रचार करने में लगे हैं। महेश कुमार यादव ने स्पष्ट कहा कि जनता को राहत दिखावे के प्याऊ से नहीं, बल्कि 24 घंटे बिजली और नियमित पानी आपूर्ति से मिलेगी। सरकार अगर वास्तव में संवेदनशील है तो तुरंत बिजली व्यवस्था सुधारें, खराब ट्रांसफॉर्मर बदलें, जलापूर्ति दुरुस्त करें और हर क्षेत्र में पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराएं।

चांद आलम बने मजदूर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष

कोडरमा : कांग्रेस के शीर्ष एवं प्रदेश नेतृत्व ने एक बड़ा फैसला लेते हुए चांद आलम को मजदूर कांग्रेस (इंटक) का नया जिला अध्यक्ष मनोनीत किया है। जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर चांद आलम ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने उन पर जो भरोसा जताया है, वे उस पर पूरी तरह खरा उतरेंगे।

पदभार संभालते ही अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए चांद आलम ने कहा :मुझे जिला में इतनी बड़ी जिम्मेदारी देने के लिए मैं शीर्ष नेतृत्व का धन्यवाद करता हूँ। हमारा मुख्य उद्देश्य हर प्रखंड और हर पंचायत में मजदूरों की समस्याओं को मुखर होकर उठाना है। हमारा प्रयास रहेगा कि अधिक से अधिक लोगों को कांग्रेस पार्टी की विचारधारा से जोड़ा जाए और संगठन के हाथों को मजबूत किया जाए। उन्होंने आगे कहा कि उनका विशेष ध्यान समाज के आखिरी पायदान पर खड़े उन दिहाड़ी मजदूरों पर रहेगा, जो अब तक सरकारी लाभों से वंचित हैं। वे खुद ऐसे मजदूरों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुनेंगे और राज्य सरकार की हर छोटी-बड़ी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उन तक पहुँचाने का काम करेंगे। बधाई देने वालों में मुख्य रूप से प्रकाश रजक, मनोज सहाय पिंकू, नवनीत ओझा बंटी, आशीष पांडे,उमेश साहू, गणेश सोनकार, अनिल यादव, फैयाज कैसर,भागीरथ पासवान, फहीम खान, दशरथ पासवान, राजू सिंह,लीलावती मेहता, बेबी सिन्हा, विजय सिंह, प्रभात राम और संजय सेठ ।वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने भी चांद आलम के मनोनयन पर खुशी जाहिर की है और उन्हें भविष्य में हर संभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया है।

रामगढ़ में जलाशयों में स्नान और प्रवेश पर रोक, प्रशासन ने जारी किया अलर्ट

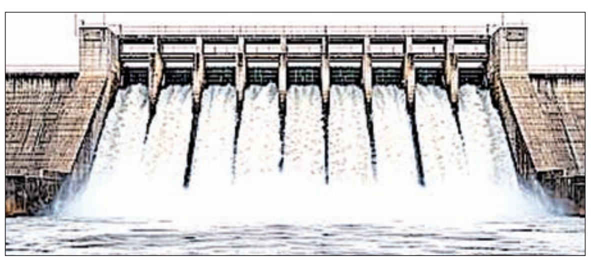

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : भीषण गर्मी के बीच जलाशयों में बढ़ती देखते हुए रामगढ़ जिला प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। उपायुक्त ऋतुराज के निर्देश पर जिले के सभी जलाशयों, नदियों, तालाबों, डैम और खदान क्षेत्रों में आम लोगों के अनधिकृत प्रवेश और स्नान पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। प्रशासन का यह कदम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और संभावित हादसों को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है। उपायुक्त के निर्देश के बाद जिले के सभी अंचल अधिकारियों एवं थाना-ओपी प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में मौजूद खतरनाक जल स्त्रोतों का सर्वेक्षण कर सूची तैयार करने को कहा गया है। प्रशासन विशेष रूप से उन स्थानों को चिन्हित करेगा, जहां गर्मी के मौसम में लोग स्नान या घूमने के लिए बड़ी संख्या में पहुंचते हैं।

जिला प्रशासन द्वारा संवेदनशील और जोखिम वाले क्षेत्रों में चेतावनी बोर्ड, बैरिकेडिंग तथा अन्य सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जा रहे हैं।

गंगा दशहरा पर एकल अभियान का अनूठा आयोजन, दिया जल संरक्षण का संदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : गंगा दशहरा के अवसर पर एकल अभियान के तत्वावधान में विभिन्न संचों में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मां गंगा पूजन एवं जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत 10 संचों में अलग-अलग स्थानों पर आचार्यों, ग्राम समिति एवं सेवाव्रती कार्यकर्ताओं द्वारा विधि-विधान से मां गंगा की पूजा की गई। इस दौरान लोगों को बताया गया कि सनातन धर्म में ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मां गंगा के पृथ्वी पर अवतरण का विशेष महत्व है। जल को जीवन का आधार बताते हुए लोगों से जल स्त्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने, जल संरक्षण करने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों को सुरक्षित रखने का आह्वान किया गया।एकल अभियान द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम समाज को पर्यावरण संरक्षण और जल बचाने के प्रति जागरूक करने का महत्वपूर्ण माध्यम बनता जा रहा है। कार्यक्रम में कुल 264 आचार्यों ने भाग लेकर समाज को सकारात्मक संदेश देने का कार्य किया। इस अवसर पर संच प्रशिक्षक नीलम कुमारी, पूजा वर्मा, सरिता देवी, भारती कुमारी, हीरामन कुमार यादव, अजीत यादव, विवेकानंद पाण्डेय, कोमल कुमारी एवं संजू कुमारी उपस्थित रहे। वहीं अंचल अभियान प्रमुख रामनिवास पांडेय, अंचल प्राथमिक शिक्षा प्रशिक्षक अरविंद कुमार, अंचल गतिविधि प्रशिक्षक नंदन ठाकुर तथा अंचल कार्यालय प्रमुख दीपक कुमार ने भी कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता निभाई।

सेओटा में खुला आयुष्मान आरोग्य मंदिर ग्रामीणों को मिलेगी बेहतर स्वास्थ्य सुविधा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : मांडू विधानसभा क्षेत्र के सेओटा में रविवार को आयुष्मान आरोग्य मंदिर का शुभारंभ किया गया। स्वास्थ्य सेवाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने की दिशा में इसे एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। उद्घाटन समारोह में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों की मौजूदगी रही। केंद्र खुलने के साथ ही स्थानीय लोगों में उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला। आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन विधायक मांडू तिवारी महतो, सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी मांडू डॉ. रश्मि रोमिला सांगा, नगर परिषद अध्यक्षा कुसुमलता मुंडा, वार्ड पार्षद राहुल कुमार और सोनू गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान प्रखंड प्रबंधन इकाई, स्थानीय सहिया दीदी एवं क्षेत्र के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। उद्घाटन के साथ ही स्वास्थ्य केंद्र में विधिवत ओपीडी सेवा भी शुरू कर दी गई। अब स्थानीय लोगों को छोटी-बड़ी बीमारियों के इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार, दैनिक ओपीडी, एनसीडी स्क्रीनिंग तथा संस्थागत प्रसव जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

स्थानीय लोगों ने कहा कि लंबे समय से क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य केंद्र की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। अब नजदीक में स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध होने से समय और खर्च दोनों की बचत होगी। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को इसका सबसे अधिक लाभ मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना है।

वार्ड 25-26 में नप अध्यक्ष का स्वागत महिलाओं ने रखीं जनसमस्याएं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : वार्ड संख्या 25 एवं 26 स्थित देवी मंडप महिला समूह द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में नगर परिषद अध्यक्ष रमेश हर्षधर का भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिला मंडल की ओर से उन्हें बुके एवं अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला समूह की अध्यक्षा अर्चना ज्वाला ने की।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं ने क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं को नगर परिषद अध्यक्ष के समक्ष रखा। महिलाओं ने मुख्य रूप से नियमित कूड़ा उठाव नहीं होने, बिजली व्यवस्था में अनियमितता, कई स्थानों पर बिजली पोल लगाए जाने के बावजूद स्ट्रीट लाइट नहीं जलने तथा गली-मोहल्लों में साफ-सफाई की समस्याओं से अवगत कराया। नगर परिषद अध्यक्ष रमेश हर्षधर ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए जल्द समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइट की सुविधा उपलब्ध नहीं है, वहां शीघ्र आवश्यक कार्रवाई कर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी ताकि आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

हकों की लड़ाई के लिए डोमचांच में सजेगा 'युवा चौपाल' : सुभाष प्रसाद यादव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

डोमचांच : सोमवार को डोमचांच बाजार स्थित मेहता भवन में युवा राष्ट्रीय जनता दल की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। अध्यक्षता युवा राजद के जिलाध्यक्ष मनोज रजक ने की,जबकि संचालन उदय यादव ने किया। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में कोडरमा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सुभाष प्रसाद यादव एवं राजद जिलाध्यक्ष महेंद्र यादव मुख्य रूप से शामिल हुए।

इस बैठक में आगामी 30 मई को डोमचांच में आयोजित होने वाले 'युवा चौपाल' की रूपरेखा,वर्तमान समय में पूंजीवादी नीतियों के कारण हाशिए पर धकेले जा रहे युवाओं के भीतर पनप रहे गहरे आक्रोश को राष्ट्रीय जनता दल की सामाजिक न्याय और ए टू जेड की विचारधारा से जोड़कर एक मजबूत राजनैतिक आवाज देने को लेकर चर्चा की गई। संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि और राजद के पूर्व प्रत्याशी सुभाष प्रसाद यादव ने राष्ट्रीय जनता दल के वैचारिक दर्शन को रेखांकित करते हुए कहा की राष्ट्रीय जनता दल की बुनियाद ही सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता और वंचितों को उनका हक दिलाने पर टिकी है। हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय लालू प्रसाद यादव जी ने हमेशा सिखाया है कि हक मांगा नहीं, छीना जाता है। आज जब देश का युवा बेरोजगारी और पेपर लीक से त्रस्त है, तब हमारे नेता तेजस्वी यादव जी ने देश के सामने 'सच्चे राष्ट्रवाद' की परिभाषा रखी है और वह परिभाषा है युवाओं को 'कमाई, दवाई, पढ़ाई और कार्रवाई' की गारंटी देना। असली राष्ट्रवाद युवाओं को रोजगार देना है, न कि उन्हें धर्म और नफरत के नाम पर बांटना।

उन्होंने सरकार की दमनकारी नीतियों पर प्रहार करते हुए कहा कि आज नौकरियों का निजीकरण करके बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के दिए आरक्षण को पिछले दरवाजे से खत्म करने की साजिश हो रही है। पूंजीपतियों की पोषक यह सरकार युवाओं को केवल 'वोट बैंक' समझती है। लेकिन राजद का युवा अब जाग चुका है। वह नौकरियों में हिस्सेदारी,भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और अपने आत्मसम्मान के लिए मजबूती से लड़ेगा।

संक्षिप्त खबरें

कोयला तस्करों पर सीसीएम की बड़ी कार्रवाई सूमो जब्त

रजरप्पा : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के रजरप्पा क्षेत्र में सुरक्षा टीम ने कोयला चोरी के खिलाफ अभियान के दौरान एक संदिग्ध टाटा सूमो ग्रैंड वाहन जब्त किया। हालांकि तस्कर मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर सुरक्षा गश्ती दल ने इलाके में घेराबंदी की थी। जांच में वाहन में भारी मात्रा में अवैध कोयला पाया गया और उसे तस्करी के लिए संशोधित बताया जा रहा है। जब्त वाहन को थाना को सौंप दिया गया है और मामले की जांच जारी है।

90 दिवसीय गहन विधिक जागरूकता एवं आउटरीच अभियान तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बाल विवाह व डायन बिसाही सभ्य समाज के लिए जघन्य अपराध : सचिव

कोडरमा : झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश के आलोक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के तत्वावधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, कोडरमा रमाकान्त मिश्रा के कुशल मार्गदर्शन पर आज सोमवार को सतगावां प्रखंड के बासोडीह पंचायत भवन सभागार में महिलाओ के विरुद्ध अपराध को लेकर चलाये जा रहे 90 दिवसीय गहन विधिक जागरूकता एवं आउटरीच अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार मौजूद थे। शिविर को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि गौतम कुमार ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक नि:शुल्क एवं सुलभ न्याय की पहुंच सुनिश्चित करना तथा आमजनों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक एवं सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि समाज में महिलाओ को उचित सम्मान दिया जाना आवश्यक है ताकि महिला सशक्तिकरण का लक्ष्य पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा कि महिलाओ के अधिकारों के संरक्षण के लिए कई कानून बनाये गए है। इसके अलावे सभी वर्ग के लोगो को उनके अधिकारों की रक्षा के लिए एवं समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओ का लाभ दिलाने के प्रति जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा कृतसंकल्पित है। एलएडीसीएस के अधिवक्ता नवल किशोर ने कहा कि आम जनो को निशुल्क विधिक सहायता महिला एवं बाल अधिकार वृद्ध जनो के अधिकार, साइबर अपराध नशा मुक्ति, बाल विवाह निषेध, घरेलू हिंसा से संरक्षण एवं केंद्र सरकार व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओ के संबंध में लोगों को जागरूक किया जाए ताकि उनका सीधा लाभ मिल सके। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बाल विवाह व डायन बिसाही जैसी कुरीतियों एक सभ्य समाज के जघन्य अपराध है। शिविर को मुखिया अनीता देवी ने भी संबोधित किया। मौके पर पंचायत सचिव सोनू कुमार पी एल वी राजेश पासवान, सुरेश प्रसाद यादव, नीतीश कुमार, रंजीत यादव सहित सैकड़ो गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जैन समाज की विशाल मौन रैली, 'राष्ट्रीय संत सुरक्षा नीति' बनाने की उठी मांग

झुमरीतिलैया : मध्य प्रदेश के रीवा में सड़क दुर्घटना में दो जैन साध्वियों की मौत के विरोध में रविवार 25 मई की सुबह झुमरीतिलैया में जैन समाज द्वारा विशाल ऐतिहासिक मौन रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से देशभर में पदविहार करने वाले जैन संतों की सुरक्षा सुनिश्चित करने एवं ह्यराष्ट्रीय संत सुरक्षा नीतिह्न बनाने की मांग उठाई गई। रैली बड़ा जैन मंदिर से शुरू होकर स्टेशन रोड, झंडा चौक, पूर्णिमा टॉकीज ओवरब्रिज होते हुए पुन: जैन मंदिर पहुंची। इस दौरान सैकड़ों महिला, पुरुष एवं बच्चों ने काला बिल्ला लगाकर शांतिपूर्ण तरीके से अपना आक्रोश व्यक्त किया। कार्यक्रम की शुरूआत जैन मंदिर में 15 मिनट के णमोकार मंत्र जाप से हुई। जैन समाज के उपमंत्री नरेंद्र जैन झांझरी ने कहा कि जैन साधु-साध्वी जीवनभर पैदल विहार कर धर्म प्रभावना करते हैं, लेकिन राष्ट्रीय राजमार्गों पर उनके लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं होती। उन्होंने रीवा की घटना को गंभीर बताते हुए इसकी उच्चस्तरीय जांच की मांग की। मौन रैली में सह मंत्री राज जैन छाबड़ा, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र जैन काला, भंडारी सुनील जैन सेठी, सुरेश जैन झांझरी, सुशील जैन छाबड़ा, ललित जैन सेठी, जय कुमार जैन गंगवाल, किशोर जैन पांड्या, संजय जैन, सुनील जैन अजमेरा, पंडित अभिषेक जैन शास्त्री, महिला समाज अध्यक्ष नीलम जैन सेठी, सचिव आशा जैन गंगवाल, मीडिया प्रभारी राजकुमार जैन अजमेरा, नवीन जैन सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद थे।

बीएफसीएल की पहल से गांवों में सोलर लाइट, सुरक्षा और विकास को मिल रहा बढ़ावा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड (बीएफसीएल) ने अपने कॉर्पोरेट पर्यावरणीय दायित्व के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में विकास और सुरक्षा की दिशा में सराहनीय पहल की है। कंपनी द्वारा आसपास के कई गांवों में सोलर स्ट्रीट लाइट लगाकर ग्रामीणों को बेहतर प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षित आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस पहल से गांवों में रात के समय होने वाली परेशानियों में काफी कमी आने की उम्मीद है।

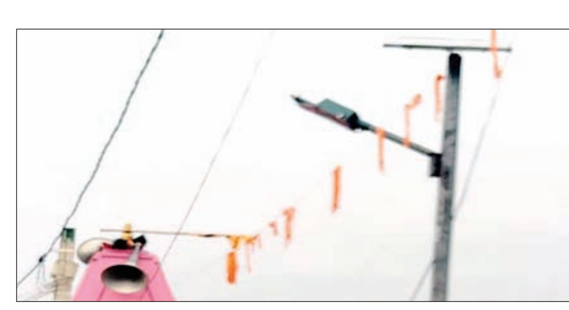

बीएफसीएल की सीईआर टीम ने मई माह के दौरान मरार, दिगवार, पोचरा, हथीमारा, फूलसराय और मनुवा गांवों में सोलर स्ट्रीट लाइट स्थापित की। मरार में तीन, दिगवार में पांच, पोचरा में तीन, हथीमारा में तीन, फूलसराय में तीन तथा मनुवा गांव में भी तीन सोलर लाइट लगाई गई हैं। गांवों में लाइट जलने से अब लोगों को अंधेरे रास्तों से राहत मिलेगी।

कंपनी की इस पहल का सबसे अधिक लाभ महिलाओं, बुजुर्गों और स्कूली बच्चों को मिलेगा। रात के समय बाजार, स्कूल, पूजा स्थल या अन्य आवश्यक कार्यों के लिए आने-जाने में अब लोगों को डर और असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। ग्रामीणों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए इसे विकास की नई शुरूआत बताया। बीएफसीएल द्वारा लगाई गई सोलर स्ट्रीट लाइट न केवल सुरक्षा बढ़ाएगी, बल्कि स्वच्छ और हरित ऊर्जा को भी बढ़ावा देगी। इससे बिजली की खपत कम होगी और पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिलेगी। बीएफसीएल प्रबंधन ने कहा कि कंपनी केवल औद्योगिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पेयजल, पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण विकास जैसे जनहितकारी कार्यों को भी लगातार आगे बढ़ा रही है।

वन विभाग ने अवैध आरा मिल से मशीन और लकड़ी किया जब्त

देवघर : वन प्रमंडल के मणिगढ़ी वन क्षेत्र अंतर्गत सारवां अंचल के मंझलाडीह गांव में संचालित अवैध आरा लकड़ी मिल पर वन विभाग ने छापेमारी की। अभियान के दौरान मशीन, आरी, चिरान और लकड़ी को बोटा सहित अन्य सामान जब्त किए गए। मिली जानकारी के अनुसार वन विभाग को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि उक्त स्थान पर अवैध रूप से आरा मिल संचालित की जा रही है।
सूचना मिलते ही जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी एसडी सिंह के निर्देश पर वन परिसर पदाधिकारी अमिष आशीष के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध आरा मिल को ध्वस्त कर दिया और वहां मौजूद मशीनों और लकड़ियों को जब्त कर लिया।

देवनद-दामोदर महोत्सव में गूंजा जल संरक्षण का संदेश, गंगा आरती के साथ हुआ समापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : गंगा दशहरा के अवसर पर सोमवार को दामोदर ब्रिज स्थित तट पर देवनद-दामोदर महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं एवं सामाजिक कार्यकताओं ने दामोदर नदी को प्रदूषण मुक्त एवं स्वच्छ बनाए रखने का संकल्प लिया। शाम में भव्य गंगा आरती के साथ महोत्सव का समापन हुआ, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। इस अवसर पर दामोदर बचाओ अभियान समिति के जिला संयोजक सुरेन्द्र प्रसाद सिन्हा ने कहा पूरे जिले में 25 जगहों पर दामोदर महोत्सव का आयोजन

किया जा रहा है। उन्हनेकि कहा कि दामोदर की स्वच्छ एवं निर्मल जलधारा को बचाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि विधायक सरयू राय द्वारा चलाए गए दामोदर बचाओ अभियान का ही परिणाम है कि आज दामोदर नदी धीरे-धीरे प्रदूषण मुक्त होने की दिशा में आगे बढ़ रही है। कार्यक्रम में बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) द्वारा जल एवं पर्यावरण संरक्षण को लेकर किए जा रहे प्रयासों की भी चर्चा हुई। बीएसएल के सीजीएम राजीव श्रीवास्तव ने कहा कि बोकारो स्टील प्लांट ने पिछले दो दशकों में अपनी जल खपत में लगभग 75 प्रतिशत की कमी लाकर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। संयंत्र "जीरो डिस्चार्ज" लक्ष्य की दिशा में कार्य करते हुए अत्याधुनिक ट्रीटमेंट प्लांट के माध्यम से औद्योगिक अपशिष्ट जल का उपचार, पुनर्चक्रण एवं पुनः उपयोग कर रहा है। इसके अलावा बीएसएल द्वारा वर्षा जल संचयन के लिए विभिन्न वर्षा जल संचयन स्थापित किए गए हैं तथा जलाशयों एवं तालाबों के पुनर्जीवन का कार्य भी किया जा रहा है। कार्यक्रम में लोगों से "रिड्यूस , रियूज एवं रिसाइकलिंग ह्व के सिद्धांत को अपनाने एवं जल संरक्षण के प्रति जागरूक रहने की अपील की गई। महोत्सव में जिप सदस्य रिम्पा चक्रवर्ती, मुखिया प्रिया देवी, कालापत्थर के मुखिया दिनेश कुमार रजक,मनोज महतो, मुखिया प्रतिनिधि संतोष केवट, रामाधार सिंह यादव, प्रदीप कुमार, आशीष कुमार, पार्वती चरण महतो, छोटेलाल नापित, माधव दास, राजेश गोप, दिनेश नायक, बिक्रम महतो, करमचंद गोप, पंडित सोमनाथ शेखर मिश्रा, श्याम आनंद गोस्वामी, गंगाधर नापित सहित दर्जनों श्रद्धालु एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

सरिया में जैन समाज का विशाल मौन जुलूस साधु-संतों की सुरक्षा और निष्पक्ष जांच की मांग

सरिया : विहाररत जैन साधु-संतों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा हाल ही में हुई आर्यिका माताजी दुर्घटना प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर सोमवार को सरिया जैन समाज द्वारा एक विशाल मौन जुलूस निकाला गया। इस गरिमामयी और शांतिपूर्ण प्रदर्शन में जैन समाज के पुरुषों और महिलाओं के साथ-साथ बड़ी संख्या में बच्चों ने भी हिस्सा लिया।

मौन जुलूस सरिया नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा। जुलूस में शामिल बच्चे अपने हाथों में तख्तियां थामे हुए थे, जिन पर साधु-संतों की सुरक्षा और अहिंसा से जुड़े प्रेरक संदेश लिखे थे। इन संदेशों ने स्थानीय लोगों का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया। जुलूस के दौरान समाज के लोगों ने अत्यंत शांतिपूर्ण ढंग से जैन मुनियों की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने और भविष्य में ऐसी दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने की मांग उठाई।
नगर भ्रमण के बाद जैन समाज का एक प्रतिनिधिमंडल अनुमंडल पदाधिकारी कार्यालय पहुंचा। एसडीओ के कार्यालय में उपस्थित न होने के कारण उनका ज्ञापन कार्यालय में ही जमा करा दिया गया। इसके पश्चात प्रतिनिधिमंडल ने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी धनंजय कुमार से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। एसडीपीओ धनंजय कुमार ने जैन समाज की चिंताओं को बेहद गंभीरता से सुना और प्रतिनिधियों को सकारात्मक कार्रवाई का पूरा भरोसा देते हुए मामले को गंभीरता से देखने की बात कही। सौंपे गए ज्ञापन में प्रशासन के समक्ष मुख्य रूप से निम्नलिखित मांगें रखी गई हैं।पैदल विहार करने वाले जैन साधु-संतों के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था लागू की जाए। आर्यिका माताजी दुर्घटना प्रकरण की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। साधु-संतों के आवागमन वाले संवेदनशील मार्गों को चिन्हित कर वहां विशेष सुरक्षा प्रोटोकॉल बनाया जाए। साधु-संतों के विरुद्ध होने वाले अपराधों व हादसों को विशेष संवेदनशील श्रेणी में रखकर त्वरित कार्रवाई की जाए। इस अवसर पर जैन समाज के प्रबुद्ध जनों ने कहा कि जैन साधु-संत पूर्णतः अपरिग्रही, अहिंसक और पैदल विहार करने वाले तपस्वी होते हैं। उनके पास आत्मरक्षा का कोई साधन नहीं होता, इसलिए उनकी सुरक्षा करना प्रशासन और समाज दोनों की विशेष और नैतिक जिम्मेदारी बनती है। जो स्वयं निहत्थे होकर भी पूरी मानवता को अहिंसा और शांति का मार्ग दिखाते हैं, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना समाज और शासन दोनों का परम नैतिक दायित्व है।

पशुपालन विभाग ने पशुपालकों के बीच किया दो इकाई जोड़ा बैल का वितरण

पटमदा : पशुपालन विभाग द्वारा मुख्यमंत्री पशुधन योजना 2025- 26 के तहत दो इकाई जोड़ा बैल वितरण बोड़ाम प्रखंड कार्यालय परिसर में किया गया।जानकारी देते हुए प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी डॉ कुंदन कुमार ने बताया कि बोड़ाम प्रखंड क्षेत्र के पशुपालकों के बीच दो इकाई जोड़ा बैल वितरण शुक्ला निवासी जगदीश महतो,नामशोल निवासी लक्ष्मी सिंह को प्रखंड के अधिकारियों, डॉ कुंदन कुमार,संजीव कुमार,आदि की उपस्थित में एजेंसी के द्वारा किया गया।

शांति और आपसी सौहार्द के साथ मनाएं आगामी त्योहार, हुड़दंगियों पर रहेगी पैनी नजर : एसडीओ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण, गरिमामय और आपसी सौहार्द के माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से सोमवार को सरिया अनुमंडल सभागार में अनुमंडल स्तरीय शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी संतोष गुप्ता ने की। इस उच्चस्तरीय बैठक में सरिया, बगोदर और बिरनी तीनों प्रखंडों के गणमान्य नागरिक, प्रबुद्ध वर्ग और सभी संबंधित सरकारी पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित हुए। बैठक को संबोधित करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी संतोष गुप्ता ने कहा कि त्योहारों के दौरान आपसी भाईचारा

हमारी सबसे बड़ी ताकत है। प्रशासन हर परिस्थिति पर नजर रखे हुए है और असामाजिक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी प्रखंडों के प्रबुद्ध नागरिकों से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी अप्रिय घटना की सूचना तुरंत स्थानीय प्रशासन को दें। वहीं, बैठक में मौजूद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी धनंजय राम ने सुरक्षा व्यवस्था का खाका पेश करते हुए कहा कि पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी और सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट डालने वालों पर भी पैनी नजर रखी जा रही है। इस प्रशासनिक सह नागरिक बैठक में क्षेत्र के कई आला अधिकारी और गणमान्य लोग मौजूद रहे, जिनमें मुख्य रूप से शामिल हैं:
सरिया पुलिस इंस्पेक्टर अजय कुमार, सरिया अंचलाधिकारी संतोष कुमार, बगोदर-सरिया-बिरनी के थाना प्रभारी, भोला मंडल, रामदेव यादव, रफीक अंसारी, सरवर खान, रामपति प्रसाद, अशोक मंडल, नारायण पांडे, बदरुद्दीन अंसारी समेत भारी संख्या में स्थानीय प्रतिनिधि और प्रबुद्ध लोग। बैठक के अंत में उपस्थित सभी नागरिकों ने प्रशासन को भरोसा दिलाया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी बगोदर, सरिया और बिरनी इलाके में सभी समुदायों के लोग मिल-जुलकर और शांतिपूर्ण माहौल में त्योहार मनाएंगे।

साइबर ठगों का नया जाल, फर्जी आरटीओ चालान लिंक से हो रही ठगी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव में इन दिनों साइबर ठगों के द्वारा लॉटरी निकलने, नौकरी दिलाने, फर्जी लिंक भेज कर व अन्य साइबर हथकंडे अपनाकर के लोगों के खाते से पैसे उड़ाने का काम किया जा रहा है। इसी क्रम में साइबर ठगों के द्वारा आरटीओ की फर्जी चालान के नाम से डरा कर लोगों को ठगने का नया तरीका निजात किया है। जिसमें कई लोग साइबर ठगी के शिकार हो रहे हैं।
जिसका ताजा उदाहरण बड़कागांव में देखने को मिल रहा है। पिछले कुछ दिनों से कई मोबाइल पर आरटीओ चालान जमा करने के नाम पर एक फर्जी लिंक भेजा जा रहा है। लिंक को छूते ही व्हाट्सएप हैक हो जाता है ,और बैंक खाते

से पैसे गायब हो रहे हैं। जिसमें सोनपुरा गांव निवासी भवानी प्रसाद दांगी एवं गुरु चट्टी निवासी बिंदु दांगी साइबर ठगों के चक्कर में फस गए। लिंक को टच करते हीं दोनों का मोबाइल हैक हो गया। देखते ही देखते साइबर ठगों के द्वारा भवानी की बैंक खाते से ₹77000 , बिंदु के खाते से ₹55 000 , वही अन्य एक युवक के खाते से ₹70000 यूपीआई के जरिए से उड़ा ले गए । इन तीनों के अलावा प्रखंड के अन्य कई लोग भी आरटीओ की फर्जी चालान लिंक के चक्कर में फस गए हैं।

बोड़ाम आयुष्मान आरोग्य मंदिर का राष्ट्रीय मूल्यांकनकर्ता टीम ने किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : बोड़ाम प्रखंड के आयुष्मान आरोग्य मंदिर बोड़ाम का सोमवार को राष्ट्रीय मूल्यांकनकर्ता टीम के द्वारा स्वास्थ्य विभाग के द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिर बोड़ाम में जनता के लिए संचालित कई प्रकार की स्वास्थ्य सुविधाओं और सेवाओं का निरीक्षण करते हुए मूल्यांकन किया इस दौरान टीम में दो सदस्य डॉ रुद्र प्रसन्न दास,गुरप्रीत कौर शामिल थे। जानकारी देते हुए डॉ रुद्र प्रसन्न दास ने बताया कि इस मूल्यांकन निरीक्षण का उद्देश्य केंद्र के निर्देश पर विभिन्न राज्य में संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिर में चल रही स्वास्थ्य योजनाओं के सफल संचालन और उसके क्रियान्वयन का मूल्यांकन करना। उन्होंने कहा कि सेंटर में संस्थागत प्रसव, बिजली,पेयजल,स्वास्थ्य से जुड़े सुविधाओं का निरीक्षण के दौरान उसको और बेहतर करने का निर्देश दिया । वही उन्होंने बताया कि जनता के लिए केंद्र में कई स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हैं। जिसे लेने की जरूरत हैं। इसके लिए जनता को जागरूक होने की जरूरत हैं। आयुष्मान आरोग्य मंदिर में ई संजीवनी सुविधा है। लेकिन इसको सुचारु रूप से चलाने के लिए बेहतर बिजली और इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराना होगा । इस दौरान टीम में डॉ रुद्रा प्रसन्न दास, गुरप्रीत कौर, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ आर के सिंह, बीपीएम सुकदा मुर्मू, सीएचओ सुधा रानी महतो, कई स्वास्थ्य कर्मी,स्वास्थ्य सहिया, एएमएम ,एम पी डब्लू सहित लोग उपस्थित थे।

चांडिल में बकरीद को लेकर शांति समिति की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : आगामी बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर सोमवार को चांडिल अनुमंडल मुख्यालय सभागार में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी विकास राय ने की। बैठक में प्रशासनिक पदाधिकारियों, पुलिस अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए एसडीओ विकास राय ने कहा कि बकरीद के दौरान धार्मिक परंपराओं का पालन करें, लेकिन साथ ही कानूनी प्रावधानों का भी पूरी तरह अनुपालन सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि कुबार्नी के बाद जानवरों के अवशेषों को खुले में न फेंककर जमीन में दफन किया जाए, ताकि स्वच्छता एवं सामाजिक सौहार्द बना रहे। उन्होंने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि आस्था के नाम

पर गाय अथवा गौवंश की कुबार्नी या हत्या किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। झारखंड सरकार के वर्ष 2005 के अधिनियम का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि गौ हत्या कानूनन अपराध है और इसका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में एसडीपीओ शिव प्रकाश कुमार ने लोगों से अफवाहों और भ्रामक प्रचार से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी लोग पर्व-त्योहार को आपसी भाईचारे और शांति के साथ मनाएं। यदि कोई व्यक्ति अफवाह फैलाने या माहौल बिगाड़ने की कोशिश करता है, तो उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान नवपदस्थापित अनुमंडल पदाधिकारी नितिन शिवम गुप्ता भी बैठक में मौजूद रहे। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों का अभिवादन स्वीकार करते हुए कहा कि पर्व-त्योहार सामाजिक सौहार्द और एकता का प्रतीक हैं, इसलिए सभी लोग मिल-जुलकर भाईचारे के साथ त्योहार मनाएं। बैठक में अनुमंडल क्षेत्र के सभी थाना प्रभारी, अंचलाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी समेत विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

हजारीबाग जोड़ने वाली मोतरा सड़क मार्ग जर्जर, रोजाना हादसे का शिकार हो रहे लोग

प्रत्यूष नवबिहार (ईश्वर कुमार)

हजारीबाग : जिला मुख्यालय से जोड़ने वाली मोतरा जर्जर सड़क मार्ग आज अपनी बदहाली पर आँसू बहा रहा है। रोजाना दुर्घटनाएं घट रही हैं लोग घायल हो रहे हैं। सड़क की स्थिति इतनी जर्जर है कि कभी कभार नुकीले बड़े पत्थर की ठोकर से बाइक की टायर फट जा रहे हैं।

बादम से हजारीबाग जिला को जोड़ने वाली यह मुख्य मार्ग मोतरा गाँव से होकर गुजरता है। यह कोई आम सड़क नहीं, बल्कि दर्जनों गांव के लिए यह लाइफलाइन भी है। गोंदलपूरा, हरली, नापो, और उरीमारी समेत दर्जनों ग्रामीण क्षेत्रों के सैकड़ो लोग रोजाना अपनी जान जोखिम में डालकर इसी सड़क से गुजरने को मजबूर हैं। लेकिन प्रशासनिक उदासीनता के कारण आज इस सड़क की हालत पूरी तरह बिल्कुल खराब हो चुकी है।

Government of Jharkhand, District Health Society, Gumla
Department of Health, Medical Education & Family Welfare
Mail ID: cs.gumla@gmail.com

Tender Notice No. -1462(NHM) Date: 23.05.2026

Short Tender notice

Civil Surgeon cum CMO, Gumla invites separate Technical and price Bids (Two Bid System) through tender from the registered and eligible firms for **Rate Contract for different kinds of printed/IEC & Other materials required in District Health Society, Gumla**
TENDER FOR RATE CONTRACT FOR THE SUPPLY OF different kind of printed/IEC & Other material required in DHS Gumla
DETAILED TENDER NOTICE

Date of Publication of Bid	25.05.2026
Bid Submission Start Date	01.06.2026
Bid Submission Closing Date & Time	08.06.2026, 05.00 PM
Bid Opening Date for Technical Proposal	10.06.2026, 11.00 AM
Date of Opening of Financial Proposal	To be notified Later
Application Fee (Non-Refundable)	5,000.00 in favour of District Health Society, Gumla, Payable at Gumla.
Earnest Money Deposit	50,000.00 in favour of District Health Society, Gumla, Payable at Gumla.
Contact/Helpline No.	9430138701

Note: 1. The purchase committee reserves the rights to reject or make the necessary Changes. The same shall be informed to the tendered as and when required.
2. Detailed Bid document can be seen and downled from website http://gumla.nic.in Hard copies of Technical Bid & Financial Bid will not be entertained except original/Application Fee & Earnest Money Deposit must be submitted by hand or registered post at Civil Surgeon Office Gumla.

Civil Surgeon cum CMO, Gumla.

PR.NO.380711 Health Med Edu and Family Welfare(26-27):D

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, रॉंची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

जगरनाथपुर थाना काण्ड सं0-378/2020, दिनांक-20.10.2020 धारा-341/323/448/354 भा0द0वि0 एवं 8/12 पोक्सो एक्ट के प्रा0 अभियुक्त अनुराग सिंह उर्फ विवेक कुमार उर्फ विगन कुमार, पे0-रामेश्वर सिंह, ग्राम-लुरपुर्वा, पो0-अकोढ़ी, थाना-मोहनिया, जिला-कैमूर (बिहार) का द0प्र0सं0 की धारा-82 के अन्तर्गत माननीय न्यायालय से इस्तेहार निर्गत किया गया है।

Court of Sri Birendra Kumar Shrivastava AJC IV cum spl. Judge Pocso Act Ranchi
Schedule XLIII-High court(M) 31C, [Old Criminal Process No. 4]
PROCLAMATION REQUIRIND THE APPEARANCE OF
A PERSON ACCUSED [Form No. 4 Schedule II Act 2 1974]
जगरनाथपुर थाना काण्ड सं0-2020/378
(Section 82 of the Code of Criminal Procedure.) process 82 crpc

1. नाम व शिाल पता चूंकि मेरे पास नालिश की गई है(1)
अनुराग सिंह उर्फ विवेक कुमार उर्फ विगन कुमार, पे0-रामेश्वर सिंह, ग्राम-लुरपुर्वा, पो0-अकोढ़ी, थाना-मोहनिया, जिला-कैमूर (बिहार)
2. किया है या करने का उस पर शुवहा है। जो व-मुजिब दफा मजमूअए तावीरात हिन्द के सजा के लायक है (2 जगरनाथपुर थाना काण्ड सं0-2020/378-
3. नाम **अनुराग सिंह उर्फ विवेक कुमार उर्फ विगन कुमार, पे0-रामेश्वर सिंह, ग्राम-लुरपुर्वा, पो0-अकोढ़ी, थाना-मोहनिया, जिला-कैमूर (बिहार)** और व-तामील वारन्ट गिरफ्तारी जो बाद अर्जा जारी हुआ वा यह कैफियत दी गई है कि (3) **वर्तमान थाना-जगरनाथपुर, जिला-रॉंची** जब
4. फरार हुआ है या रूपोश है ताके वारन्ट मजकुर उसपर पाये नहीं जाते है और चूंकि ब-तशफ्फी हमारे साबित किया जरी न हो सके। गया है कि (3) जब
5. मोकाम। **ग्राम-लुरपुर्वा, पो0-अकोढ़ी, थाना-मोहनिया, जिला-कैमूर (बिहार)** फरार मजकुर इसलिए बजरिये इस के इश्तिहार दिया जाता है कि धारा 354/448/323/341-**भा0द0वि0 एवं 8/12 पोक्सो एक्ट** मजकुर साकिन ब-मोकाम(5)
6. इस अदालतव रूबरू मेरे। अ-हजुर(6) **ब-तारीख 06. माह 06.2026 नालिश-मजकुर** करे जवाब देही के लिए हाजिर हो **आज तारीख 06 माह 05 सन् 2026**

Sd. Court of Sri Birendra Kumar Shrivastava AJC IV cum spl. Judge Pocso Act Ranchi

अतः सभी जन साधारण से अनुरोध है कि यदि प्रा0अभियुक्त **अनुराग सिंह उर्फ विवेक कुमार उर्फ विगन कुमार** कहीं मिलते/दिखते हैं तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय/**Court of Sri Birendra Kumar Shrivastava AJC IV cum spl. Judge Pocso Act Ranchi** के न्यायालय में इसकी सूचना दें या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी जानकारी दें
पुलिस उपाधीक्षक, हटिया, रॉंची। -9431706143
थाना प्रभारी, जगरनाथपुर, रॉंची। -9431706169

PR 380681 (Police)26-27*D वरीय पुलिस अधीक्षक,रॉंची

उपायुक्त ने अनुसूचित जाति एवं जनजाति बालक छात्रावास का किया औचक निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त हेमन्त सती ने सोमवार को कल्याण विभाग द्वारा संचालित अनुसूचित जाति बालक छात्रावास एवं अनुसूचित जनजाति बालक छात्रावास, तकिया मजार के समीप, नवाबगंज, हजारीबाग का सोमवार को औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्रावास परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा वहां रह रहे विद्यार्थियों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के क्रम में छात्रावास के विद्यार्थियों ने उपायुक्त के समक्ष छात्रावास में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं से संबंधित समस्याएं रखीं तथा आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। उपायुक्त ने विद्यार्थियों की मांगों को गंभीरता

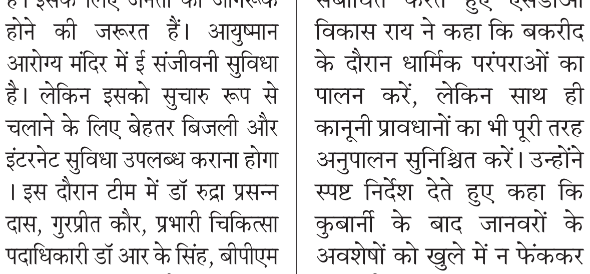

से लेते हुए संबंधित प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की तथा सभी आवश्यक कार्यों को शीघ्र प्रारंभ करने का निर्देश दिया। अनुसूचित जाति बालक छात्रावास में पुस्तकालय निर्माण, शौचालय एवं सेप्टिक टैंक निर्माण, 100 लीटर क्षमता के आर०ओ० का अधिष्ठापन, साइकिल स्टैंड निर्माण, हाई मास्ट लाइट, स्ट्रीट लाइट, बिजली वायरिंग एवं सीसीटीवी अधिष्ठापन कराया जाएगा। वहीं अनुसूचित जनजाति बालक छात्रावास में 100 बेड वाले नए छात्रावास भवन का निर्माण, बोरिंग कार्य तथा सोलर सिस्टम की मरम्मति कराई जाएगी। उपायुक्त ने छात्रावास में रह रहे सभी विद्यार्थियों से मन लगाकर पढ़ाई करने, अनुशासन बनाए रखने तथा अपने भविष्य के प्रति गंभीर रहने की अपील की। उन्होंने विद्यार्थियों को आश्वस्त किया कि उनकी सभी जायज मांगों को प्राथमिकता के आधार पर यथाशीघ्र पूरा किया जाएगा।

उपायुक्त ने की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा, कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

हजारीबाग : उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में सोमवार को प्रधानमंत्री-आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन एवं 15वें वित्त आयोग अंतर्गत संचालित स्वास्थ्य योजनाओं की

समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के विभिन्न प्रखंडों में चल रहे स्वास्थ्य उपकेंद्रों एवं भवन निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने स्वास्थ्य उपकेंद्रों की जमीनी स्थिति की जांच के लिए उपसमाहताओं को विभिन्न प्रखंडों में प्रतिनियुक्त करते हुए नियमित निरीक्षण का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान एएनएम/सीएचओ की उपस्थिति, ओपीडी संचालन, दवा उपलब्धता, संस्थागत प्रसव, बिजली-पेयजल सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की जांच की जाएगी। बैठक में उपायुक्त ने निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री-आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन एवं 15वें वित्त योजना अंतर्गत लंबित सभी कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण कराया जाए। कई स्वास्थ्य भवनों का उद्घाटन 15 अगस्त 2026 तक सुनिश्चित करने तथा शेष अपूर्ण योजनाओं को 15 नवंबर 2026 तक पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।

समकालीन साहित्य और स्मृतियों का साक्ष्य

लोक में जो संकेत, आत्मीय रचाव और सहज संचरणशीलता है, वह अतिआधुनिकता में भी स्वीकार्य है, उपयोगी है। लोक-रचनात्मकता का आधारपरक कार्य लोककला की कलात्मक एकता है। अतीत का उपयोग वर्तमान की आलोचना के बिना संभव नहीं। बिना आकांक्षा के न तो जीवन जिया जा सकता है और न ही कविता या साहित्य की रचना संभव है। समकालीन साहित्य में सबसे महत्वपूर्ण है- स्मृतियों का साक्ष्य। स्मृतियां समकालीनता के विविध उपकरणों के समाहार से असंबद्ध नहीं रह सकतीं। हालांकि तार्किकता, परिवर्तनधर्मिता, शिल्प वैशिष्ट्य, गद्यपरकता इत्यादि संश्लिष्टताओं से आकार ग्रहण करता समकालीन साहित्य स्मृतिविहीन नहीं हो सकता फिर भी लोकोन्मुखता लगातार क्षीण होती गई है। स्थानीयता का पुट विविध रंगों के साथ जैसे उभरने चाहिए, उसमें कमी आती दिख रही है। कुछ कवियों व उपन्यासकारों ने मौखिक परंपराओं व धरती के उन्मुखीकरण को आधार बनाने का यत्न किया है तो कुछ लोक को नए सिरे से समझ कर लाना चाहते हैं। कुछ कला और समुदाय के बीच के संबंधों से काम करते हैं तो कुछ लोकप्रिय रूपों व ध्वनियों के आधार पर। कुछ सामाजिक आवेग को लोक संस्कृति में समंजन करके नई भाषा रच रहे हैं तो कुछ काव्य-अभ्यास से लोक कविता की संभावनाओं के लिए नई सदी में नए दृष्टिकोण से सक्रिय हैं। लोक संस्कृति की प्रमुख आधार प्रकृति महानगरों से जैसे ओझल हुई है, उससे लेखन-सूत्र की दशा बदल गई है। प्रकृति, नदी, पर्यावरण में जैसी स्मृतियां रही हैं तथा साहित्य की धारा का जैसे गोमुख रहा है, नगरीकरण की स्थिति के चलते (अब हिन्दी साहित्य भी नगरीकरण का प्रतीक होने लगा है) स्वप्न के संदर्भ बदल गए हैं। यह सारा स्वप्न छंदमुक्तता की प्रयोजनता और वाक्यांशों की विविधताओं से भी पता चलता है। लोक की रुचियों व अनेक जड़ताओं को साहित्य में जायज नहीं ठहराया जाना चाहिए, लेकिन उसकी तरलता या प्रवाहमयता या सुगंध का खोना स्मृति-रहित होने जैसा ही है। साहित्य का नगरीकृत होना एक फेज है, लेकिन पारंपरिक अनुगूंजों से वंचित होना दूसरी बात। स्थानीयता के कई तरह के खतरे भी हैं किंतु उसकी अलग आभा उसकी शक्ति भी है। प्रौद्योगिकी को स्थानीयता में खास व्यवहार मिलता है। साहित्य में स्थानीय संस्कृति को रचना एक खास सम्मोहन को शब्द देना है। उस सम्मोहन में एक गति भी होती है। कलात्मक प्रासंगिकता का दृश्यात्मकता व सांगीतिक अनुगूंजों से विशिष्ट संबंध है। इसीलिए लोक में जो दृश्यबंध आते हैं, उन्हें साहित्य में एक आकार दिया जा सकता है। यह अलग बात है कि समकालीनता के तनावों व लोक के समंजन का आधार क्या बनेगा या बनना चाहिए, यह विचार व अनुप्रयोग का विषय है। नए-नए विषयों को उठाते हुए मिथक व लोक का समकालीनीकरण संभव है। कथा व कविता में तो यह विशिष्ट आकार ले ही सकता है। यदि नगरीय जीवन की संपृक्ति में लोक कविता की मूर्धन्यता को समझा जाए तो कुछ अनुभव एकत्र किए जा सकते हैं। उससे प्रस्तुति व शैली में निश्चित भिन्नताएं आएंगी। लोक संगीत के लिए "यू ट्यूब" के रूप में एक नया आधार मिला है। सामूहिक कलात्मक गतिविधि, सामाजिक काम, रोजमर्रा की जिंदगी, जीवन व प्रकृति के ज्ञान, धार्मिक प्रथाओं और विश्वासों को साहित्य में ढाल पाना इकहरा कार्य नहीं। लोक-रचनात्मकता का विशिष्ट आधारपरक कार्य लोककला की कलात्मक एकता है। लोक कला समाज के निचले तबके की आवश्यकताओं की उपस्थितियों के लिए निर्मित होती है। इसमें एक तरह का घरेलूपन है। चाहें तो उसकी "पुरातनता" में एक नवाचार भी ला दें। कविता में पुरातनता में नवसंघनन उसका महत्वपूर्ण पक्ष है। लोक में जो संकेत, आत्मीय रचाव और सहज संचरणशीलता है, वह अति आधुनिकता में भी स्वीकार्य है, बल्कि बहु उपयोगी। अतीत का उपयोग वर्तमान की आलोचना के बिना संभव नहीं।

यह कैसा समाज है, जिसमें अदालतें समझाएं रिश्तों का धर्म

ललित गर्ग

किसी भी सभ्यता की वास्तविक पहचान उसकी ऊँची इमारतों, चमकती सड़कों, आर्थिक प्रगति या तकनीकी उपलब्धियों से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों, माता-पिता और निर्बल वर्ग के प्रति कितना संवेदनशील है। लेकिन आज का सबसे पीड़ादायक प्रश्न यही है कि जिस भारत ने "मातृ देवो भवः, पितृ देवो भवः" का उद्घोष किया, जिस धरती से "वसुधैव कुटुम्बकम" का विचार पूरी दुनिया में पहुँचा, उसी भूमि पर आज माता-पिता को अपने ही घर में सम्मान और आश्रय पाने के लिए अदालतों का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है। हाल के वर्षों में देश की अदालतों में ऐसे मामलों की संख्या बढ़ी है, जहाँ वृद्ध माता-पिता को अपने ही बच्चों से संरक्षण, भरण-पोषण, रहने की व्यवस्था और संपत्ति पर अधिकार के लिए न्यायिक हस्तक्षेप लेना पड़ा। कहीं बेटे को अदालत यह निर्देश दे रही है कि वह अपनी वृद्ध मां को घर में एक कमरा, अलग स्नानघर और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराए, तो कहीं दुर्व्यवहार करने वाली संतान को माता-पिता की संपत्ति से बेदखल करने के आदेश दिए जा रहे हैं। यह केवल कानूनी घटनाएँ नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक और नैतिक पतन की वे चेतावनियाँ हैं जो भविष्य के भारत की तस्वीर पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा रही हैं।

वास्तव में यह अत्यंत विडंबनापूर्ण है कि जिस मां ने नौ महीने गर्भ में रखकर संतान को जीवन दिया, जिसने अपना रक्त, ममता और त्याग देकर उसे पाला, उसी मां को अपने ही घर में रहने के लिए न्यायालय की शरण लेनी पड़े। जिस पिता ने अपने पसीने और परिश्रम से घर बनाया, बच्चों का भविष्य संवारा, वृद्धावस्था में उसी घर में उसके अधिकार के लिए अदालत को हस्तक्षेप करना पड़े, यह स्थिति केवल व्यक्तिगत कृतघ्नता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनाओं के क्षरण का प्रमाण है। यह प्रश्न इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारत विकसित भारत 2047 की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आर्थिक विकास, डिजिटल क्रांति, स्मार्ट शहर, वैश्विक नेतृत्व और आत्मनिर्भरता की बातें हो रही हैं। लेकिन यदि घर के किसी कोने में बैठे वृद्ध माता-पिता अकेलेपन, उपेक्षा और अपमान का जीवन जी रहे हों, तो क्या यह विकास पूर्ण माना जा सकता है? यदि हमारे बुजुर्ग अपनी छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए भी दूसरों पर निर्भर और उपेक्षित हो जाएँ, तो हमारी सारी उपलब्धियाँ खोखली प्रतीत होती हैं।

आज की सबसे बड़ी चुनौती केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक निर्धनता की है। नई पीढ़ी का एक बड़ा वर्ग आत्मकेंद्रित होता जा रहा है। भौतिक उपलब्धियाँ, कैरियर, उपभोगवाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणाएँ जीवन के केंद्र में आ गई हैं। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, रिश्तों की ऊष्मा कम हो रही है और संवाद का स्थान डिजिटल माध्यम ले रहे हैं। परिणामतः बुजुर्गों का जीवन अकेलेपन, अवसाद और असुरक्षा का पर्याय बनता जा रहा है। यह सच है कि महानगरीय जीवन की अपनी कठिनाइयाँ हैं। रोजगार, समयाभाव, आर्थिक दबाव और बदलती जीवनशैली ने नई पीढ़ी की चुनौतियाँ बढ़ाई हैं। लेकिन इन कठिनाइयों के बावजूद माता-पिता के प्रति दायित्व समाप्त नहीं हो सकते। भारतीय संस्कृति में माता-पिता की सेवा केवल सामाजिक परंपरा नहीं, बल्कि जीवन-मूल्य रही है। श्रवण कुमार का आदर्श केवल कथा नहीं, बल्कि भारतीय चेतना का हिस्सा है।

दुर्भाग्य यह है कि आज संपत्ति और स्वार्थ ने अनेक संबंधों को प्रभावित किया है। अखबारों में आए दिन ऐसे समाचार दिखाई देते हैं जिनमें संपत्ति के लिए माता-पिता को प्रताड़ित किया जाता है, घर से निकाला जाता है, मानसिक यातना दी जाती है या उनकी उपेक्षा की जाती है। अनेक वृद्धाश्रम ऐसे माता-पिता से भरे पड़े हैं जिनकी सबसे बड़ी "गलती" केवल यह थी कि उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी बच्चों के लिए समर्पित कर दी। यदि यह प्रवृत्ति यूँ ही बढ़ती रही तो भारत भी उस दिशा में बढ़ सकता है जहाँ पश्चिमी देशों की तरह माता-पिता और संतान के संबंध केवल कानूनी और औपचारिक होकर रह जाएँ। पश्चिमी समाज में अनेक माता-पिता प्रारंभ से ही बच्चों को आत्मनिर्भर बना देते हैं क्योंकि वे भविष्य में उनसे देखभाल की अपेक्षा नहीं रखते। लेकिन भारतीय समाज का आधार इससे भिन्न रहा है। यहाँ परिवार केवल जैविक इकाई नहीं, बल्कि भावनात्मक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संस्था रहा है।

यह भी स्मरणीय है कि देश में वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 जैसे कानून बनाए गए हैं ताकि वृद्ध माता-पिता के अधिकारों की रक्षा हो सके। न्यायालयों ने अनेक अवसरों पर माता-पिता के संपत्ति अधिकारों को सुरक्षित रखा है और दुर्व्यवहार करने वाली संतानों के विरुद्ध कठोर टिप्पणियाँ भी की हैं। लेकिन कानून केवल सुरक्षा दे सकता है, संवेदना नहीं। अदालतें कमरे दिला सकती हैं, सम्मान नहीं, भरण-पोषण का आदेश दे सकती हैं, लेकिन ममता और अपनत्व नहीं लौटा सकतीं। यही कारण है कि समाधान केवल कानूनी नहीं, सामाजिक और सांस्कृतिक होना चाहिए। परिवारों में संस्कारों की पुनर्स्थापना आवश्यक है। बच्चों को केवल उच्च शिक्षा और आधुनिक सुविधाएँ देना पर्याप्त नहीं, बल्कि उन्हें मानवीय मूल्य भी देना होंगे। विद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं और सामाजिक संगठनों को परिवार, सेवा, कृतज्ञता और बुजुर्ग सम्मान जैसे विषयों पर गंभीर पहल करनी चाहिए।

आज आवश्यकता है कि विकसित भारत 2047 की अवधारणा में "वृद्ध सम्मान" को भी एक महत्वपूर्ण सूचक बनाया जाए। जिस देश में बुजुर्ग सुरक्षित, सम्मानित और संतुष्ट होंगे, वही वास्तव में विकसित कहा जा सकेगा। हमें ऐसी नीतियाँ बनानी होंगी जिनमें वृद्धजन कल्याण, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और भावनात्मक सहयोग को प्राथमिकता मिले। साथ ही परिवारों को यह समझना होगा कि माता-पिता केवल जिम्मेदारी नहीं, हमारी जड़ें हैं। जिस वृक्ष की जड़ें सूख जाएँ, उसकी शाखाएँ अधिक समय तक हरी नहीं रह सकतीं। माता-पिता की उपेक्षा केवल एक व्यक्ति की नहीं, पूरी पीढ़ी की नैतिक पराजय है। यह भी विचारणीय है कि जो संतान आज अपने माता-पिता के साथ व्यवहार कर रही है, वही व्यवहार भविष्य में उसके हिस्से भी आ सकता है। बच्चे केवल उपदेश से नहीं, व्यवहार से सीखते हैं। यदि वे अपने माता-पिता को बुजुर्गों की उपेक्षा करते देखेंगे तो वही संस्कार आगे बढ़ेंगे।

आज आवश्यकता अदालतों के आदेशों से अधिक अंतःकरण के जागरण की है। रिश्तों की मर्यादाएँ, गरिमा और दायित्व यदि न्यायालयों को समझाने पड़ें तो यह केवल कानूनी संकट नहीं, बल्कि सभ्यता का संकट है। यह समय आत्ममंथन का है कि क्या हम तकनीकी रूप से आधुनिक होते-होते मानवीय रूप से निर्धन होते जा रहे हैं? भारत की पहचान उसकी संवेदनशीलता रही है। यदि हम इस संवेदनशीलता को बचा सके, तभी विकसित भारत का स्वप्न सार्थक होगा। अन्यथा ऊँची उपलब्धियों और भव्य योजनाओं के बीच भी हमारे घरों के किसी कोने में बैठा एक उपेक्षित वृद्ध हमारी समस्त प्रगति पर मौन प्रश्नचिह्न बनकर खड़ा रहेगा। अंततः याद रखना होगा-विरासत संपत्ति नहीं, संस्कार होते हैं, विकास इमारतों से नहीं, रिश्तों से मापा जाता है और वह समाज कभी महान नहीं कहलाता जहाँ माता-पिता को अपने अधिकार के लिए अदालतों में खड़ा होना पड़े।

पर्यावरण का पुनर्जागरण

डॉ. सत्यवान सौरभ

एक समय था जब भारतीय घरों, आंगनों, चौपालों और खेतों में लकड़ी की खाट या चारपाई जीवन का अभिन्न हिस्सा हुआ करती थी। सुबह की चाय से लेकर रात की नींद तक, खाट केवल एक फर्नीचर नहीं बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक जीवन का केंद्र थी। जैसे-जैसे आधुनिकता का प्रभाव बढ़ा, शहरीकरण ने गति पकड़ी और बाजार में नए-नए प्रकार के बेड, सोफा-कम-बेड तथा महंगे गद्दे आने लगे। खाट धीरे-धीरे घरों से गायब होने लगी। इसे पुरातन, ग्रामीण और पिछड़ेपन का प्रतीक मान लिया गया। परंतु समय का चक्र एक बार फिर घूम रहा है। आज लोग दोबारा लकड़ी की खाट की ओर लौट रहे हैं। यह वापसी केवल एक पारंपरिक वस्तु की वापसी नहीं है, बल्कि जीवन के प्रति बदलती सोच, स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता और प्रकृति के साथ संतुलन की तलाश का प्रतीक भी है।

भारतीय समाज में खाट का इतिहास बहुत पुराना है। इसे चारपाई, मंजी या खटिया जैसे नामों से भी जाना जाता है। लकड़ी के मजबूत ढांचे और रस्सियों या पट्टियों से बुनी हुई यह संरचना सदियों तक भारतीय जीवन का आधार रही। गांवों में चौपाल की पहचान खाटों से होती थी। परिवार के बुजुर्ग खाट पर बैठकर निर्णय लेते थे। किसान दिनभर के श्रम के बाद खाट पर विश्राम करते थे और बच्चे उसी पर खेलते-कूदते बड़े होते थे। यह केवल आराम का साधन नहीं थी, बल्कि सामाजिक संवाद का मंच भी थी। आज भी ग्रामीण भारत में खाट पर बैठकर होने वाली चचाएं लोकतांत्रिक संवाद की सबसे सहज और स्वाभाविक अभिव्यक्ति मानी जाती हैं।

पिछले कुछ दशकों में जीवनशैली में बड़े बदलाव आए। लोगों ने आधुनिक फर्नीचर को प्रगति और समृद्धि का प्रतीक मान लिया। बड़े-बड़े बेड, मोटे गद्दे और आकर्षक डिजाइन वाले फर्नीचर घरों की आवश्यकता बन गए। विज्ञापनों ने भी लोगों को यह विश्वास दिलाया कि आराम केवल महंगे गद्दों और आधुनिक बिस्तरों में ही संभव है। परिणामस्वरूप खाट धीरे-धीरे घरों से बाहर होती चली गई। अब जब लोग स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं, बढ़ते तनाव और कृत्रिम जीवनशैली के दुष्प्रभावों का सामना कर रहे हैं, तब वे उन पारंपरिक विकल्पों को नए दृष्टिकोण से देखने लगे हैं जिन्हें कभी उन्होंने स्वयं ही त्याग दिया था।

लकड़ी की खाट की लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण स्वास्थ्य संबंधी लाभ हैं। आधुनिक जीवनशैली में कमर दर्द, गर्दन दर्द और रीढ़ से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ी हैं। बहुत अधिक मुलायम गद्दों पर सोना कई लोगों के लिए असुविधाजनक साबित हुआ है। इसके विपरीत खाट का ढांचा शरीर को संतुलित सहारा देता है। रस्सियों से बुनी खाट शरीर के भार को समान रूप से वितरित करती है, जिससे रीढ़ पर अनावश्यक दबाव कम पड़ता है। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी अनेक बुजुर्ग वर्षों तक खाट पर सोने के कारण बेहतर शारीरिक स्थिति में दिखाई देते हैं। यद्यपि हर व्यक्ति की स्वास्थ्य आवश्यकताएं अलग होती हैं, फिर भी खाट को प्राकृतिक और संतुलित विश्राम का साधन माना जाता है।

गर्म जलवायु वाले हमारे देश में खाट की उपयोगिता और भी अधिक है। फोम और स्प्रिंग वाले गद्दे अकसर शरीर की गर्मी को रोक लेते हैं, जिससे गर्मियों में असुविधा बढ़ जाती है। इसके विपरीत खाट के नीचे और ऊपर दोनों ओर से हवा का प्रवाह बना रहता है। यह प्राकृतिक वेंटिलेशन शरीर को ठंडक प्रदान करता है और नींद की गुणवत्ता में सुधार करता है। बिजली की बढ़ती खपत और एयर कंडीशनर पर निर्भरता के इस दौर में खाट का यह गुण विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है। पर्यावरणीय दृष्टि से भी खाट का महत्व बढ़ रहा है। आज दुनिया टिकाऊ विकास और पर्यावरण संरक्षण की बात कर रही है। आधुनिक फर्नीचर उद्योग में प्लास्टिक, सिंथेटिक फोम और रासायनिक पदार्थों का व्यापक उपयोग होता है, जिनका पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसके विपरीत लकड़ी और प्राकृतिक रस्सियों से बनी खाट अपेक्षाकृत पर्यावरण-अनुकूल होती है। यह लंबे समय तक चलती है। आसानी से मरम्मत की जा सकती है और इसके अधिकांश हिस्से पुनर्चक्रित या प्राकृतिक रूप से नष्ट हो सकते हैं। ऐसे समय में जब लोग पर्यावरण के प्रति अधिक संवेदनशील हो रहे हैं, खाट उन्हें एक टिकाऊ विकल्प के रूप में दिखाई देने लगी है।

खाट की वापसी का एक कारण आर्थिक भी है। महंगे फर्नीचर और ब्रांडेड गद्दों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। दूसरी ओर, स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाई गई खाट अपेक्षाकृत सस्ती और टिकाऊ होती है। ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में आज भी खाट कम लागत में उपलब्ध है। यह वर्षों तक उपयोग में आ सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसकी रस्सियां बदलकर उसे फिर नया बनाया जा सकता है। इस प्रकार खाट केवल सांस्कृतिक विरासत नहीं बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी व्यवहारिक विकल्प है।

दिलचस्प बात यह है कि खाट की वापसी केवल ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। बड़े शहरों में भी लोग इसे नए रूप में अपना रहे हैं। इंटीरियर डिजाइनरों ने पारंपरिक खाट को आधुनिक सौंदर्यबोध के साथ प्रस्तुत करना शुरू किया है। आज कई घरों में खाट को बालकनी, गार्डन, टैरेस या लिविंग स्पेस में सजावटी और उपयोगी वस्तु के रूप में रखा जा रहा है। रिसॉर्ट, कैफे और होमस्टे भी अपने परिसर में खाट का उपयोग कर रहे हैं, ताकि ग्राहकों को देसी और पारंपरिक अनुभव मिल सके। यह दिखाता है कि परंपरा और आधुनिकता का मेल किस प्रकार संभव है।

सोशल मीडिया ने भी खाट की लोकप्रियता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज "सस्टेनेबल लिविंग", "स्लो लाइफ", "देसी लाइफस्टाइल" और "रूट्स की ओर वापसी" जैसे विषय युवाओं के बीच लोकप्रिय हो रहे हैं। लोग अपने घरों और फार्म हाउस में खाट के साथ तस्वीरें साझा करते हैं। अनेक युवा, जो कभी खाट को केवल गांवों की वस्तु मानते थे, अब उसे जीवनशैली और पहचान का हिस्सा समझने लगे हैं। यह परिवर्तन बताता है कि नई पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक विरासत को नए नजरिए से देख रही है।

खाट का सांस्कृतिक महत्व भी कम नहीं है। भारतीय साहित्य, लोकगीतों और फिल्मों में खाट का उल्लेख बार-बार मिलता है। यह ग्रामीण जीवन, आत्मीयता और सामूहिकता का प्रतीक रही है। जब परिवार के सदस्य एक साथ खाट पर बैठकर बातचीत करते थे, तब संवाद स्वाभाविक रूप से विकसित होता था। आज डिजिटल युग में जहां लोग एक ही घर में रहते हुए भी मोबाइल स्क्रीन में व्यस्त रहते हैं, वहां खाट जैसे सामूहिक बैठने के स्थान फिर से सामाजिक निकटता का माध्यम बन सकते हैं।

हालांकि खाट की वापसी का अर्थ यह नहीं है कि आधुनिक फर्नीचर पूरी तरह अप्रासंगिक हो गया है। आधुनिक जीवन की आवश्यकताएं अलग हैं और कई परिस्थितियों में आधुनिक बेड अधिक सुविधाजनक भी हो सकते हैं। लेकिन खाट की बढ़ती लोकप्रियता यह संकेत अवश्य देती है कि लोग केवल सुविधा नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, पर्यावरण और सांस्कृतिक जुड़ाव को भी महत्व देने लगे हैं। वे ऐसे विकल्प खोज रहे हैं जो जीवन को अधिक संतुलित और स्वाभाविक बना सकें।

वास्तव में खाट का पुनरागमन उस व्यापक सामाजिक बदलाव का हिस्सा है जिसमें लोग अपनी जड़ों की ओर लौटने का प्रयास कर रहे हैं। चाहे पारंपरिक भोजन हो, जैविक खेती हो, मिट्टी के बर्तन हों या लकड़ी की खाट–लोग अब यह महसूस कर रहे हैं कि विकास का अर्थ केवल नई तकनीक अपनाना नहीं है। विकास का वास्तविक अर्थ उन परंपराओं को भी समझना है जो समय की कसौटी पर खरी उतरी हैं और जिनमें जीवन को सरल, स्वस्थ और संतुलित बनाने की क्षमता है। आज जब दुनिया तेजी से बदल रही है और जीवन पहले से अधिक जटिल होता जा रहा है, तब लकड़ी की खाट हमें सादगी का संदेश देती है। वह याद दिलाती है कि आराम केवल महंगे साधनों से नहीं, बल्कि प्रकृति के अनुकूल जीवनशैली से भी प्राप्त किया जा सकता है। खाट की ओर लौटते कदम इस बात का संकेत हैं कि समाज अपनी सांस्कृतिक स्मृतियों, पारंपरिक ज्ञान और पर्यावरणीय समझ को फिर से महत्व देने लगा है।

संभव है कि आने वाले वर्षों में खाट फिर कभी हर घर का मुख्य फर्नीचर न बने, लेकिन उसका पुनर्जागरण यह अवश्य सिद्ध करता है कि परंपरा कभी पूरी तरह समाप्त नहीं होती। जब आधुनिक जीवन की चुनौतियां बढ़ती हैं, तब समाज अकसर अपनी जड़ों में समाधान खोजता है। लकड़ी की खाट की वापसी इसी खोज की कहानी है–एक ऐसी कहानी जिसमें स्वास्थ्य है, पर्यावरण है, संस्कृति है और जीवन को अधिक मानवीय बनाने की आकांक्षा भी। यही कारण है कि आज लोग दोबारा लकड़ी की खाट पर लौट रहे हैं। वे केवल एक पुराने फर्नीचर को नहीं अपना रहे, बल्कि एक ऐसे जीवन-दर्शन को पुनर्जीवित कर रहे हैं जो सादगी, संतुलन, आत्मीयता और प्रकृति के साथ सामंजस्य पर आधारित है। यही इस वापसी का सबसे बड़ा अर्थ और सबसे बड़ी उपलब्धि है।

सूडोकु नवताल- 7806

★★★★★ कठिनतम

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7805 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

मीडिया : हमको आईना दिखाना है दिखा देते हैं

तनवीर जाफरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों संयुक्त अरब अमीरात,नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली देशों का दौरा किया। इस दौरान नॉर्वे की एक घटना ने एक बार फिर मीडिया उसके कर्तव्य व दायित्व को लेकर बहस छेड़ दी। दरअसल ओस्लो में जब मोदी, नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर के साथ जैसे ही मंच से जाने लगे उसी समय एक युवा महिला पत्रकार हेला लिंग ने मोदी को संबोधित करते हुये कुछ सवाल पूछे। हेला लिंग ने पूछा "प्रधानमंत्री मोदी, आप दुनिया की सबसे स्वतंत्र प्रेस से सवाल क्यों नहीं लेते? मोदी पत्रकार के सवाल का जवाब दिए बिना ही वहां से चले गए। इस घटना के फौरन बाद भारतीय विदेश मंत्रालय द्वारा उसी जगह एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई गई जिसमें पत्रकार हेला लिंग को भी बुलाया गया। वहाँ भी हेला लिंग ने भारत के मानवाधिकार रिकॉर्ड और प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर कई तीखे सवाल पूछे, जिस पर भारतीय अधिकारियों ने भारत के लोकतांत्रिक ढांचे और विकास का हवाला देते हुए अपना पक्ष रखने का प्रयास किया।

परन्तु नॉर्वे की इस घटना पर भारतीय 'गोदी मीडिया' ने युवा साहसी महिला पत्रकार हेला लिंग को ही कटघरे में खड़ा कर दिया और उन्हें मीडिया के कर्तव्य व दायित्व बोध का पाठ पढ़ने लगा। 'गोदी मीडिया' ने महिला पत्रकार के इस तरीके को सस्ती लोकप्रियता हासिल करने की रणनीति' करार दिया। वहीं भारत के ही स्वतंत्र, डिजिटल, वैकल्पिक, निष्पक्ष व सोशल मीडिया ने पत्रकार हेला की जमकर तारीफ की। इस वर्ग ने हेला लिंग के साहस की सराहना की और इसे 'सच्ची पत्रकारिता' का उदाहरण बताया तथा इस पूरी घटना को वैश्विक स्तर पर प्रेस की आजादी और लोकतंत्र में जवाबदेही से जोड़कर देखा। कुछ स्वतंत्र विचारकों और कई सोशल मीडिया पोर्टल्स ने तो इस अवसर का प्रयोग उन 'गोदी पत्रकारों' पर तंज कसने के लिए किया जो सत्ता से सवाल पूछने के बजाये सत्ता की खुशामद में लगे रहते हैं। यही वजह है कि जो सवाल भारत के शीर्ष मुख्यधारा के पत्रकारों को पूछने चाहिए थे वही सवाल एक विदेशी पत्रकार को पूछने पड़ रहे हैं।

दरअसल 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने अब तक एक भी नियमित संवाददाता सम्मेलन आयोजित नहीं किया है। अपने एक इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं बताया था कि वे पुरानी परिपाटी जहाँ नेता मीडिया के माध्यम से अपनी बात प्रसारित करते थे, के बजाय सीधे जनता के बीच जाकर काम करने और नई कार्य संस्कृति स्थापित करने पर विश्वास रखते हैं। मन की बात,सार्वजनिक रैलियां,चुनावी सभाएं, सम्पादकीय पृष्ठ के अपने आलेख, किसी कार्यक्रम स्थल पर आयोजित जन सभा आदि के माध्यम से जनता से इकतरफा संवाद करना प्रधानमंत्री का पसंदीदा तरीका है। जबकि भारत के लगभग सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों की यह नियमित परंपरा रही थी कि वे विदेश दौरों से लौटने,विमान में या देश में समय-समय पर खुली प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित किया करते थे।

सच तो यह है कि मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री रहते मीडिया से जुड़े उनके कुछ ऐसे 'कटु अनुभव' रहे हैं जिसके चलते वे अब पुनः 'साहसी ' पत्रकारों से रूबरू होकर पुनः अपनी वैसी फजीहत नहीं कराना चाहते। याद कीजिये अक्टूबर 2007 में जब नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे,उस समय वरिष्ठ पत्रकार करण थापर ने सी एन एन-आई बी एन के प्रसिद्ध शो 'डेविल्स एडवोकेट' के लिए अहमदाबाद में मोदी का इंटरव्यू लिया था। करण थापर ने मोदी से अपने पहले सवाल में ही 2002 के गुजरात दंगों को लेकर पूछा कि 'दंगों के पांच साल बाद भी उनकी छवि एक 'क्रूर शासक' की बनी हुई है, इसे सुधारने के लिए उन्होंने क्या किया'? जब मोदी ने कहा कि जनता उन्हें अच्छे से जानती है, तो थापर ने अगला सवाल किया कि 'आप यह क्यों नहीं कह देते कि आपको दंगों में मारे गए लोगों का दुख या पछतावा है? क्या सरकार को मुसलमानों की सुरक्षा के लिए और कदम नहीं उठाने चाहिए थे?' इस सवाल पर मोदी पूरी तरह असहज हो गए। उन्होंने कहा कि जो मुझे कहना था, मैं उस समय कह चुका हूँ। परन्तु जब थापर ने बार-बार उसी सवाल को दोहराया, तो मोदी ने इंटरव्यू आगे बढ़ाने से मना कर दिया। 3- 4 मिनट के भीतर ही मोदी ने पानी पीने का बहाना कर अपने कुर्ते पर लगा माइक निकाला और उसे टेबल पर रख दिया। फिर उन्होंने बहुत ही शालीनता से थापर से कहा–'दोस्ती बनी रहे। आप यहाँ आए, इसके लिए धन्यवाद।' इसके बाद वे कैमरे के सामने से उठकर चले गए।

ऐसी ही दूसरी घटना वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान की है। उस समय वरिष्ठ पत्रकार विजय त्रिवेदी एन डी टी वी के लिए 'चक्रव्यूह' नामक एक शो करते थे। उन्होंने मोदी का इंटरव्यू चुनावी रैली पर जाते समय हेलीकॉप्टर यात्रा के दौरान लिया। त्रिवेदी ने भी मोदी से पूछा कि क्या गुजरात दंगों के लिए भाजपा या उन्हें (मोदी को) माफी मांगनी चाहिए? मोदी ने इस पर कहा कि वे इस विषय पर कई इंटरव्यू में पहले ही बोल चुके हैं। लेकिन जब त्रिवेदी ने लगातार इस सवाल पर दबाव बनाया, तो मोदी का मूड बदल गया। बाद मोदी ने गुस्से में आकर सवालों के जवाब देना पूरी तरह बंद कर दिया और चुप हो गए। मोदी ने अपना ही हाथ आगे बढ़ाकर कैमरे के लेंस को बंद करवा दिया। इसके बाद का पूरा सफर दोनों ने बिना एक-दूसरे से बात किए और खिड़की से बाहर देखते हुए बिताया। हेलीकॉप्टर के उतरते ही मोदी ने विजय त्रिवेदी से कहा– 'विजय भाई, यह हमारी आखिरी मुलाकात है।' इसके बाद मोदी अपनी जनसभा को संबोधित करने चले गए।

दैनिक पंचांग

26 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.38 बजे से
चंद्र	कन्या में	कर्क	08.51 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	11.07 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	13.19 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	15.30 बजे से
शुक्र	मिथुन में	वृश्चिक	17.45 ब.से
शनि	मीन में	धनु	20.01 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	22.06 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	23.52 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		मीन	01.25 बजे से
		मेष	02.56 बजे से
		वृष	04.36 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 146 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि एकादशी अहोरात्र।
नक्षत्र हस्त अहोरात्र।
योग सिद्धि(असृक) 03.11 बजे रात्र को समाप्त।
करण वणिज 17.43 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 9.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 05'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872721
जूलियन दिन 2461186.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज
तारीख 09

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

हत्या कांड में एक और आरोपी गिरफ्तार भेजा गया जेल

अमड़ापाड़ा : पाकुड़ जिले के अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र में दर्ज हत्या कांड मामले में पुलिस को एक और सफलता मिली है। थाना कांड संख्या 30/2026, 17 मई 2026 को दर्ज हत्या मामले में पुलिस ने एक अन्य अभियुक्त दुखिया पहाड़िया उर्फ छोटा दुखिया पहाड़िया , पिता स्व. कमला पहाड़िया, निवासी निपनिया, जोर टोला, थाना अमड़ापाड़ा, जिला पाकुड़ को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को रविवार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। ज्ञात हो कि इससे पूर्व भी इस मामले में एक अन्य अभियुक्त की गिरफ्तारी हो चुकी है।

स्टेशन के पार्किंग में महीनों से 'मौत का गड्ढा', यात्री-जानवर गिरने का खतरा

साहिबगंज/बरहरवा : रेलवे स्टेशन जैसी जगह, जहां रोजाना हजारों यात्रियों की आवाजाही होती है, वहां पार्किंग एरिया में एक बड़ा गड्ढा खोदकर छोड़ दिया गया है। न बैरिकेडिंग, न चेतावनी बोर्ड, न भरने की पहल। ये गड्ढा अब 'मौत का कुआं' बन गया है। बरहरवा स्टेशन के मेन गेट के पास पार्किंग एरिया में करीब 5 फीट गहरा और 4 फीट चौड़ा गड्ढा मुंह बाए खड़ा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, किसी पाइपलाइन या केबल के काम के लिए कुछ महीने पहले इसे खोदा गया था। काम पूरा हुआ या नहीं, पता नहीं। पर गड्ढा भरना रेलवे विभाग भूल गया। बारिश में इसमें पानी भर जाता है तो खतरा और बढ़ जाता है। रात में तो ये गड्ढा दिखता ही नहीं। पिछले हफ्ते ही एक बुजुर्ग यात्री रामजी प्रसाद स्कूटी पार्क करते वक्त गड्ढे में गिर गए। आवारा कुत्ते और गाय कई बार इसमें गिर चुके हैं। स्थानीय युवक रस्सी से निकालते हैं। स्कूल जाने वाले बच्चे और ऑटो से उतरने वाले यात्री रोज बच-बचाकर निकलते हैं। दैनिक यात्री संजय भगत ने कहा कि स्टेशन मास्टर को 10 बार बोल चुके हैं। कहते हैं इंजीनियरिंग विभाग देखेगा। इंजीनियरिंग वाले कहते हैं ठेकेदार की जिम्मेदारी है, लेकिन ठेकेदार का अता-पता नहीं। हम यात्रियों की जान की कीमत कुछ नहीं स्थानीय दुकानदार महेश साह ने कहा कि रात में ट्रेन पकड़ने आने वाली महिलाओं के लिए सबसे ज्यादा रिस्क है।

नहाने के दौरान तालाब में डूबने से पारा शिक्षक की हुई मौत

साहिबगंज : बरहेट थाना क्षेत्र के संजोरी गांव निवासी मसीह हेम्ब्रम (46) अपने घर के समीप तालाब में नहाने के दौरान डूबने का मामला प्रकाश में आया। मसीह हेम्ब्रम प्राथमिक विद्यालय करनघाटी में पारा शिक्षक के रूप में 2002 में योगदान लिया था। उक्त विद्यालय में एक ही शिक्षक मसीह हेम्ब्रम के भरोसे संचालित होता था। परिजनों के अनुसार अहले सुबह घर से निकला हुआ था, जब बहुत देर तक घर में नहीं आने से खोजबीन शुरू किया तो वहीं गांव के एक व्यक्ति ने बताया कि तालाब के पास मसीह हेम्ब्रम का कपड़ा रखा हुआ था। लोगों को लगा कि शायद नहाकर कपड़ा भूल कर चला गया होगा। परिजनों के अनुसार प्रतिदिन नहा धोकर वो जनगणना के लिए निकलता था,लेकिन आज जनगणना का कीट आदि सभी घर में रखा हुआ था इसलिए सभी परेशान होकर खोजबीन करने लगे।

गंगा दशहरा पर साहिबगंज में दिखेगा बनारस जैसा नजारा काशी के 71 पुरोहित करेंगे मां गंगा की महाआरती

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : गंगा दशहरा के पावन अवसर पर मंगलवार, 26 मई को साहिबगंज का मुक्तेश्वरधाम गंगा घाट 'मिनी काशी' में बदल जाएगा। शाम 5 बजे से बिजली घाट स्थित मुक्तेश्वरधाम गंगा तट पर काशी से आए 71 सदस्यीय पुरोहितों की टीम वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भव्य गंगा महाआरती करेगी।

9 साल की परंपरा, इस बार और दिव्य

जिला परिषद उपाध्यक्ष सुनील यादव की ओर से लगातार नौ वर्षों से बनारस की तर्ज पर गंगा आरती का आयोजन किया जा रहा है।

आयोजक सुनील यादव ने बताया कि इस बार आरती को और भव्य रूप दिया गया है। काशी के अनुभवी पुरोहित और गंगा आरती करने वालों की विशेष टीम बुलाई गई है। भव्य दिव्य गंगा महाआरती एक से डेढ़ घंटे तक वैदिक मंत्रों के साथ होगी। मां गंगा की विशेष पूजा-अर्चना बनारस के पुरोहित ही संपन्न कराएंगे। आरती के समापन के बाद सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा।

दुल्हन की तरह सजा गंगा तट

इस विशेष आयोजन के लिए गंगा तट और गंगा घाट के मुख्य मार्ग पर स्थित सभी मंदिरों को आकर्षक विद्युत सज्जा और फूलों से सजाया गया है। घाट पर दीयों की रोशनी और मंत्रों की गूंज से पूरा माहौल भक्तिमय हो जाएगा।

सुनील यादव ने की अपील ज्यादा जानें

जिला परिषद उपाध्यक्ष सुनील यादव ने जिले के सभी श्रद्धालुओं से इस दिव्य आयोजन में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि गंगा दशहरा मोक्षदायिनी मां गंगा के धरती पर अवतरण का दिन है। इस पावन बेला पर सभी श्रद्धालु परिवार सहित पधारकर बनारस जैसी गंगा आरती का दर्शन लाभ लें और पुण्य कमाएं। सभी सादर आमंत्रित हैं।

क्यों खास है गंगा दशहरा

मान्यता है कि ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को ही मां गंगा स्वर्ग से धरती पर अवतरित हुई थीं। इस दिन गंगा स्नान, पूजा, दान और आरती का विशेष महत्व है।

अवैध गांजा कारोबार का खुलासा, 3 किलो 441 ग्राम गांजा के साथ महिला गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के कबूतरखोपी इलाके में अवैध गांजा बिक्री के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महिला को गिरफ्तार किया है। जिरवाबाड़ी थाना कार्यालय कक्ष में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुशील कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि पुलिस अधीक्षक कार्यालय साहिबगंज द्वारा गुप्त सूचना मिली थी कि कबूतरखोपी स्थित एक महिला अपने घर में अवैध रूप से गांजा बेचने का काम कर रही है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। गठित टीम ने दंडाधिकारी की उपस्थिति में रविवार 25 मई 2026 को महिला के घर पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान पुलिस ने प्लास्टिक के डब्बों एवं पुड़ियों में रखे कुल 3

किलो 441 ग्राम गांजा बरामद किया। पुलिस के अनुसार एक प्लास्टिक डब्बे से 1755 ग्राम गांजा तथा दूसरे डब्बे एवं 17 पुड़ियों से 1686 ग्राम गांजा बरामद हुआ। मामले में पुलिस ने पूनम देवी (25), पति भोला मंडल, साकिन कबूतरखोपी, थाना जिरवाबाड़ी, जिला साहिबगंज को विधिवत गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में जिरवाबाड़ी थाना कांड संख्या 90/26 के तहत धारा 20(बी)/(2)/(सी) एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने कहा कि क्षेत्र में अवैध तरीके से नशीला पदार्थ बेचने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस लगातार ऐसे कारोबारियों के खिलाफ अभियान चला रही है और आगे भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। मौके पर छापेमारी दल में दंडाधिकारी बासुकीनाथ टुडू, थाना प्रभारी पुअनि शशि सिंह, पुअनि पंकज वर्मा, सअनि संजय कुमार, सअनि शैलेन्द्र टुडू सहित महिला चौकीदार, रिजर्व गार्ड शामिल थे।

बकरीद पर्व को लेकर थाना परिसर में शांति समिति की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बरहेट बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण एवं भाईचारे के माहौल में संपन्न कराने को लेकर सोमवार को बरहेट थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी अंशु कुमार पांडे ने की। बैठक में प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने पर्व के दौरान क्षेत्र में विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने कहा कि प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाएगी। इसके साथ ही चिन्हित स्थानों पर सुरक्षा बलों की तैनाती की जाएगी तथा थाना पुलिस लगातार गश्ती अभियान चलाएगी। बैठक में मौजूद लोगों से अफवाहों से दूर रहने, सामाजिक सौहार्द बनाए रखने तथा किसी भी अप्रिय घटना की सूचना तत्काल प्रशासन को देने की अपील की गई। अधिकारियों ने कहा कि पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में आम लोगों की सहभागिता अहम है। इस अवसर पर पुलिस निरीक्षक नुनूदेव राय, थाना प्रभारी चंदन कुमार भैया, झामुमो प्रखंड सचिव मोजिबुल रहमान सहित कई जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग मौजूद थे।

बालू लदे ट्रक ने मचाया कहर, टोटो और दूसरे ट्रक से टक्कर में दो घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लिट्टीपाड़ा : पाकुड़ जिले के लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत धर्मपुर मुख्य मार्ग पर सोमवार को रामपुर के समीप एक तेज रफ्तार बालू लदे ट्रक ने जमकर कहर बरपाया। अनियंत्रित ट्रक ने पहले एक टोटो को पीछे से जोरदार टक्कर मारी, फिर भागने के प्रयास में आगे चल रहे दूसरे ट्रक से टकरा गया। भीषण हादसे के बाद बालू लदा ट्रक सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया। दुर्घटना में टोटो चालक और ट्रक का उपचालक गंभीर रूप से घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार, ट्रक संख्या JH 10 CA 8773 जमुई से बालू लोड कर उत्तर दिनाजपुर की ओर जा रहा था। इसी दौरान रामपुर के समीप तेज रफ्तार ट्रक ने आगे चल रहे एक टोटो को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टोटो सड़क पर पलट गया। इस हादसे में टोटो चालक गणेश तुरी, निवासी शहरी, थाना रांगा, गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टोटो को टक्कर मारने के

बाद ट्रक चालक वाहन लेकर तेजी से भागने लगा। हालांकि, कुछ ही दूरी पर चालक ने नियंत्रण खो दिया और आगे चल रहे ट्रक संख्या BR 09 GA 9625 को भी पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इसके बाद बालू लदा ट्रक असंतुलित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया। दूसरी दुर्घटना में ट्रक का उपचालक रोनी सेक, निवासी शेखरघाट, थाना पाकुड़, केबिन में दबकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही लिट्टीपाड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस की मदद से दोनों घायलों को बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लिट्टीपाड़ा पहुंचाया गया, जहां प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. मुकेश बेसरा ने प्राथमिक उपचार किया।

युवा व नागरिक शिष्टाचार विषय पर गोष्ठी का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : कौशल्या ज्योति ट्रस्ट और राजमहल मॉडल कॉलेज द्वारा आज के युवा और नागरिक शिष्टाचार विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस विषय पर आयोजित गोष्ठी में प्रतिभागियों ने भाग लिया और उन्हें संस्था के द्वारा सम्मानित किया गया। मंच का संचालन प्रोफेसर रमजान अली ने किया। उक्त विषय पर आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए मॉडल कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर डॉक्टर रंजीत सिंह,कौशल्या ज्योति ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ सुरेंद्रनाथ तिवारी,नेत्र चिकित्सक डॉ

राजकुमार, गंगा समग्र के प्रांत संयोजक डॉ देवव्रत ने कहा कि पंच परिवर्तन यानी कुटुंब प्रबोधन, स्वदेशी, पर्यावरण, सामाजिक समरसता और नागरिक कर्तव्य के माध्यम से हम लोग समाज में परिवर्तन ला सकते हैं आज के युवाओं के ऊपर कल के समृद्ध भारत का भविष्य है यदि आप नागरिक शिष्टाचार का पालन करेंगे। आप परिश्रमी ईमानदार बनेंगे और पूरे लगन के साथ शिक्षा ग्रहण करेंगे,तो ही आप अपने परिवार समाज और देश को मजबूत कर सकते हैं। इस गोष्ठी में मॉडल कॉलेज के प्रशांत कुमार, सुजान परवीन, फरहान शेख, सुहानी कुमारी, प्राची सिंह, तन्नू, नूपुर सेन, निकिता राजवंशी, जैनब आरा ने भी अपनी बातों को मजबूती से रखा और कहा कि देश की अखंडता के साथ कोई समझौता नहीं होगा और हम युवा यदि अच्छे कर्तव्यों का पालन करेंगे तो निश्चित भारत विश्व गुरु बनेगा। सभी युवा वक्ताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सभी बूथों पर चिपकी 'अन-मैप्ड' मतदाता सूची, तुरंत करें नाम जांच

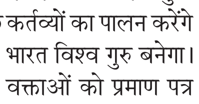

साहिबगंज : आगामी चुनाव को पूरी तरह पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने के लिए जिला प्रशासन एक्शन में आ गया है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर शुक्रवार से जिले के सभी मतदान केंद्रों पर 'अन-मैप्ड मतदाताओं' की सूची प्रकाशित कर दी गई है। ये उन मतदाताओं की सूची है जिनका नाम, पता या बूथ मैपिंग में कोई गड़बड़ी हो सकती है। अब 2 हफ्ते तक ये लिस्ट हर बूथ पर चिपकी रहेगी ताकि लोग खुद चेक कर सकें। सूची प्रकाशन के तीसरे दिन सोमवार को बड़ी संख्या में लोग अपने-अपने मतदान केंद्रों पर पहुंचे। लोगों ने लिस्ट में अपना नाम, उम्र, पता चेक किया और बीएलओ से जानकारी ली।

एनडीआरएफ ने पचुवाड़ा में दिया आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण, सीपीआर और प्राथमिक उपचार के सिखाए गुर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में उपायुक्त, पाकुड़ मेघा भारद्वाज के निर्देश पर राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF) की पटना इकाई ने पचुवाड़ा नॉर्थ कोल ब्लॉक स्थित रलअफ कैंपस, डांगापाड़ा में एक दिवसीय परिचयात्मक अभ्यास सह सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में BGR Mining and Infra Pvt Ltd तथा पश्चिम बंगाल पावर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के अधिकारी, कर्मचारी और कंपनी प्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल हुए। एनडीआरएफ टीम ने बताया कि किसी भी दुर्घटना या आपदा के समय घटनास्थल पर मौजूद आम लोग ही पहले 'फर्स्ट रिस्पॉन्डर' होते हैं। ऐसे में हर व्यक्ति को प्राथमिक उपचार और आपदा प्रबंधन की बुनियादी जानकारी होना बेहद जरूरी है। समय

पर दी गई मदद कई जिंदगियां बचा सकती है।

प्रशिक्षण के दौरान एनडीआरएफ जवानों ने व्यावहारिक प्रदर्शन के जरिए कई जीवन रक्षक तकनीकें सिखाईं। रक्तस्राव रोकना: शरीर के विभिन्न हिस्सों से होने वाले ब्लीडिंग को तत्काल कैसे नियंत्रित करें और उपलब्ध संसाधनों से पट्टी कैसे बांधें। फ्रैक्चर प्रबंधन: हड्डी टूटने पर घायल अंग को स्थिर रखने और मरीज को सुरक्षित रखने के तरीके। सीपीआर प्रशिक्षण: बेहोशी या सांस रुकने की स्थिति में कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन की सही विधि का विस्तार से प्रदर्शन। विशेषज्ञों ने कहा कि समय पर दिया गया सीपीआर जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर तय कर सकता है। जुगाड़ स्ट्रेचर: बांस, कंबल, रस्सी और कपड़ों से मौके पर ही अस्थायी स्ट्रेचर बनाकर घायल को सुरक्षित अस्पताल पहुंचाने की तकनीक। एनडीआरएफ ने खनन क्षेत्र में काम करने वाले कर्मियों को आंधी-तूफान और बिजली गिरने के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों से भी अवगत कराया। टीम ने सलाह दी कि खराब मौसम में खुले स्थान, ऊंचे पेड़ और धातु की वस्तुओं से दूर रहें और तुरंत सुरक्षित आश्रय लें। कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित हुआ। प्रतिभागियों ने आपदा प्रबंधन, प्राथमिक उपचार और आपातकालीन प्रतिक्रिया से जुड़े कई सवाल पूछे। एनडीआरएफ अधिकारियों ने सभी शंकाओं का समाधान करते हुए कहा कि आपात स्थिति में घबराएं नहीं, सूझबूझ से काम लें और सामुदायिक सहयोग को प्राथमिकता दें। कार्यक्रम को उपस्थित कर्मियों और अधिकारियों ने अत्यंत उपयोगी और ज्ञानवर्धक बताया। सभी ने कहा कि इस तरह का व्यावहारिक प्रशिक्षण भविष्य में दुर्घटनाओं के समय जान बचाने में मददगार साबित होगा। अंत में कंपनी प्रबंधन ने एनडीआरएफ टीम का आभार जताया और भविष्य में भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का आग्रह किया।

संक्षिप्त खबरें

भीषण गर्मी को लेकर प्रशासन अलर्ट, सार्वजनिक स्थलों पर शुद्ध पेयजल की व्यवस्था

पाकुड़ : ज़िले की उपायुक्त मेघा भारद्वाज के निर्देश पर सरकारी कार्यालयों, सार्वजनिक स्थलों एवं प्रमुख चौक-चौराहों पर उपलब्ध कराया गया शुद्ध पेयजलभीषण गर्मी एवं लगातार बढ़ते तापमान को देखते हुए आमजनों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन सतत एवं सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। माननीय मुख्यमंत्री, झारखंड सरकार एवं मुख्य सचिव, झारखंड से प्राप्त दिशा-निर्देशों के आलोक में उपायुक्त श्रीमती मेघा भारद्वाज द्वारा जिले के सभी विभागों एवं कार्यालय प्रधानों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। उपायुक्त ने निर्देश दिया है कि जिले में पड़ रही भीषण गर्मी एवं लू की स्थिति को देखते हुए सभी सरकारी कार्यालयों, सार्वजनिक स्थलों, चौक-चौराहों तथा आम नागरिकों के अधिक आवागमन वाले स्थानों पर शुद्ध पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजनों को राहत मिल सके। उपायुक्त के निर्देश के अनुपालन में आज सोमवार को जिले के सभी प्रखंडों एवं नगर परिषद क्षेत्रों में विभिन्न सार्वजनिक स्थलों, सरकारी कार्यालयों तथा प्रमुख स्थानों पर शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की गई।जिससे राहगीरों एवं आम नागरिकों को भीषण गर्मी से राहत मिल रही है। जिला प्रशासन द्वारा आमजनों से अपील की गई है कि अत्यधिक गर्मी एवं लू के दौरान अनावश्यक रूप से धूप में निकलने से बचें, पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें तथा स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सावधानियों का पालन करें। जिला प्रशासन जनहित में आवश्यक व्यवस्थाओं को निरंतर सुनिश्चित करने हेतु प्रतिबद्ध है।

तीन दिनों से बिजली गुल, भीषण गर्मी में ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

महेशपुर : पाकुड़ जिले के महेशपुर प्रखंड अंतर्गत बड़कियारी दुर्गा मंदिर के समीप पिछले तीन दिनों से बिजली आपूर्ति बाधित रहने से ग्रामीणों का गुस्सा सोमवार को फूट पड़ा। भीषण गर्मी और उमस के बीच लगातार बिजली नहीं मिलने से परेशान ग्रामीण सड़क पर उतर आए और विरोध प्रदर्शन करते हुए सड़क जाम कर दिया। ग्रामीणों का कहना था कि पिछले तीन दिनों से इलाके में बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खासकर भीषण गर्मी के कारण बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं की स्थिति काफी दयनीय हो गई है। बिजली नहीं रहने से पेयजल आपूर्ति और दैनिक कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। आक्रोशित ग्रामीण बड़कियारी दुर्गा मंदिर के पास सड़क पर बैठ गए और बिजली विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने जल्द बिजली बहाल करने की मांग करते हुए कहा कि यदि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन और उग्र किया जाएगा। सूचना मिलने के बाद संबंधित पदाधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत कर समस्या के जल्द समाधान का आश्वासन दिया।

मतदाता सूची में नाम कटने से रोकने के लिए कांग्रेस की हुई बैठक

साहिबगंज/कोटालपोखर : झारखंड में चल रहे एसआईआर के तहत मैपिंग और अनमैपिंग प्रक्रिया को लेकर सोमवार को कोटालपोखर हाई स्कूल मैदान में कांग्रेस की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस जिला अध्यक्ष बरकत खान ने की बैठक में कोटालपोखर पंचायत, मयूराकोला पंचायत, पथरिया पंचायत और बड़ा सोनाकर पंचायत के सभी बीएलए-2, पंचायत अध्यक्ष एवं मंडल अध्यक्ष उपस्थित रहे। यह बैठक झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के निर्देश पर आयोजित की गई। बैठक के दौरान सभी बीएलए-2 को निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्र के बीएलओ के साथ समन्वय बनाकर सभी बूथों पर जाएं और यह सुनिश्चित करें कि जिन व्यक्तियों की मैपिंग नहीं हुई है, उनका आवश्यक दस्तावेजों के साथ शीघ्र मैपिंग कराया जाए, ताकि किसी भी मतदाता का नाम बिना कारण मतदाता सूची से न कटे। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष बरकत खान ने कहा कि बीएलए का मुख्य दायित्व मतदाता सूची की निगरानी करना, नए मतदाताओं का नाम जोड़वाना तथा सूची में मौजूद त्रुटियों को सुधारना है। उन्होंने कहा कि बीएलए केवल पार्टी के कार्यकर्ता नहीं, बल्कि संगठन की रीढ़ हैं। उन्होंने सभी बीएलए से अपील करते हुए कहा कि वे अपने-अपने बूथों पर सक्रिय रहकर बीएलओ के साथ मिलकर अनमैपिंग वाले मामलों का समाधान करें, ताकि किसी भी व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से हटने की स्थिति उत्पन्न न हो। बैठक में बरहरवा प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू, मंडल अध्यक्ष विकास सिंह, वरिष्ठ पंचायत अध्यक्ष रंजीत भंडारी, नसीम मंसूरी, दुलाल वर्मा सहित बड़ी संख्या में पंचायत अध्यक्ष एवं बीएलए मौजूद रहे।

पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए विभिन्न कांड के चार अभियुक्त को गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज : जिले के राधानगर थाना पुलिस ने अलग-अलग क्षेत्रों में विशेष छापेमारी अभियान चलाकर विभिन्न कांडों के चार नामजद अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल किया है। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों को सोमवार को न्यायिक प्रक्रिया पूरी करते हुए मंडल कारा राजमहल भेज दिया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार राधानगर थाना कांड संख्या 96/24 मामले के प्राथमिकी अभियुक्त अमानत दियारा निवासी बुजुर मंडल को गिरफ्तार किया गया। उक्त कांड में मारपीट, हत्या के प्रयास एवं अन्य गंभीर धाराएं दर्ज हैं। वहीं थाना कांड संख्या 175/26 मामले में पुलिस ने कटहलबाड़ी निवासी छेदू घोष एवं मुन्नी घोष को गिरफ्तार किया। दोनों पर मारपीट, धमकी एवं अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज है। इसके अलावा राधानगर थाना कांड संख्या 177/26 में नामजद अभियुक्त दक्षिण पलाश गाछी निवासी मिथुन शेख को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

एक नजर

चंद्रपुरा के प्रवासी मजदूर की केरल में मौत परिवार में कोहराम

बोकारो : चंद्रपुरा प्रखंड के दुग्दा बांधडीह निवासी 25 वर्षीय नंदलाल ठाकुर की केरल में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। मृतक का शव रविवार को रांची एयरपोर्ट से एंबुलेंस में ताबूत में लाकर परिवार को सौंपा गया। जानकारी के अनुसार नंदलाल पिछले महीने रोजगार की तलाश में केरल गया था, जहाँ टाइफाइड बुखार से संक्रमित होकर गंभीर रूप से बीमार हो गया और शनिवार को उसकी मृत्यु हो गई। परिवार, ग्रामीण और रिश्तेदारों में शोक की लहर दौड़ गई। मौके पर मौजूद परिजन रो-रो कर बेसुध नजर आए। मृतक के पिता सीताराम ठाकुर ने बताया कि वह दुग्दा मार्केट में चौप-सिंघाड़ा की छोटी दुकान चलाते हैं और बेटे की कमाई परिवार के लिए अहम थी। अब ताबूत में लौटकर आया बेटा परिवार की दहलीज पर परिजनों और समुदाय के लिए गहरा सदमा बन गया है।
स्थानीय लोगों का कहना है कि यह घटनाएँ चिंता का विषय बन चुकी हैं। केवल नौ दिन पहले ही उसी गांव के एक अन्य प्रवासी मजदूर आनंद महतो की भी मृत्यु के बाद ताबूत में शव लौटा था। ग्रामीणों ने बेरोजगारी, रोजगार की कमी और उचित इलाज की उपलब्धता पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने पूछा कि 25 फीसदी खनिज संपदा वाले इस प्रदेश में युवाओं के लिए काम क्यों नहीं है और क्या यही हालत रही तो लगातार लोग अन्य राज्यों में काम के लिए जाएंगे और अपने परिवारों के लिए कभी लौटेंगे ही नहीं। स्थानीय नेता और ग्रामीण व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं कि सरकार इस पलायन व बेरोजगारी की समस्या के प्रति गंभीर पहल कब तक करेगी।

सिंहडीह में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

बोकारो : जिले के चास मुफ्फसिल थाना अंतर्गत सिंहडीह गांव में बुधवार को डालसा सेक्रेटरी व उनकी टीम के सहयोग से इंटेंसिव लीगल अवेयरनेस व आउटरीच कैंपेन के तहत एक विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में चास मुफ्फसिल थाना प्रभारी प्रकाश मंडल का पुष्प देकर स्वागत किया गया। थाना प्रभारी प्रकाश मंडल ने मौके पर ग्रामीणों को कानूनी सहायता से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ दीं। उन्होंने डायल 112, 108 और महिला हेल्पलाइन 1930 के उपयोग के बारे में बताया और साइबर क्राइम, पॉक्सो एक्ट तथा ट्रैफिक नियमों का पालन करने के बारे में विस्तृत निर्देश दिए। मंडल ने बताया कि कानून द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं और सहायता को जानना हर नागरिक का अधिकार है और किसी भी आपात स्थिति में उपर्युक्त नंबरों पर तुरंत संपर्क किया जाना चाहिए। प्रशासनिक और सामाजिक सुरक्षा संबंधी इन संदेशों से कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों में अच्छी-खासी जागरूकता दिखाई दी। डालसा सेक्रेटरी व उनकी टीम ने भी स्थानीय लोगों के प्रश्नों के जवाब दिए और उन्हें विधिक प्रक्रियाओं व सहायता के उपलब्ध माध्यमों के सम्बन्ध में मार्गदर्शन प्रदान किया। स्थानीय लोगों ने इस पहल को सराहनीय बताया और कहा कि ऐसे शिविरों से गांव स्तर पर कानून तथा सुरक्षा से जुड़ी जानकारी बढ़ेगी और नागरिकों का भरोसा मजबूत होगा। आयोजक टीम ने भविष्य में और भी इसी प्रकार के आउटरीच कार्यक्रम चलाने का आश्वासन दिया।

बोकारो के बालीडीह थाना क्षेत्र में चोरी का बड़ा खुलासा, 12 घंटे में आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो के बालीडीह थाना क्षेत्र स्थित रेलवे कॉलोनी क्वार्टरों में हुई चोरी की घटना का पुलिस ने 12 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। इस कार्रवाई में मुख्य आरोपी सहित कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है और चोरी का पूरा सामान बरामद कर लिया गया है।
घटना को लेकर स्थानीय निवासी बसंती देवी ने थाना बालीडीह में शिकायत दर्ज कराई थी कि पड़ोसन रिया मुखर्जी के बंद क्वार्टर का ताला तोड़कर चोरी की गई है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपाधीक्षक (मु.) पवन कुमार के नेतृत्व में विशेष एसआईटी टीम गठित की गई। टीम ने गुप्त सूचना और तकनीकी जांच के आधार पर तेजी से कार्रवाई करते हुए कुछ ही घंटों में आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी अमित कुमार सिंह है, जबकि अन्य आरोपी मदन कुमार भी पकड़ा गया है। दोनों का आपराधिक इतिहास भी बताया गया है। गिरफ्तारी के बाद उनकी निशानदेही पर चोरी किया गया सारा सामान बरामद कर लिया गया। बरामद सामानों में एचपी कंपनी का लैपटॉप, पंखे, प्लास्टिक कुर्सियां, साइकिल, स्टेबलाइजर, फोल्डिंग बेड, प्लास्टिक ड्रम, बैग और चोरी में इस्तेमाल किया गया लोहे का रॉड शामिल है। पुलिस ने बताया कि सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है और आगे की जांच जारी है। साथ ही आम जनता से संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की गई है।

अपहृत युवती मुंबई से सकुशल बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : गोमिया थाना क्षेत्र के पलिहारी गुरूडीह निवासी की लिखित शिकायत पर उनकी पुत्री के अपहरण मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए युवती को मुंबई से सकुशल बरामद कर लिया है। मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।
प्राप्त जानकारी के अनुसार, वादी ने अज्ञात अपराधियों द्वारा अपनी पुत्री के अपहरण किए जाने को लेकर गोमिया थाना में मामला दर्ज कराया था। कांड के अनुसंधान के दौरान पुलिस अधीक्षक बोकारो के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बेरमो-तेनुघाट के नेतृत्व में एक एसआईटी टीम का गठन किया गया। गुप्त सूचना एवं तकनीकी शाखा की सहायता से पुलिस को जानकारी मिली कि अपहृत युवती को मुंबई ले जाया गया है। इसके बाद पुलिस टीम मुंबई पहुंची और युवती को सकुशल बरामद कर लिया। साथ ही मामले में संलिप्त दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।
गिरफ्तार आरोपियों में जमकडीह निवासी 19 वर्षीय प्रिंस कुमार साव तथा देवीपुर निवासी 21 वर्षीय कुंदन कुमार शामिल हैं। दोनों गोमिया थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। छापेमारी दल में बिरसा बाड़ा, अरुण कुमार, सोनी कुमारी, विकास कुमार एवं तकनीकी शाखा बोकारो की टीम शामिल थी।

खान दुर्घटनाओं में मृत मजदूरों को भी मिले शहीद का दर्जा : राजाराम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : खान दुर्घटनाओं में लागतार मौतें हो रही है, बॉर्डर की रक्षा में मरने वाले सैनिकों को शहीद का शहीद का दर्जा मिलता है। देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में युद्ध की तरह विपरीत परिस्थितियों में काम करने वाले मजदूरों की मौत पर भी शहीद का दर्जा मिलना चाहिए। कारखानों और खदानों में लगातार दुर्घटनायें हो रही है। लेकिन दुर्घनाओं में मजदूरों के मरने की खबरें प्रमुख मीडिया की खबरें नहीं बन पाती है। सुरक्षा मानकों का घोर उल्लंघन हो रहा है। मुनाफा कमाने की नीति ही दुर्घटनाओं को जन्म दे रही है। मजदूरों के जान की कीमत पर उत्पादन का प्रतिरोध करना चाहिए उपरोक्त बाते काराकाट के भाकपा माले सांसद राजाराम सिंह ने आज कथारा के ऑफिसर्स कल्ब में कोल माइंस वर्कर्स यूनियन का

केंद्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने आगे कहा कि पूंजीवाद साम्राज्यवाद का रूप ले रहा है। जब प्राइवेट कंपनियों खुले रूप से ऐलान कर रहे हैं कि अब दिन में 8 घंटे नहीं साप्ताहिक 90 घंटे काम करना चाहिए, क्या काम के कानून रहते हुए इसके खिलाफ बयान देने वाले निजी कंपनियों पर केंद्र सरकार कार्रवाई करेगी। इस पर केंद्र की सत्ता मौन है।। हम मजदूरों के पक्ष में खड़े हैं। और सदन में मजदूर किसानों के पक्ष में आवाज उठाते रहेंगे। उन्होंने आगे कहा कि नक्सल वामपंथ की आलोचना करते करते हुए हमारे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी भगत सिंह और आंबेडकर की आलोचना शुरू कर दिए है।पर्यावरण सिर्फ किताबों का विषय नहीं है। यह सांस लेना और जीना दोनों दूभर कर सकता है। इसीलिए बड़कागांव के किसान अड़े हुए हैं। साथियों के संघर्ष को याद करते हुए उन्होंने आगे कहा कि पुराने लोगों की अधिक संख्या का मतलब यूनियन की उम्र बढ रही है ऐसे में यह तय करना लाजमी है कि नए सदस्यों को जोड़ना जरूरी है।

ब्रह्मर्षि परिवार बोकारो की मासिक बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : ब्रह्मर्षि परिवार बोकारो की मासिक बैठक रवीन्द्र नाथ टैगोर पब्लिक स्कूल, सेक्टर-9 ए, बोकारो में संपन्न हुई। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने संगठन को मजबूत एवं सशक्त बनाने के विभिन्न उपायों पर विस्तार से चर्चा की तथा अपना बहुमूल्य सुझाव दिया साथ ही समाजहित से जुड़े मुद्दों पर एकजुट होकर आवाज उठाने का निर्णय लिया।
बैठक में झारखंड सरकार द्वारा भोजपुरी, मगही एवं अंगिका भाषाओं को झारखंड टेट परीक्षा से हटाए जाने के निर्णय का जोरदार विरोध किया गया। इस संबंध में ब्रह्मर्षि परिवार बोकारो के एक प्रतिनिधिमंडल द्वारा राज्यपाल के नाम, डीसी को ज्ञापन सौंपने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।
इसके साथ ही ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र बनाने में चास सीओ द्वारा की जा रही कथित मनमानी का भी सदस्यों ने विरोध किया तथा प्रशासन से पारदर्शी एवं न्यायसंगत व्यवस्था लागू करने की मांग की। बैठक में स्वामी सहजानंद सरस्वती बीएड कॉलेज में हो रही कथित अनियमितताओं पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की गई। उपस्थित सदस्यों ने एक स्वर में कहा कि इस प्रकार की अनियमितताएं समाज के लिए अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं चिंताजनक हैं। स्वामी सहजानंद सेवा समाज का चुनाव 2012 के बाद नहीं हुआ जबकि उप नियम के अनुसार तीन साल पर चुनाव होना चाहिए। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने समाज की एकता, शिक्षा एवं अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करने का संकल्प लिया। आगामी बैठक जून के अंतिम रविवार को जनवृत 8 में करने का निर्णय लिया गया जिसमे संस्था के निबंधन और पदधिकारियों का चयन किया जायेगा।
इस बैठक में मुख्य रूप से आयोजक मंडल के वरिष्ठ सदस्य कमलेश राय, नग नारायण प्रसाद शाही, डॉ. एन. के. राय, अनुरंजन शर्मा, पियूष राय, संजय कुमार, संतोष कुमार चौधरी, सुशील ठाकुर, एस. एन. शर्मा, गुड्डू कुमार, छोटू कुमार, अनिल कुमार, अनिल पांडेय, अवनीत कुमार राज, सर्वेश कुमार चौधरी, बैजनाथ प्रसाद शर्मा,सुधीर कुमार दिनदयाल शर्मा, मंटुन सिंह, मिथलेश पांडे, रणवीर सिंह, साधु शरण सिंह, विकास ठाकुर, प्रमोद कुमार सिंह, मधुसूदन मिश्रा, रामबिलास सिंह, रविंद्र कुमार, संजय कुमार, नवलेश कुमार, मनोरंजन कुमार, गोपी किशन आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

अभिवंचित वर्ग के बच्चों में शिक्षा का अलख जगा रहा डीपीएस का 'दीपांश'

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : समाज के अभिवंचित वर्ग के बच्चों को निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से डीपीएस बोकारो की ओर से संचालित विशेष विद्यालय 'दीपांश शिक्षा केंद्र' के कक्षा एक के विद्यार्थियों में स्कूल बैग के साथ किताबें और स्टेशनरी किट का वितरण किया गया। प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने सोमवार को एक विशेष कार्यक्रम के दौरान उन नन्हे विद्यार्थियों के बीच इनका वितरण किया। यह उपहार पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। उनकी प्रसन्नता देखते ही बन रही थी। इस अवसर पर प्राचार्य ने विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई करने, अपने शिक्षकों, माता-पिता व श्रेष्ठजनों का सदैव सम्मान करने तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। उन्होंने बच्चों को मोबाइल से दूर रहते हुए नियमित योगाभ्यास आदि करने की प्रेरणा दी। यह भी कहा कि बच्चे अच्छा काम करें और हमेशा जहां तक हो सके, दूसरों की मदद करें। बच्चों को असफलता से निराश होने की बजाय, सीख लेने की प्रेरणा देते हुए उन्होंने कहा कि हरेक बच्चा अपने-आप में प्रतिभावान होता है। बच्चे दूसरों से अपनी तुलना न करें। दीपांश शिक्षा केन्द्र की प्रभारी एवं डीपीएस बोकारो की हेडमिस्ट्रेस डॉ. सरिता गंगवार ने बताया कि लगभग ढाई दशक से इस निःशुल्क विद्यालय के जरिए आर्थिक रूप से प्रभावित बच्चों के बीच शिक्षा का अलख जगाकर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का सद्प्रयास किया जा रहा है।

जीएनआईओटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस ग्रेटर नोएडा द्वारा भव्य शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जीएनआईओटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस ग्रेटर नोएडा द्वारा कोडरमा में भव्य शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को सम्मानित करना तथा समाज में शिक्षा के महत्व को और अधिक सशक्त बनाना था। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विद्यालयों, कोचिंग संस्थानों एवं शैक्षणिक संगठनों से जुड़े शिक्षकों, निदेशकों एवं शिक्षाविदों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं स्वागत भाषण के साथ हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथियों एवं शिक्षाविदों ने शिक्षा को समाज निर्माण

की सबसे महत्वपूर्ण शक्ति बताते हुए शिक्षकों की भूमिका की सराहना की। इस अवसर पर जीएनआईओटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के प्रतिनिधियों ने संस्थान की शैक्षणिक उपलब्धियों, आधुनिक शिक्षा प्रणाली एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को साझा किया।कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। उपस्थित शिक्षकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन शिक्षकों के मनोबल को बढ़ाने के साथ-साथ शिक्षा क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करते हैं। समारोह में शिक्षा जगत से जुड़े कई प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर जीएनआईओटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के सीईओ स्वदेश कुमार सिंह ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में शिक्षा केवल रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण एवं सामाजिक मूल्यों को विकसित करने का आधार है। उन्होंने कहा कि संस्थान का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों एवं नेतृत्व क्षमता से भी सशक्त बनाना है। उन्होंने आगे कहा कि जीएनआईओटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस पिछले कई वर्षों से तकनीकी एवं प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है तथा विद्यार्थियों को उद्योग आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। संस्थान आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, अनुभवी फैकल्टी एवं उद्योग से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों को बेहतर भविष्य देने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं उपस्थित गणमान्य लोगों का धन्यवाद ज्ञापन किया गया। समारोह का वातावरण उत्साह, सम्मान एवं शिक्षा के प्रति समर्पण की भावना से परिपूर्ण रहा। इस आयोजन ने शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षकों के योगदान को नई पहचान देने का कार्य किया तथा समाज में शिक्षा के महत्व को और अधिक मजबूत करने का संदेश दिया।

संक्षिप्त खबरें

प्रसिद्ध ध्रुपद धमार गायक शैलेन्द्र कुमार पाठक को मिला झारखंड रत्न

बोकारो : प्रसिद्ध तबला वादक पं राम वचन पाठक के भतीजे व वरिष्ठ संगीतज्ञ पं कृष्ण मोहन पाठक के सुपुत्र प्रसिद्ध ध्रुपद धमार गायक शैलेन्द्र कुमार पाठक को वर्ष 2026 के झारखंड रत्न सम्मान से नवाजा गया है। उन्हें यह सम्मान ध्रुपद धमार गायन के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए 23 मई को रांची में आयोजित लोक सेवा समिति के 35वें वार्षिकोत्सव समारोह में मुख्य अतिथि बंधु तिर्की ने प्रदान किया गया। श्री तिर्की ने संगीत के क्षेत्र में श्री पाठक के योगदान की सराहना की। इस अवसर पर लोक सेवा समिति के केंद्रीय अध्यक्ष मोहम्मद नौशाद खान, चयन समिति के संयोजक व वरिष्ठ पत्रकार चंचल भट्टाचार्य सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सखी वन स्टॉप सेंटर कोडरमा में महावारी दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कोडरमा : महावारी दिवस के अवसर पर सखी वन स्टॉप सेंटर, कोडरमा में महिलाओं एवं बालिकाओं के बीच जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं एवं किशोरियों को मासिक धर्म स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया तथा स्वास्थ्य के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में बताया गया कि महिलाओं के कंधों पर घर की जिम्मेदारियों के साथ-साथ बाहरी कार्यों की भी अहम जिम्मेदारी होती है। ऐसे में स्वास्थ्य के प्रति छोटी सी लापरवाही कई गंभीर बीमारियों को जन्म दे सकती है। इसलिए महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने एवं नियमित स्वच्छता अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी महिलाओं के बीच सैनिटरी नैपकिन का वितरण किया गया तथा उन्हें स्वयं के साथ-साथ अपने परिवार की अन्य महिलाओं एवं बालिकाओं को भी उत्तम गुणवत्ता वाले सैनिटरी नैपकिन के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी रेखा रानी एवं केंद्र प्रशासक अर्चना ज्वाला उपस्थित रहीं।

वार्ड नंबर 14 में सब्जी मार्केट निर्माण को लेकर फैलाई जा रही अफवाहें भ्रामक : अजय कुमार

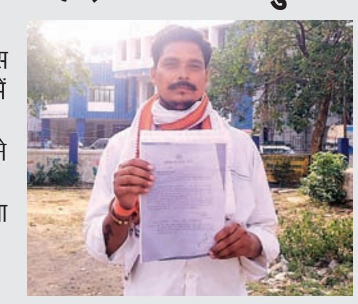

कोडरमा : अजय कुमार ने बताया कि सुधा स्वीट्स के सामने वार्ड नंबर 14 में सब्जी मार्केट का निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह योजना वर्ष 2023 की स्वीकृत योजना है, जिसे सभी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि कोडरमा सीओ द्वारा दो से तीन स्थानों का निरीक्षण एवं वैरिफिकेशन करने के बाद वार्ड नंबर 14 के उक्त स्थल को अंतिम रूप से चयनित किया गया। इसके बाद बाल विकास केंद्रीय मंत्री द्वारा विधिवत शिलान्यास भी किया गया था। अजय कुमार ने कहा कि कुछ लोगों द्वारा यह अफवाह फैलाई जा रही है कि यहां मीट एवं मछली की बिक्री की जाएगी, जबकि यह पूरी तरह गलत और भ्रामक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यहां केवल सब्जी मार्केट बनाया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि योजना से संबंधित भुगतान की प्रक्रिया भी पूरी की जा चुकी है। साथ ही लोगों से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और क्षेत्र के विकास कार्यों में सहयोग करें।

दहकते अंगारों पर चली आस्था, कुरसे के मंडा महापर्व में उमड़ा जनसैलाब

रामगढ़ : भदानीनगर क्षेत्र स्थित कुरसे शिव मंदिर में भगवान शिव, माता पार्वती और प्रकृति के प्रति समर्पित आस्था का महापर्व मंडा पूरे धार्मिक उल्लास और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुआ। कई दिनों तक चले इस धार्मिक आयोजन में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में डूबा नजर आया। मंडा महापर्व की शुरूआत 14 मई को मंडा पूजा जगाने के साथ हुई। इसके बाद 18 मई को पटभंगी और पाठ विवाह, 23 मई को लोटन सेवा तथा 24 मई की रात्रि से 25 मई दोपहर तक मंडा पूजा सह भव्य मेले का आयोजन किया गया। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में भक्ति, श्रद्धा और परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिला। पूजा संपन्न होने के बाद श्रद्धालुओं ने नंगे पांव दहकते अंगारों पर चलकर भगवान शिव के प्रति अपनी गहरी आस्था प्रकट की। वहीं कई भक्तों ने पीठ में कील लगाकर पारंपरिक बनस झूला अनुष्ठान में हिस्सा लिया। यह दृश्य देखने के लिए दूर-दराज से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। धार्मिक अनुष्ठानों ने लोगों को भावुक और श्रद्धामय वातावरण से जोड़ दिया। मंडा पूजा के अवसर पर आयोजित मेले में लोगों ने जमकर खरीदारी की और पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद लिया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने मेले का भरपूर आनंद उठाया। मेले का उद्घाटन विधायक रोशन लाल चौधरी, पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष मनोज राम और मुखिया संदीप उरांव ने संयुक्त रूप से किया। आयोजन को सफल बनाने में रामदास बेदिया, वीरेंद्र यादव, जयदेव सिंह, जनार्धन मुंडा, कार्तिक मुंडा, राणा प्रताप सिंह, फुलेश्वर राम, राजकुमार साहू, जयलाल सिंह, राजेश्वर कपूर सिंह, पंकज सिंह, सहदेव ठाकुर, छक्कन यादव, परमबीर सिंह, पवन मुंडा, गोपाल करमाली, हरिचरण करमाली, दिलीप करमाली, मुकेश सिंह, राजेंद्र तुरी, सुरेश प्रजापति, दीपक सिंह, सन्नी सिंह, समबीर सिंह, बिलेन्द्र मुंडा, पूरन बेदिया, बालगोविंद करमाली, वकील करमाली, सिद्धार्थ करमाली, लक्ष्मण करमाली, टूरका करमाली, लोकनाथ करमाली, हीरालाल करमाली, बंधन मुंडा, छोटू प्रजापति उर्फ भगत और कमलेश ठाकुर सहित कई लोगों की सक्रिय भूमिका रही।

उद्योग नीति में बदलाव, नई टाउनशिप और सुरक्षा: मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का बड़ा ऐलान

पटना (एजेंसी) मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिया है कि वे प्रत्येक तीन महीने में जिला स्तर पर व्यवसायियों के साथ नियमित बैठक करें. उन्होंने कहा कि व्यवसायियों की सुरक्षा या अन्य किसी भी समस्या का त्वरित समाधान किया जाएगा. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिया है कि वे प्रत्येक तीन महीने में जिला स्तर पर व्यवसायियों के साथ नियमित बैठक करें. उन्होंने कहा कि व्यवसायियों की सुरक्षा या अन्य किसी भी समस्या का त्वरित समाधान किया जाएगा. यदि इंडस्ट्री पॉलिसी में सुधार की आवश्यकता होगी, तो उसमें भी बदलाव किया जाएगा. मुख्यमंत्री ने कहा कि पाटलिपुत्र औद्योगिक क्षेत्र या पुराने शहरों में उपलब्ध जमीन के आधार पर व्यवसाय की प्रकृति बदली जा सकती है. इन क्षेत्रों का उपयोग सर्विस सेक्टर, आईटी सेक्टर, होटल उद्योग सहित अन्य क्षेत्रों के विकास के लिए किया जा सकता है. व्यावसायिक समागम कार्यक्रम में बोले मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री रविवार को पटना में बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित व्यावसायिक समागम कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे. कार्यक्रम की थीम ह्वव्यवसाय, राजनीति और विकासह्व थी. इस अवसर पर बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष पीके अग्रवाल ने भी अपने विचार रखे. उद्योग नीति में बदलाव के लिए सुझाव आमंत्रित मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार ने देश की शीर्ष 10 उद्योग नीतियों में स्थान बनाया है, लेकिन इसके अनुरूप अब तक पर्याप्त उद्योग स्थापित नहीं हो सके हैं और निवेश भी अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाया है. उन्होंने बताया कि बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति वर्ष 2016 में लागू की गई थी, जिसे वर्ष 2025 में नए पैकेज के रूप में विस्तारित किया गया. यदि उद्योग नीति में किसी प्रकार के बदलाव की आवश्यकता हो, तो बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का प्रतिनिधिमंडल उद्योग मंत्री से मिलकर सुझाव दे सकता है. सरकार व्यवसायियों के सुझावों के आधार पर ही नीति तैयार करेगी, ताकि वह केवल कागजों तक सीमित न रहकर धरातल पर भी प्रभावी रूप से लागू हो सके. ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप विकसित करने की योजना मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में साढ़े छह लाख एकड़ जमीन पर नई ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप विकसित की जाएगी. इस परियोजना पर लगभग छह लाख करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा. उन्होंने यह भी कहा कि बंद पड़ी चीनी मिलों को पुनर्जीवित करने के लिए उन्हें को-ऑपरेटिव सेक्टर से जोड़ा जा रहा है. बिहार 14 करोड़ लोगों का बड़ा बाजार है, जिसका लाभ उद्योगों को मिल सकता है. उन्होंने कहा कि बीसीसीआई (BCCI) से आग्रह किया जाएगा कि बिहार में भी एक आईपीएल टीम बनाई जाए, ताकि यहां के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल सके. अपराध पर 24 घंटे के भीतर कार्रवाई मुख्यमंत्री ने कहा कि अब बिहार में कहीं भी अपराध होने पर प्राथमिकता के आधार पर 24 घंटे के भीतर कार्रवाई की जाती है. उन्होंने स्पष्ट कहा कि कोई भी व्यक्ति कानून को अपने हाथ में नहीं ले सकता. अपराधी की कोई जाति या धर्म नहीं होता. राघोपुर ब्रिज का अगले महीने होगा उद्घाटन मुख्यमंत्री ने बताया कि राघोपुर ब्रिज का उद्घाटन अगले महीने प्रधानमंत्री या गृह मंत्री द्वारा किए जाने की तैयारी चल रही है.

आरा में स्कूल बस ने एएसआई को रौंदा, इलाज के दौरान मौत; चालक फरार

पटना (एजेंसी) आरा में बाईपास रोड पर सोमवार सुबह एक प्राइवेट स्कूल बस ने बाइक सवार स्पेशल ब्रांच के एएसआई को कुचल दिया. गंभीर रूप से घायल एएसआई की अस्पताल ले जाने के दौरान मौत हो गई. (वसीम) आरा शहर के टाउन थाना क्षेत्र अंतर्गत बाईपास रोड स्थित इंदू तपेश्वर महिला कॉलेज के समीप एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ. तेज रफ्तार प्राइवेट स्कूल बस ने बाइक सवार स्पेशल ब्रांच के एएसआई को रौंद दिया, जिससे उनकी मौत हो गई. अस्पताल ले जाने के दौरान तोड़ा दम हादसे के बाद स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई. आसपास मौजूद लोगों ने गंभीर रूप से घायल पुलिस अधिकारी को तुरंत इलाज के लिए सदर अस्पताल आरा पहुंचाने का प्रयास किया, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया. डॉक्टरों ने अस्पताल पहुंचने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया. मृतक की पहचान मृतक की पहचान राजीव रंजन उर्फ गोल्डी के रूप में हुई है. वह भोजपुर जिले के आयर थाना क्षेत्र के बलिगांव गांव वार्ड नंबर 9 निवासी थे. उनके पिता राम लायक सिंह हैं. बताया जा रहा है कि राजीव रंजन बिहार पुलिस की स्पेशल ब्रांच में एएसआई के पद पर कार्यरत थे और वर्तमान में पटना में पदस्थापित थे. सत्यनारायण कार्यक्रम से लौट रहे थे मृतक के रिश्तेदार अनिल कुमार सिंह ने बताया कि परिवार में उनके दादा का निधन हो गया था. सोमवार को घर में सत्यनारायण पूजा का कार्यक्रम था. कार्यक्रम समाप्त होने के बाद राजीव रंजन बाइक से पटना ड्यूटी के लिए निकल रहे थे.इसी दौरान इंदू तपेश्वर महिला कॉलेज के समीप तेज रफ्तार स्कूल बस ने उन्हें कुचल दिया. चालक बस छोड़कर फरारहादसे के बाद बस चालक मौके से भागने लगा और प्राइवेट बस स्टैंड के पास स्कूल बस छोड़कर फरार हो गया. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की. पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया घटना की सूचना मिलते ही परिजन सदर अस्पताल पहुंचे. पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर उसे परिजनों को सौंप दिया। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है. पुलिस कर रही जांच पुलिस ने स्कूल बस को जब्त कर लिया है और फरार चालक की तलाश में छापेमारी शुरू कर दी है. घटना को लेकर इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल बना हुआ है.

संक्षिप्त डायरी

पटना में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बड़ी बढ़ोतरी, परिवहन और महंगाई पर पड़ेगा असर

पटना (एजेंसी) राजधानी पटना में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में एक बार फिर उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे आम लोगों की चिंता बढ़ गई है. नई दरों के अनुसार डीजल की कीमत 96.53 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 99.36 रुपये प्रति लीटर हो गई है। इस तरह डीजल पर 2.83 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई है. (सुबोध कुमार नंदन) राजधानी पटना में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में एक बार फिर उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे आम लोगों की चिंता बढ़ गई है. नई दरों के अनुसार डीजल की कीमत 96.53 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 99.36 रुपये प्रति लीटर हो गई है। इस तरह डीजल पर 2.83 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई है. वहीं, पेट्रोल की कीमत 110.47 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 113.35 रुपये प्रति लीटर पहुंच गई है. यानी पेट्रोल 2.88 रुपये प्रति लीटर महंगा हो गया है. आम लोगों और परिवहन क्षेत्र पर पड़ेगा असर इस संबंध में जानकारी बिहार पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के महासचिव विजेंद्र कुमार सिन्हा ने दी. उन्होंने बताया कि ईंधन की कीमतों में अचानक हुई इस वृद्धि का सीधा असर आम उपभोक्ताओं, वाहन चालकों और परिवहन क्षेत्र पर पड़ेगा. उन्होंने कहा कि माल ढुलाई की लागत बढ़ने से रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं के दाम भी बढ़ सकते हैं, जिससे बाजार में महंगाई बढ़ने की आशंका है. टैक्सी, ऑटो और बस संचालकों पर बढ़ेगा दबाव विजेंद्र कुमार सिन्हा ने कहा कि लगातार बढ़ती ईंधन कीमतों से टैक्सी, ऑटो और बस संचालकों पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव पड़ेगा. वहीं निजी वाहन इस्तेमाल करने वाले लोगों का मासिक खर्च भी बढ़ जाएगा. व्यवसायियों का मानना है कि पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि का असर जल्द ही बाजार में महंगाई के रूप में देखने को मिल सकता है. आम लोगों ने सरकार से ईंधन कीमतों पर राहत देने की मांग की है.

पटना में मेनहोल सफाई के लिए आएंगी मशीनें, व्यवस्था को हाईटेक बना रहा नगर निगम

पटना (एजेंसी) पटना नगर निगम शहर में मैनहोल और सीवर की सफाई व्यवस्था को आधुनिक बनाने की तैयारी कर रहा है. इसके तहत अब सफाई कर्मचारियों को जहरीले मैनहोल और सीवर में उतरकर सफाई नहीं करनी पड़ेगी. शहर में मेनहोल और सीवर की सफाई व्यवस्था को आधुनिक बनाने की तैयारी कर रहा है.इसके तहत अब सफाई कर्मचारियों को जहरीले मैनहोल और सीवर में उतरकर सफाई नहीं करनी पड़ेगी. नगर निगम छह मेनहोल स्कैवेंजर मशीन खरीदने जा रहा है, जिन्हें सभी अंचलों में एक-एक करके लगाया जाएगा. इन मशीनों के जरिए मेनहोल की सफाई सुरक्षित और तकनीक आधारित तरीके से की जाएगी. इनकी खरीद भारत सरकार के गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (GeM) पोर्टल के माध्यम से की जाएगी. इन स्कैवेंजर मशीनों में कैमरे और सेंसर लगे होंगे, जो सीवर के अंदर की स्थिति और जहरीली गैसों का पता लगाएंगे. इनमें लगे रोबोटिक हाथ इंसानी हाथों की तरह काम करेंगे और मेनहोल के अंदर जमा कचरे को बाहर निकालेंगे। इससे सफाई कर्मियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी. मानसून के लिए भी आधुनिक मशीनों की खरीद सफाईकर्मी नगर निगम मानसून को देखते हुए 20 इलेक्ट्रिक वुड कटर और 20 कंक्रीट ब्रेकर मशीन भी खरीदने की तैयारी में है. हाल ही में हुई बारिश के दौरान कई स्थानों पर पेड़ गिरने से लोगों को परेशानी हुई थी. ऐसे में ये मशीनें सभी अंचलों में उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि आपात स्थिति में तुरंत पेड़ हटाने और सड़क साफ करने का काम तेजी से किया जा सके.

ऑटो चालकों द्वारा भाड़ा वृद्धि की घोषणा की तैयारी

पटना (एजेंसी) ऑटो चालक सोमवार को भाड़ा वृद्धि की घोषणा करने जा रहे हैं. रविवार को दीघा आशियाना, दीघा-खगौल और बेली रोड सहित विभिन्न रूटों के ऑटो चालकों ने बैठक की. बैठक में लंबे समय से भाड़ा वृद्धि नहीं होने का हवाला देते हुए किराया बढ़ाने का निर्णय लिया गया. ऑटो चालक सोमवार को भाड़ा वृद्धि की घोषणा करने जा रहे हैं. रविवार को दीघा आशियाना, दीघा-खगौल और बेली रोड सहित विभिन्न रूटों के ऑटो चालकों ने बैठक की. बैठक में लंबे समय से भाड़ा वृद्धि नहीं होने का हवाला देते हुए किराया बढ़ाने का निर्णय लिया गया. हालांकि, नई दरों पर अंतिम सहमति नहीं बन सकी, जिसके कारण सोमवार को अलग-अलग संगठनों की संयुक्त बैठक कर अंतिम निर्णय लेने पर सहमति बनी. 20 से 25 प्रतिशत किराया वृद्धि का प्रस्ताव ऑल इंडिया रोड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स फेडरेशन के प्रांतीय महासचिव राजकुमार झा ने बताया कि सोमवार को इस संबंध में अंतिम निर्णय लिया जाएगा और रूटवार नई दरों की घोषणा की जाएगी. उन्होंने कहा कि आरटीए सचिव से मिलकर विभिन्न रूटों पर 20 से 25 प्रतिशत तक किराया वृद्धि का प्रस्ताव दिया जाएगा. निजी बस ऑपरेटरों की भी बैठक प्रस्तावित बिहार मोटर ट्रांसपोर्ट फेडरेशन के प्रमंडलीय अध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि रविवार को निजी बस ऑपरेटरों की बैठक नहीं हो सकी. अब अगले एक-दो दिनों में बड़ी बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें किराया वृद्धि पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा. उन्होंने कहा कि आपसी बातचीत में लगभग 15 प्रतिशत किराया वृद्धि पर बस ऑपरेटरों के बीच पहले ही सहमति बन चुकी है.

अमृत भारत, गरीब नवाज और अमरनाथ एक्सप्रेस अब इस रूट से चलेगी, आनंद विहार-मुजफ्फरपुर समर स्पेशल भी शुरू

पटना (एजेंसी) पूर्णिया और आसपास के रेल यात्रियों के लिए बड़ी राहत की खबर है. रेलवे ने राजधानी एक्सप्रेस समेत कई लंबी दूरी की ट्रेनों का रूट बदल दिया है. अब ये ट्रेनें पूर्णिया जंक्शन होकर गुजरेंगी और यहां रुकेंगी भी. इसके अलावा यात्रियों की सुविधा के लिए समर स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला लिया गया है. डिब्रूगढ़-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस समेत करीब एक दर्जन लंबी दूरी की ट्रेनें पूर्णिया जंक्शन होकर गुजरेंगी. इससे यात्रियों को दिल्ली, कामाख्या और दूसरे बड़े शहरों की ट्रेन पकड़ने के लिए कटिहार जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी. हालांकि यह व्यवस्था फिलहाल अस्थायी होगी, लेकिन पूर्णिया जंक्शन पर राजधानी एक्सप्रेस का ठहराव यात्रियों के लिए बड़ी सुविधा मानी जा रही है. रेलवे सूत्रों के अनुसार 7 जून से इन ट्रेनों का परिचालन बदले हुए रूट से शुरू किया जाएगा. इससे पूर्णिया, अररिया, किशनगंज और आसपास के इलाकों के यात्रियों को काफी राहत मिलेगी. दोहरीकरण कार्य की वजह से बदला गया रूट कटिहार-बारसोई रेलखंड पर दंडखोरा से सुनौली और मनिया से कुरैठा के बीच रेलवे लाइन दोहरीकरण और तकनीकी काम चल रहा है. इसी वजह से रेलवे ने कई ट्रेनों का रूट बदलने का फैसला लिया है. अब ये ट्रेनें कटिहार की बजाय पूर्णिया, अररिया और ठाकुरगंज होकर गुजरेंगी. इस दौरान पूर्णिया जंक्शन और ठाकुरगंज स्टेशन पर कई महत्वपूर्ण ट्रेनों का ठहराव भी होगा. इन ट्रेनों का होगा ठहराव पूर्णिया जंक्शन पर जिन प्रमुख ट्रेनों का ठहराव होगा उनमें कामाख्या अमृत भारत एक्सप्रेस, कामाख्या एक्सप्रेस, अलीपुरद्वार अमृत भारत एक्सप्रेस, गरीब नवाज एक्सप्रेस, लोहित एक्सप्रेस, अमरनाथ एक्सप्रेस, डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस, भगत की कोठी एक्सप्रेस, अरुणाचल एसी स्पेशल, डिब्रूगढ़ राजधानी एक्सप्रेस और नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस शामिल हैं. स्टेशन पर बढ़ेगा यात्रियों का दबाव इन ट्रेनों के आने से पूर्णिया जंक्शन पर यात्रियों की संख्या बढ़ेगी. साथ ही रेल कर्मचारियों का काम भी बढ़ सकता है.

पटना में बच्चों का अपना बैंक बना आकर्षण का केंद्र, गुल्लक सिखा रहा बचत और जिम्मेदारी का पाठ

पटना (एजेंसी) राजधानी पटना के किलकारी बाल भवन में बच्चों द्वारा संचालित गुल्लक बच्चा बैंक इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है. राजधानी पटना के किलकारी बाल भवन में बच्चों द्वारा संचालित ह्वगुल्लक बच्चा बैंकह्व इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है. यह अनोखी पहल बच्चों को कम उम्र से ही बचत और बैंकिंग की समझ देने का काम कर रही है. खास बात यह है कि इस बैंक का संचालन भी बच्चे ही करते हैं, जिससे उनमें आत्मविश्वास, जिम्मेदारी और नेतृत्व क्षमता विकसित हो रही है. 659 खाते और 9 लाख की जमा राशि, बच्चों की बचत ने सबको किया हैरान गुल्लक बच्चा बैंक में अब तक 659 खाते खोले जा चुके हैं, जिनमें करीब 9 लाख रुपये जमा हैं. यहां 8 से 16 वर्ष तक के बच्चे आसानी से अपना खाता खुलवा सकते हैं. बच्चे अपनी पॉकेट मनी और छोटी-छोटी बचत को जमा कर भविष्य के लिए पैसे बचाने की आदत सीख रहे हैं. बैंकिंग की बुनियादी जानकारी भी मिल रही किलकारी बाल भवन की यह पहल बच्चों को आर्थिक रूप से जागरूक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है. बैंक के माध्यम से बच्चों को जमा, निकासी और खातों के संचालन जैसी बुनियादी बैंकिंग प्रक्रियाओं की जानकारी भी दी जाती है. इससे बच्चे व्यवहारिक रूप से बैंकिंग प्रणाली को समझ पा रहे हैं. अभिभावक भी कर रहे सराहना, बच्चों में बढ़ रही अनुशासन और समझदारी इस पहल को लेकर अभिभावकों में भी उत्साह देखा जा रहा है. उनका कहना है कि गुल्लक बच्चा बैंक से बच्चों में अनुशासन, आत्मनिर्भरता और पैसों के सही उपयोग की समझ विकसित हो रही है. यही कारण है कि यह पहल अब दूसरे बच्चों और अभिभावकों के लिए भी प्रेरणा बनती जा रही है.

पशुओं के प्रति क्रूरता बंद हो, गांधी मैदान में जुटे पशु अधिकार कार्यकर्ता

पटना (एजेंसी) त्योहारों के सीजन से ठीक पहले राजधानी पटना के गांधी मैदान में पशु अधिकार कार्यकताओं और पर्यावरण प्रेमियों ने मूक पशुओं के खिलाफ होने वाली क्रूरता के विरोध में शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया. (हिमांशु देव) त्योहारों के सीजन से ठीक पहले राजधानी पटना के गांधी मैदान में पशु अधिकार कार्यकताओं और पर्यावरण प्रेमियों ने मूक पशुओं के खिलाफ होने वाली क्रूरता के विरोध में शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया. इस सभा का मुख्य उद्देश्य किसी विशेष धर्म, त्योहार या परंपरा का विरोध करना नहीं, बल्कि हर क्षेत्र और उद्योग में जानवरों के साथ होने वाले शोषण और हिंसा को पूरी तरह बंद करने की मांग करना था. प्रदर्शनकारियों ने हाथों में पशु शोषण बंद हो रक्तपात रोकें और कुबार्नी नहीं, इंसानियत चुनें जैसे नारों वाली तख्तियां ले रखी थीं. कार्यकताओं ने कहा कि सभी त्योहार बिना किसी निर्दोष जीव को नुकसान पहुंचाए भी खुशी और पवित्रता के साथ मनाए जा सकते हैं. किसी धर्म या त्योहार का विरोध नहीं : ऋषिका प्रदर्शन में शामिल प्रमुख कार्यकर्ता ऋषिका ने स्पष्ट कहा कि इस अभियान का उद्देश्य किसी धर्म या त्योहार की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं है. उन्होंने कहा कि उनका विरोध हर तरह के पशु शोषण से है, चाहे वह मांस उद्योग हो, डेयरी उत्पाद, अंडे, शहद या फिर दवाओं के परीक्षण के लिए पशुओं पर किए जाने वाले प्रयोग. उन्होंने कहा, जानवर भी संवेदनशील होते हैं और उन्हें भी दर्द महसूस होता है. किसी भी बेजुबान की जान लेना सही नहीं ठहराया जा सकता. डेयरी और मांस उद्योग को भी बताया क्रूरता का हिस्सा वहीं, कार्यकर्ता आशीष ने कहा कि समाज में यह धारणा गलत है कि पशु अधिकार कार्यकर्ता केवल त्योहारों के दौरान होने वाली बलि का विरोध करते हैं. उन्होंने कहा कि डेयरी और अन्य पशु उत्पादों का उपयोग करने वाले लोग भी अनजाने में इस क्रूरता का हिस्सा बनते हैं. आशीष ने कहा, दूध और डेयरी उत्पादों का सेवन हर वर्ग के लोग करते हैं, लेकिन इसके पीछे पशुओं के शोषण को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. हर स्तर पर पशुओं के प्रति हिंसा और अत्याचार को रोकना जरूरी है. सामाजिक न्याय से जोड़ी मुहिम अमजोर चंद्रन ने इस अभियान को सामाजिक न्याय और संवेदनशीलता से जोड़ते हुए कहा कि जब इंसान बिना पशु उत्पादों के भी स्वस्थ जीवन जी सकता है, तो फिर बेजुबानों की हत्या और शोषण का कोई औचित्य नहीं बचता. उन्होंने लोगों से करुणा और इंसानियत को अपनाने की अपील की.

नालंदा के बिंद में अवैध मिट्टी खनन पर बड़ी रेड, पुलिस पहुंचते ही जेसीबी छोड़ भागे चालक

पटना (एजेंसी) नालंदा जिले के बिंद थाना क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है. खनन विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने रविवार देर शाम बगुलवा टाल इलाके में छापेमारी कर दो जेसीबी मशीन जब्त की हैं. कार्रवाई के दौरान चालक पुलिस को देखते ही वाहन छोड़कर फरार हो गए. इस छापेमारी के बाद अवैध खनन कारोबारियों में हड़कंप मच गया है. (मुकुल नाथ सिन्हा) नालंदा जिले के बिंद थाना क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है. खनन विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने रविवार देर शाम बगुलवा टाल इलाके में छापेमारी कर दो जेसीबी मशीन जब्त की हैं. कार्रवाई के दौरान चालक पुलिस को देखते ही वाहन छोड़कर फरार हो गए. इस छापेमारी के बाद अवैध खनन कारोबारियों में हड़कंप मच गया है. गुप्त सूचना पर हुई ताबड़तोड़ कार्रवाई खनन विभाग को लंबे समय से बगुलवा टाल इलाके में अवैध मिट्टी खनन की शिकायत मिल रही थी. इसी सूचना के आधार पर खनन निरीक्षक मोहम्मद अरमान राइन के नेतृत्व में बिंद थाना पुलिस के साथ संयुक्त छापेमारी अभियान चलाया गया. गहरी खुदाई देख अधिकारी भी चौंकि टीम जब मौके पर पहुंची तो वहां दो जेसीबी मशीनों से बड़े पैमाने पर मिट्टी की खुदाई की जा रही थी. जांच के दौरान खनन स्थल की गहराई करीब 10 फीट पाई गई. अधिकारियों के अनुसार यह स्पष्ट संकेत है कि इलाके में लंबे समय से अवैध उत्खनन किया जा रहा था. पुलिस को देखते ही चालक फरार छापेमारी के दौरान पुलिस और खनन विभाग की गाड़ियों को देखते ही दोनों जेसीबी चालक मशीन छोड़कर भाग निकले. बताया जा रहा है कि एक ट्रैक्टर भी मौके से फरार हो गया. काफी खोजबीन के बावजूद चालकों की पहचान नहीं हो सकी. नहीं दिखा सके कोई वैध कागजात मौके पर मौजूद लोगों से पूछताछ की गई, लेकिन किसी के पास वैध खनन परमिट या परिवहन चालान नहीं मिला. अधिकारियों ने बताया कि बिना अनुमति मिट्टी की खुदाई और बिक्री कर सरकार को भारी राजस्व नुकसान पहुंचाया जा रहा था. जेसीबी जब्त, एफआईआर की तैयारी खनन विभाग ने दोनों जब्त जेसीबी मशीनों को बिंद थाना लाकर जब्ती सूची तैयार की है.

कैमूर में शराब तस्करों पर पुलिस का शिकंजा, तीन बाइक सवारों से 166 बोतल जब्त ; 4 तस्कर गिरफ्तार

पटना (एजेंसी) कैमूर में पुलिस ने जीटी रोड पर कार्रवाई करते हुए तीन बाइक सवारों के पास से 166 बोतल शराब बरामद की. मामले में चार शराब तस्करों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है. (मैनुद्दीन शाह) कैमूर जिले के कर्मनाशा क्षेत्र में शराब तस्करी के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. दुर्गावती थाना पुलिस ने रविवार रात जीटी रोड पर छापेमारी कर तीन बाइक सवारों के पास से 166 बोतल शराब बरामद की है. इस कार्रवाई में चार शराब तस्करों को गिरफ्तार किया गया है. यूपी से शराब लेकर आ रहे थे तस्कर पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि उत्तर प्रदेश से शराब लेकर कुछ बाइक सवार मोहनिया की ओर जा रहे हैं. सूचना मिलते ही पुलिस टीम अलर्ट हो गई और जीटी रोड पर निगरानी शुरू कर दी. कुछ देर बाद तीन बाइक पर सवार संदिग्ध युवक आते दिखाई दिए. पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन बाइक सवार तेज रफ्तार से भागने लगे. पीछा कर पुलिस ने पकड़ा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बाइक सवारों का पीछा किया. इस दौरान एक बाइक सवार को दुर्गावती रेलवे स्टेशन रोड के पास पकड़ लिया गया. तलाशी लेने पर उसके पास से 31 बोतल शराब बरामद हुई. इसके बाद पुलिस ने अन्य दो बाइक सवारों को धनेछा के पास पकड़ लिया. तलाशी के दौरान उनके पास से 135 बोतल शराब बरामद की गई. चार शराब तस्कर गिरफ्तार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान महाराणा प्रताप, चंदन कुमार, सोनू सिंह और विकास कुमार सिंह के रूप में हुई है. सभी आरोपी कैमूर जिले के दुर्गावती थाना क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं. बाइक और शराब जब्त पुलिस ने तीनों बाइक और बरामद शराब को जब्त कर लिया है. सभी आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है. शराब तस्करी के खिलाफ अभियान जारी पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में शराब तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है. सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जा रही है ताकि अवैध शराब कारोबार पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके.

बिहार में राजस्व विभाग में 8054 पदों पर होगी बहाली, जानिए कब तक आएगा नोटिफिकेशन

पटना (एजेंसी) बिहार के युवाओं के लिए खुशखबरी है. राजस्व विभाग में 8054 पदों पर राजस्व कर्मचारियों की बहाली होगी. विभाग के मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा, हमें 12 हजार राजस्व कर्मचारियों की जरूरत है. बिहार राजस्व विभाग में बड़े स्तर पर राजस्व कर्मचारियों की बहाली होने वाली है. यह राज्य के युवाओं के लिए खुशखबरी है. विभाग में 8054 पदों पर राजस्व कर्मचारी बहाल होंगे. इसे लेकर कर्मचारी चयन आयोग की ओर से 15 जून के बाद नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा. राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने यह जानकारी दी. मंत्री बोले- 12 हजार कर्मचारियों की जरूरत प्रभात खबर से बातचीत के दौरान मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा, विभाग चलाने के लिए दो-तीन बातों पर ध्यान देना पड़ता है. पहला तो यह है कि हमारा सिस्टम खुद में मजबूत है या नहीं. जब तक विभाग खुद में मजबूत नहीं होगा, तब तक हम सेवा प्रदान नहीं सकते हैं. मैंने देखा कि पूरे बिहार में राजस्व विभाग में कर्मचारियों की भारी कमी है. मात्र चार या फिर साढ़े चार हजार राजस्व कर्मचारी हैं. लेकिन हमें कम से कम 12 हजार राजस्व कर्मचारी चाहिए. विभाग से जुड़े काम में देरी की बताई वजह आगे उन्होंने यह भी बताया कि एक कर्मचारी तीन हलके का काम देख रहे थे, जिसकी वजह से काम में देरी हो रही थी. इस वजह से सरकार से अधियाचना की कि 8 हजार 54 राजस्व कर्मचारी और हमें चाहिए, जिससे हर एक हलके में राजस्व कर्मचारी हो. इसके बाद ही तुरंत काम का निपटारा कर लिया जाएगा. सीएम सम्राट चौधरी को कहा धन्यवाद मंत्री दिलीप जायसवाल ने सम्राट चौधरी को धन्यवाद देते हुए कहा कि जैसे ही अधियाचना भेजी, उसके बाद सामान्य प्रशासन विभाग ने उसे कर्मचारी चयन आयोग को भेज दिया. अब 15 जून को वैकेंसी निकलने वाली है. 15 जून के बाद कर्मचारी चयन आयोग के पोर्टल से नोटिफिकेशन आउट हो जाएगा. इसके बाद अगर हर एक हलका में कर्मचारी बहाल हो जायेंगे तो, इससे काम की रफ्तार बढ़ेगी. इस तरह से राजस्व विभाग से जुड़े काम अब जल्द से जल्द निपट सकेंगे.

एसी के साथ पंखा चलाना सही है या गलत?

बिजली बिल बचाने का आसान तरीका

गर्मी के मौसम में कमरे को जल्दी ठंडा करने के लिए लोग अक्सर एसी और पंखा एक साथ चला लेते हैं। हालांकि, कई लोगों के मन में यह सवाल रहता है कि क्या एसी और फैन को साथ चलाना सही है या इससे बिजली का बिल ज्यादा आता है। कुछ लोग तो यह भी मानते हैं कि पंखा चलाने से एसी पर दबाव बढ़ता है और मशीन खराब हो सकती है। लेकिन सच इसके बिल्कुल उलट है। एसी और पंखा एक-दूसरे के दुश्मन नहीं, बल्कि अच्छे साथी हैं। अगर इन्हें सही तरीके से साथ इस्तेमाल किया जाए तो कमरा जल्दी ठंडा होता है, एसी पर ज्यादा लोड नहीं पड़ता और बिली की खपत भी कम हो जसकती है।

कूलिंग क्यों नहीं होती

गर्मियों में कमरा काफी गर्म रहता है और ऐसे में अगर आप एसी 16-21-24 पर चलाते हैं, तो उस पर लोड ज्यादा पड़ता है और कूलिंग मन-मुताबिक नहीं होती। जब एसी पर लोड बढ़ेगा तब बिजली की खपत भी होगी और यही कारण है कि आपका बिल ज्यादा आता है।

एसी-पंखा साथ चलाने से क्या होगा?

मान लीजिए कि आपने सिर्फ एसी चलाया हुआ है, जो कमरे की हवा को धीरे-धीरे ठंडा कर रहा है। इस प्रोसेस में समय लगेगा और करीब आधे-1 घंटे के बाद कमरा ढंग से ठंडा होगा। अगर फौरन चिल्ड करना चाहेंगे तो एसी को लो टेंपरेचर पर रखना पड़ेगा। लेकिन अगर आप साथ में 2-3 नंबर पर पंखा चला लेते हैं, तो ये कमरे की कोने-कोने की हवा को ठंडा करने में जल्दी मदद करेगा। अगर आप 24 नंबर पर एसी चला रहे हैं और साथ में 3 नंबर पर पंखा, तो कमरा जल्दी ठंडा होगा और एसी पर ज्यादा लोड नहीं आएगा।

बिजली बिल कैसे बचेगा

जब आप कम स्पीड में एसी चलाएंगे तो बिजली का बिल खुद ही कम आएगा और एयर कंडीशनर की मशीन पर लोड भी कम पड़ेगा। पंखे के साथ आप एसी का टेंपरेचर 24-25-26 पर रख सकते हैं और ऐसे में आपका रूम बिल्कुल चिल्ड हो जाएगा।

रात में सुकून की नींद

कई लोग एसी रातभर चलाते हैं, तो कमरे में नमी बनी रहती है या अजीब सी महक के कारण सो नहीं पाते। पंखा साथ में चलाते हैं, तो एसी से कमरे में नमी नहीं होगी और चैन की नींद आएगी। पंखे की हवा से एसी कमरे को कुछ ही देर में ठंडा कर देगा और नमी गायब हो जाएगी।

कूलिंग टिप्स

अगर आपका कमरा काफी बड़ा है, तब आप ये तरीका अपनाकर देखें। अगर कमरा छोटा। ये दोनों चीजें आपको बेहतर कंफर्म और बैलेंस्ड है, तो एसी को 22 पर सेट करके कुछ देर के लिए चलाएं और पंखा बंद रखें। इसके बाद हल्का पंखा चलाकर एसी का टेंपरेचर कम करें। साथ ही एसी चलाने से पहले कमरे की खिड़कियां, दरवाजे बंद करें, जिससे हवा बाहर न जाएं और कमरा जल्दी कूल होकूलिंग देंगे।

नींबू के छिलकों से आपकी तुलसी होगी घनी और स्वस्थ!

घर में लगी तुलसी सिर्फ एक पौधा नहीं, बल्कि आस्था, सेहत और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक मानी जाती है। लेकिन अक्सर लोग शिकायत करते हैं कि उनकी तुलसी ठीक से बढ़ नहीं रही, पत्तियां पीली पड़ जाती हैं या पौधा बार-बार सूखने लगता है। ऐसे में लोग महंगे फर्टिलाइजर और केमिकल का सहारा लेते हैं, जबकि इसका आसान और मुफ्त समाधान आपके किचन में ही मौजूद होता है नींबू के छिलके।

क्यों खास है नींबू के छिलकों का इस्तेमाल?

अक्सर हम नींबू का रस निकालने के बाद उसके छिलकों को बेकार समझकर फेंक देते हैं। लेकिन यही छिलके तुलसी के लिए किसी नेचुरल टॉनिक से कम नहीं हैं। इनमें मौजूद सिट्रस ऑयल, एंटी-बैक्टीरियल गुण और पोषक तत्व पौधे की ग्रोथ को बेहतर बनाने में मदद करते हैं।

कीड़ों से बचाने का प्राकृतिक तरीका

तुलसी के पौधे पर छोटे-छोटे कीड़े या चींटियां लग जाना एक आम समस्या है। नींबू के छिलकों की तेज खुशबू इन कीड़ों को दूर भगाने में मदद करती है। जब आप इन्हें मिट्टी में डालते हैं, तो यह एक नेचुरल कीटनाशक की तरह काम करते हैं और पौधे को सुरक्षित रखते हैं।

मिट्टी को बनाते हैं ज्यादा उपजाऊ

तुलसी के पौधे को हल्की एसिडिक मिट्टी पसंद होती है। नींबू के छिलके मिट्टी के श्च॥ स्तर को संतुलित करने में मदद करते हैं, जिससे जड़ें पोषक तत्वों को बेहतर तरीके से अवशोषित कर पाती हैं। इसका असर यह होता है कि पौधा तेजी से बढ़ता है और ज्यादा हरा-भरा दिखाई देता है।

फंगस और सड़न से बचाव

अधिक पानी या नमी के कारण तुलसी की जड़ों में फंगस लगने की समस्या हो सकती है। नींबू के छिलकों में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल गुण इस समस्या को कम करने में मदद करते हैं। साथ ही, यह मिट्टी में आने वाली बदबू को भी दूर कर देते हैं और उसे ताजा बनाए रखते हैं।

इस्तेमाल करने के आसान तरीके

नींबू के छिलकों का सही फायदा पाने के लिए इन्हें सीधे इस्तेमाल करने के बजाय कुछ आसान तरीकों को अपनाना बेहतर होता है। आप छिलकों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर गमले की मिट्टी में हल्का दबा सकते हैं। दूसरा तरीका है, इन्हें 2-3 दिन पानी में भिगोकर उस पानी को छान लें और पौधे में डालें यह एक लिक्विड फर्टिलाइजर की तरह काम करता है। अगर लंबे समय तक इस्तेमाल करना हो, तो छिलकों को सुखाकर पीस लें और महीने में एक बार मिट्टी में मिला दें।

इस्तेमाल करते समय रखें ये सावधानियां

ध्यान रखें कि नींबू के छिलकों का ज्यादा इस्तेमाल भी नुकसान कर सकता है। हफ्ते में एक बार से ज्यादा इसका प्रयोग न करें। अगर मिट्टी पहले से ज्यादा एसिडिक है, तो इसका उपयोग करने से बचें। साथ ही, छिलकों को हमेशा मिट्टी के अंदर दबाकर रखें, ताकि ऊपर फंगस न लगे।

बाजार वाले पतले दूध से भी निकलेगी रोटी जितनी मोटी मलाई!

पतले दूध में मलाई पतली जमती है या फिर जम ही नहीं पाती। अगर आप भी फुल क्रीम दूध नहीं खरीदते हैं, तो हम आपको पतले दूध में गाढ़ी मलाई जमाने का आसान तरीका बताने जा रहे हैं। इसके बाद आप डेयरी हो या फिर बाजार का पतला दूध सभी में रोटी जितनी मोटी मलाई जमा लेंगे।

दूध हर घर में आता है और उससे मलाई निकालकर घी भी बनाया जाता है। कई लोग मलाई ऐसे ही निकालते हैं, जो खाने या फिर कुछ और बनाने के काम में आए। लेकिन अगर आप डेयरी या फिर बाजार से पतला वाला दूध खरीदते हैं, तो मोटी मलाई का निशान दूर-दूर तक नहीं रहता। इन दूध में पतली मलाई जमती है, जो किसी काम की नहीं होती। अगर आप भी पतली मलाई जमने से परेशान रहती हैं, तो अब एक ट्रिक अपनाकर पतले और पानी मिले दूध से भी रोटी जितनी मोटी मलाई जमा सकती हैं। कई महिलाएं दूध में सिर्फ 1 चम्मच खास चीज मिलाकर मलाई को ज्यादा गाढ़ा और मोटा बना लेती हैं। खास बात ये है कि इसके लिए ज्यादा मेहनत भी नहीं करनी पड़ती।

दूध कैसे उबालें

अक्सर हम दूध को तेज आंच पर चढ़ा देते हैं और एक उबाल आते ही गैस बंद कर देते हैं। ऐसा करने से दूध अच्छी तरह पक नहीं पाता, और यही वजह होती है कि उस पर मोटी मलाई नहीं जमती। अगर आप चाहती हैं कि दूध पर बाजार जैसी गाढ़ी मलाई जमे, तो सबसे पहले दूध को हमेशा धीमी आंच पर पकाना शुरू करें। भले ही इसमें थोड़ा ज्यादा समय लगे, लेकिन धीमी आंच पर दूध अच्छे से खौलता है और उसका टेक्सचर भी बेहतर हो जाता है। जब दूध धीरे-धीरे पकते हुए पहली उबाल लेने लगे, तभी आपको अपनी सीक्रेट ट्रिक अपनानी है। इसी स्टेज पर थोड़ा-सा मिल्क पाउडर मिलाने से दूध में फैट और सॉलिड्स बढ़ जाते हैं, जिससे बाद में मलाई ज्यादा मोटी और गाढ़ी जमती है। यही छोटा-सा तरीका पतले दूध को भी मलाईदार बना देता है।

क्या मिलाना है

दूध जब हल्की पहली उबाल लेने लगे, तब उसमें 1 चम्मच मिल्क पाउडर मिला दें। मिल्क पाउडर का स्वाद दूध में महसूस नहीं होगा, लेकिन इससे मलाई काफी गाढ़ी और मोटी जमेगी। मिल्क पाउडर डालने के बाद दूध को चम्मच से अच्छी तरह चलाएं और फिर दूसरी उबाल आने दें। इसके बाद गैस बंद कर दें और दूध को ठंडा होने दें। फिर इसे फ्रिज में रख दें। कुछ घंटों बाद आप देखेंगे कि पतले दूध पर भी मोटी मलाई जमकर ऊपर तैर रही है।

क्यों काम करती है ये ट्रिक?

मिल्क पाउडर दूध में फैट और सॉलिड्स बढ़ाने का काम करता है। इसी वजह से मलाई ज्यादा और मोटी जमती है। अगर आप फुल क्रीम दूध नहीं लेते, तो यह तरीका सबसे आसान और असरदार है। बस ध्यान रखें कि दूध को बार-बार न चलाएं और ठंडा होने के तुरंत बाद फ्रिज में रख दें। यह तरीका आप डेयरी वाले दूध के साथ भी आसानी से आजमा सकती हैं।

गर्मियों में शिशुओं की सेहत का रखें ख्याल, खिलाएं ये खाना

गर्मियों का मौसम में बच्चों की सेहत का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है, खास कर छोटे बच्चों का। ऐसे में पेरेंट्स अक्सर सोचते है कि बच्चों का ध्यान कैसे रखा जाएं, उन्हें गर्मियों मे खाने के लिए क्या दिया जाएं। जिससे बच्चों का शरीर स्वस्थ और हाइड्रेटिड रहे। गर्मियों में शिशुओं (0-1 साल) का आहार हल्का, पौष्टिक और शरीर को ठंडक देने वाला होना चाहिए। लेकिन क्या खिलाना है, यह बच्चे की उम्र (6 महीने से कम या ज़्यादा) पर निर्भर करता है। चलिए एक्सपर्ट से जानते हैं कि बच्चों को गर्मी में क्या खिलाना चाहिए?

छोटे बच्चों को गर्मियों में कैसा खाना खिलाए?

गर्मियों में शिशुओं को हल्का, पौष्टिक और शरीर को ठंडक देने वाला आहार खिलाना चाहिए। एक्सपर्ट के अनुसार, गर्मी के मौसम में बच्चों को ठंडा और हाइड्रेटेड रखने के लिए हल्के, आसानी से पचने वाले और पानी से भरपूर खाने की जरूरत होती है। बच्चों को भारी खाना नहीं खिलाना चाहिए, उन्हें हल्का और जल्दी पचने वाला खाना खिलाना चाहिए।

6 महीने से कम उम्र के बच्चों को क्या दें?

एक्सपर्ट के मुताबिक, 6 महीने से कम उम्र के बच्चों के लिए तो मां का दूध ही काफी होता है। क्योंकि इसमें पहले से ही सही मात्रा में पानी और पोषक तत्व होते हैं। जब तक डॉक्टर शिशु को पानी पिलाने की सलाह न दे, उन्हें पीने के लिए पानी भी नहीं देना चाहिए।

6 महीने से ज्यादा के बच्चों को क्या खिलाना चाहिए?

जब बच्चा 6 महीने से ज्यादा का हो जाए तो आप धीरे-धीरे ठोस आहार शुरू कर सकते हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक, चावल का पानी , मूंग दाल की पतली खिचड़ी, दलिया (हल्का और पतला), फल (अच्छी तरह मैश करके), केला, सेब (उबालकर या स्टीम करके), पपीता, तरबूज (बीज निकालकर, कम मात्रा में) आप बच्चों को ये आहार दे सकते है।

बच्चों को सब्जियां खिलाएं

बच्चों को उबली और मैश की हुई सब्जियां खिलानी चाहिए। जैसे, गाजर, लौकी, कद्दू, आलू।

बच्चों को गर्मी से बचाने के लिए ये भी दें

बच्चों को गर्मी में उबला और ठंडा किया हुआ पानी (6 महीने बाद), घर का बना छाछ (बहुत पतला, थोड़ा सा), नारियल पानी (कम मात्रा में, डॉक्टर की सलाह से) दें।

रहाणे अभी आईपीएल खेलते रहेंगे, संन्यास के संकेत नहीं दिये

कोलकाता।

कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) टीम आईपीएल के 19 वें सत्र में यहां दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हार के साथ ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। केकेआर का इस सत्र में प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और टीम लीग स्तर के 14 मैचों में से केवल 6 ही जीता पायी जबकि उसके एक मैच का परिणाम नहीं निकला। इससे 13 अंक लेकर वह 7वें स्थान पर रही। रहाणे की कप्तानी में ये लगातार दूसरा सत्र है जब टीम प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायी है। टूर्नामेंट से टीम के बाहर होने के बाद रहाणे से जब उनके भविष्य की योजना को बारे में पूछा गया तो उन्होंने संन्यास के कोई संकेत नहीं दिये। उन्होंने कहा, ÷मेरे लिए बस कुछ दिनों का ब्रेक है। मैं मुंबई में अपनी स्थानीय लीग खेलने जा रहा हूं जिसके लिए मैं उत्साहित हूं। मैं तब तक खुश हूं जब तक मैं क्रिकेट खेल रहा हूं। कुछ दिनों के बेक्र के बाद फिर फिर मैदान में आउंगा।÷ इससे साफ है कि वि अभी खेलते रहेंगे। रहाणे ने कहा कि सत्र समाप्त होने के बाद सभी खिलाड़ियों के साथ एक बैठक होगी। उन्होंने कहा, ÷मुझे लगता है कि फिलहाल खिलाड़ियों की अपनी प्रतिबद्धताएं हैं।

आईपीएल प्लेऑफ प्रारुप इस प्रकार करता है काम

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग क्रिकेअ (आईपीएल) के प्लेऑफ मुकाबले मंगलवार से शुरु हो रहे हैं। इसमें लीग स्टेज में शीर्ष पर रही चार सर्वश्रेष्ठ चार टीमें खिताब के लिए टकरायेगी। ये प्रारुप पारंपरिक सेमीफाइनल प्रणाली से अलग है और इसमें प्लेऑफ के ग्रुप स्टेज में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमों को पुरस्कृत करने और खेल को और अधिक रोमांचक बनाने के लिए लाया गया है। ये प्रारुप इस प्रकार काम करता है।

जहां आईसीसी के बड़े टूर्नामेंट्स में सेमीफाइनल होते हैं। वहीं प्लेऑफ की प्रणाली ऐसी है कि एक हार के बाद भी टीम को अवसर मिलता है। जिससे एक खराब दिन के कारण कोई टीम बाहर नहीं हो सकती। इसमें कुल चार मुकाबले होते हैं- क्वालीफायर 1, एलिमिनेटर, क्वालीफायर 2 और फाइनल।

क्वालीफायर 1 अंक तालिका में शीर्ष दो स्थान पर रहने वाली टीमें क्वालीफायर 1 खेलती हैं। इस मैच का विजेता सीधे फाइनल में जगह बनाता है, जबकि हारने वाली टीम को टूर्नामेंट से बाहर नहीं किया जाता। उसे अपनी किस्मत आज़माने का एक और मौका मिलता है, और वह क्वालीफायर 2 में जाती है। यह शीर्ष दो में रहने का सबसे बड़ा लाभ है।

एलिमिनेटर- नंबर तीन और चार पर रहने वाली टीमों के बीच एलिमिनेटर मुकाबला होता है। यह नॉक आउट मैच होता है। इसमें हारने वाली टीम का सफर तुरंत खत्म हो जाता है। वहीं जीतने वाली टीम क्वालीफायर 2 में प्रवेश करती है।

क्वालीफायर 2- यह फाइनल में पहुंचने का अंतिम रास्ता है। इसमें क्वालीफायर 1 में हारने वाली टीम और एलिमिनेटर की विजेता टीम खेलती है। इसमें जीतने वाली टीम फाइनल में जाती है, जबकि हारने वाली टीम बाहर हो जाती है।

इससे साफ है कि लीग में केवल शीर्ष 4 में आना ही काफी नहीं, बल्कि शीर्ष -2 में

जगह बनाना सबसे लाभदायक है। ऐसे में फाइनल में पहुंचने के लिए दो अवसर मिलते हैं।

इसके विपरीत, तीसरे और चौथे स्थान की टीमों के लिए राह बेहद चुनौतीपूर्ण होती है; उन्हें ट्रॉफी जीतने के लिए लगातार तीन मैच जीतने होते हैं, एक भी हार उन्हें बाहर कर देती है।

इस प्रकार हुई शुरुआतआईपीएल ने अपने शुरुआती तीन सीज़न (2008-2010) में पारंपरिक सेमीफाइनल प्रारुप का इस्तेमाल किया था। लेकिन ग्रुप स्टेज में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद एक खराब दिन के कारण बाहर होने वाली टीमों को राहत देने दे प्रारुप शुरु किया गया। इसी को ध्यान में रखते हुए, 2011 में आईपीएल में पहली बार प्लेऑफ प्रारुप को पेश किया गया।

यह इतना सफल और रोमांचक साबित हुआ कि आज ऑस्ट्रेलियाई बिग बैश सहित दुनिया भर की कई अन्य क्रिकेट लीग भी इसी प्रारुप के आधार पर चल रही हैं।

फ्रेंच ओपन में जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंचे जोकोविच

पेरिस ।

सर्बिया के शीर्ष खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने रौला गैरा में शुरु हुए फ्रैंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में जीत के साथ शुरुआत की है। जोकोविच ने पहले ही दी दौर में मेजबान देश के खिलाड़ी जियोवानी एमपेट्शी पेरीकार्ड को 5-7, 7-5, 6-1, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनायी। यह बेहद कड़ा रहा। इस दौरान जोकोविच ने एकसाथ कई नए रिकॉर्ड भी बनाये। इस मैच की शुरुआत जोकोविच के लिए आसान नहीं रही। युवा पेरीकार्ड ने अपनी दमदार सर्विस से उन्हें पहले सेट में एक भी ब्रेक अंक नहीं दिया। पेरीकार्ड ने जोकोविच की सर्विस तोड़कर पहला सेट 7-5 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में भी जोकोविच को संघर्ष करना पड़ा और वह शुरुआत में नौ ब्रेक पॉइंट में से एक भी भुना नहीं पाए। हालांकि, महत्वपूर्ण पलों में अपनी अनुभव का इस्तेमाल करते हुए जोकोविच ने वापसी की। 5-6 के स्कोर पर पेरीकार्ड ने तीन सेट अंक बचाये, लेकिन

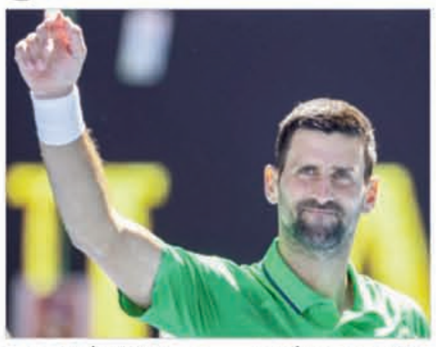

एक लंबी रैली के बाद उनका फोरहैंड पासिंग शॉट कोर्ट से बाहर चला गया, और जोकोविच ने निर्णायक ब्रेक हासिल कर दूसरा सेट 7-5 से जीत लिया, जिससे स्कोर बराबर हो गया। इसके बाद, जोकोविच ने और पेरीकार्ड को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। तीसरे सेट को 6-1 और चौथे को 6-4 से जीतकर उन्होंने कुल 2 घंटे 51 मिनट तक चले इस मुकाबले को अपने नाम किया।

मिलर की एक गलती से दिल्ली कैपिटल्स प्लेऑफ के हाथ से निकला प्लेऑफ का अवसर

नई दिल्ली ।

आईपीएल 2026 के इस सत्र में सीज़न दिल्ली कैपिटल्स के लिए की टीम 14 अंकों के साथ छठे स्थान पर रही और प्लेऑफ में जगह नहीं बना पायी। दिल्ली की टीम को किस्मत का भी साथ नहीं मिला और प्लेऑफ की दौड़ से उनका बाहर होना केवल एक रन के अंतर से हुआ। डेविड मिलर का एक गलत फैसला भी इसका कारण बना। लीग की शुरुआत में दिल्ली कैपिटल्स ने अपने पहले दो मैच जीते थे। उनका तीसरा मुकाबला गुजरात टाइटन्स के खिलाफ था, जो बेहद रोमांचक रहा। 211 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स जीत के बेहद करीब थी। अंतिम ओवर में जीत के लिए उसे 13 रनों की ज़रूरत थी, और गुजरात की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा गेंदबाज़ी कर रहे थे। पहली गेंद पर विपराज निगम ने चौका जड़कर लगाया पर अगली ही गेंद पर वे आउट हो गए। नए बल्लेबाज़ कुलदीप यादव ने तीसरी गेंद पर एक रन लिया, जिसके बाद सारी उम्मीदें अनुभवी बल्लेबाज़ डेविड मिलर पर आ गईं। चौथी गेंद पर मिलर ने एक ज़ोरदार छक्का लगाया जिससे मैच दिल्ली के पाले में आ गया। ऐसे में अंतिम दो गेंदों पर जीत के लिए सिर्फ़ दो रन चाहिए थे, और मिलर क्रीज़ पर थे। मिलर ने शॉट खेला पर रन नहीं लिया। इस एक गलती से टीम के हाथ से मैच निकल गया क्योंक इसके बाद एक बाई रन लेने के प्रयास में कुलदीप यादव रन आउट हो गए और दिल्ली कैपिटल्स मुकाबला एक रन से हार गयी।

आईपीएल 2026 में ऑरेंज कैप के लिए सुदर्शन पर्पल कैप के लिए भुवनेश्वर शीर्ष पर पहुंचे

मुम्बई ।

आईपीएल के 19 सत्र के लीग स्तर के मुकाबले समाप्त होने के बाद सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की रेस में गुजरात टाटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन शीर्ष पर हैं। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो सबसे अधिक विकेटों के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की दौड़ में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार नंबर एक पर हैं। वहीं राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर अंतिम लीग मैच में शानदार प्रदर्शन कर शीर्ष तीन गेंदबाजों में आ गये हैं।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए मुकाबले में आर्चर ने 4 ओवर में केवल 17 रन खर्च देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट लिए। इसी के साथ ही आर्चर के आईपीएल 2026 सत्र में कुल 21 विकेट हो गये हैं। वे अब 14 मुकाबलों में 21 विकेट लेकर सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार 14 मुकाबलों में 24 विकेट लेकर नंबर एक पर बने हुए हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के अनुभवी गेंदबाज कगिसो रबाडा इतने ही मुकाबलों में 24 विकेट विकेट लेकर दूसरे स्थान पर हैं। वहीं जोफ्रा आर्चर अब 21 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर आ गए हैं। राशिद खान 14 मुकाबलों में 19 विकेट लेने के साथ पांचवें नंबर पर मौजूद हैं। ऑरेंज कैप के लिए गुजरात के सुदर्शन नंबर एक पर हैं। उनके नाम 14 मुकाबलों में

157 के स्ट्राइक रेट से कुल 638 रन हैं। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल भी 13 मुकाबलों में 616 रन बनाकर दूसरे स्थान पर हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 606 रनों के साथ तीसरे नंबर पर मौजूद हैं। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान केएल राहुल 14 मुकाबलों में 593 रनों के साथ चौथे स्थान पर आ गए हैं। वहीं, राजस्थान रॉयल्स के 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी 583 रनों के साथ शीर्ष पांच में अपनी जगह बनाए हुए हैं

संक्षिप्त समाचार

आईपीएल 2026 में सबसे अधिक रन बनाने वाली टीम बनी सनराइजर्स हैदराबाद

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र के लीग स्तर के मुकाबले समाप्त हो गये हैं। इसमें सनराइजर्स हैदराबाद टीम सबसे अधिक रन बनाने वाली टीम के तौर पर सामने आयी है। आईपीएल 2026 के लीग स्तर में 70 रोमांचक मुकाबलों के बाद कुल 25,846 रन बने। इन मैचों के बाद चार टीमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, गुजरात टाइटंस, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स प्लेऑफ में पहुंची हैं। क्वालीफायर-1 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस के बीच 26 मई को जबकि एलिमिनेटर सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स के बीच 27 मई को धर्मशाला में खेला जाएगा। इस पूरे लीग चरण के दौरान बल्लेबाज हावी रहे। सबसे ज्यादा रन बनाने वाली टीम सनराइजर्स हैदराबाद रही। उसने लीग स्टेज में कुल 2,854 रन बनये। आंकड़ों पर गौर करें तो 10 में से 9 टीमें 2500 रनों का आंकड़ा पार करने में सफल रहीं, जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स सबसे कम 2,309 रन बनाकर इस सूची में सबसे नीचे रही। सनराइजर्स हैदराबाद के बाद पंजाब किंग्स 2,711 रनों के साथ दूसरे, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 2,642 रनों के साथ तीसरे, राजस्थान रॉयल्स 2,619 रनों के साथ चौथे, दिल्ली कैपिटल्स 2,559 रनों के साथ पांचवें, गुजरात टाइटंस 2,558 रनों के साथ छठे, मुंबई इंडियंस 2,553 रनों के साथ सातवें, चेन्नई सुपर किंग्स 2,553 रनों के साथ आठवें और लखनऊ सुपर जायंट्स 2,511 रनों के साथ नौवें पायदान पर रही। इस सत्र में कुल 16,790 रन चौके और छक्के से बने । लीग स्टेज में कुल 2,174 चौके और रिकॉर्ड तोड़ 1,349 छक्के लगे, जो आईपीएल इतिहास में पहली बार छक्कों का आंकड़ा 1300 के पार ले गया है। व्यक्तिगत प्रदर्शन की बात करें तो राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी ने सर्वाधिक 53 छक्के लगाये, वहीं गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन ने 62 चौकों के साथ सबसे ज्यादा चौके लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। गेंदबाजी और फील्डिंग के आंकड़ों पर नज़र डालें तो लीग स्टेज के दौरान कुल 15,731 गेंदें फेंकी गईं, जिसमें 759 वाइड और 58 नो बॉल भी शामिल थीं।

बीमारी से जूझते कांबली का दिखा अटूट क्रिकेट प्रेम, मैच देखने स्टेडियम पहुंचे

मुम्बई ।

पूर्व क्रिकेट विनोद गंभीर रुप से बीमार होने के बाद भी मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच आईपीएल मैच देखने वानखेड़े स्टेडियम पहुंचे। गंभीर इस दौरान बिना सहारे के ठीक से चल भी नहीं पा रहे थे। इसके बाद भी उनका स्टेडियम पहुंचना क्रिकेट के प्रति उनके जुनून को दिखता है। इस एक वीडिया भी सोशल मीडिया पर छाया है। इसमें 54 साल के कांबली दो लोगों का सहारा लिए हुए धीरे-धीरे चलते हुए दिखाई दे रहे हैं। कमजोर दिख रहे कांबली के चेहरे पर हालांकि क्रिकेट देखने की खुशी इस दौरान नजर आयी। कांबली के स्वास्थ्य को लेकर पिछले कुछ समय से लगातार चिंताएं बनी हुई हैं। उनकी बीमारी और अस्पताल में लंबे समय तक भर्ती रहने की खबरें आती रही हैं। इस वीडियो से संकेत मिलते हैं कि वह अब धीरे-धीरे ठीक हो रहे हैं। कांबली काफी समय बाद सार्वजनिक तौर पर नजर आए हैं।

आईपीएल के 19 वें सत्र में बुमराह के नाम दर्ज हुआ अनचाहा विश्व रिकार्ड

एक विकेट के लिए लुटाये 102 रन

मुम्बई ।

मुम्बई इंडियंस के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का आईपीएल के 19 वे सत्र में प्रदर्शन बेहद खराब रहा और वह केवल 4 विकेट ही ले पाये। सबसे हैरानी की बात ये रही कि उन्होंने एक विकेट के लिए 102 रन लुट दिये। इस प्रकार बुमराह के नाम इस सत्र में टी20 क्रिकेट इतिहास का सबसे शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हुआ है। उनके आंकड़े इतने हैरानी भरे रहे कि लग ही नहीं रहा था कि बुमराह गेंदबाजी कर रहे हैं। अपनी सटीक यॉर्कर और धीमी गेंदों के कारण बल्लेबाजों के विकेट लेने वाले बुमरार पर इस सत्र में जमकर चौके, छक्के लगे। सत्र में बुमराह ने कुल 13 मैच खेले और हैरान वाली बात यह रही कि वे केवल 4 विकेट ही ले पाए। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ लीग के अंतिम मुकाबले में उन्हें आराम दिया गया था। सत्र के 13 मैचों में 4 विकेटों के लिए उन्होंने कुल 410 रन दे दिये। ये रन उन्होंने 294 गेंदों में दिए गए। यदि उनके एक विकेट पर खर्च हुए रनों का औसत निकाला जाए, तो यह आंकड़ा हैरान कर देने वाला 102.5 रन प्रति विकेट आता है। टी20 क्रिकेट के इतिहास में यह किसी भी ऐसे गेंदबाज का सबसे खराब औसत है जिसने एक ही टूर्नामेंट में 40 या उससे अधिक ओवर फेंके हों। बुमराह ने इस सीजन में कुल 49 ओवर गेंदबाजी की थी। बुमराह टी20 विश्व कप 2024 के प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट और टी20 विश्व कप 2026 फाइनल के प्लेयर ऑफ द मैच जैसे अवार्ड विजेता रहे हैं। ऐसे विश्व-स्तरीय प्रदर्शन के बाद आईपीएल में उनका उनके प्रदर्शन में गिरावट निराशा की बात है। इस खराब प्रदर्शन के पीछे के कारणों को मुंबई इंडियंस के कोच महेला जयवर्धने ने स्पष्ट किया है। उनके अनुसार, बुमराह के खराब फॉर्म का एक बड़ा कारण उनकी फिटनेस संबंधी दिक्कतें रही हैं। जयवर्धने ने बताया कि टी20 विश्व कप से वापस आने के बाद से ही बुमराह थोड़ी परेशानी से जूझ रहे थे, जिससे विश्व कप के दौरान भी उन्होंने खेला था। इसका सीधा असर टूर्नामेंट के दौरान उनकी लया और तेजी दोनों पर पड़ा, जिससे उनकी रफ्तार में कमी

आई। कोच ने यह भी जोड़ा कि इस सत्र में विपक्षी टीमों ने बुमराह के एक अलग रणनीति बनायी थी। मुंबई इंडियंस के दूसरे गेंदबाज दूसरी छोर से दबाव बनाने में सफल नहीं हो पाए, जिसका फायदा उठाते हुए बल्लेबाजों ने बुमराह के खिलाफ अधिक जोखिम लिया जिसमें वे सफल रहे। गया है जिसे वे और उनके प्रशंसक जल्द से जल्द भुलाना चाहेंगे।

सूर्यकुमार ने फिटनेस पर सवाल उठाने वालों को दिया करारा जवाब

मुम्बई ।

भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने उनकी फिटनेस पर सवाल उठाने वालों को आड़े हाथों लिया है। सूर्यकुमार के अनुसार ऐसे लोगों को क्रिकेट की समझ नहीं है। सूर्या ने कहा कि उनकी कलाई में कोई चोट नहीं लगी है और उससे जुड़ी जो भी खबरें आ रही हैं। वह केवल अफवाह भर हैं। सूर्या ने कहा कि जिस प्रकार से उन्होंने आईपीएल में बल्लेबाजी की है उससे उनकी फिटनेस साबित होती है। आईपीएल के इस सत्र में सूर्यकुमार अधिक रन नहीं बना पाये जिससे उनके फार्म पर सवाल उठ रहे हैं। इससे टी20 टीम में उनकी जगह भी खतरे में दिख रही है। ऐसे में अपनी कथित चोट को लेकर सूर्यकुमार ने कहा, सबसे पहले, मैं एक बात साफ कर देना चाहता हूं। जो लोग कलाई की चोट की बात कर रहे हैं, वे या तो पक्के फिजियो हैं या ऐसे लोग हैं जिन्हें क्रिकेट की समझ नहीं है। उन्होंने तर्क दिया, अगर मुझे सच में कलाई की चोट या ऐसी कोई समस्या होती, तो मैं अभ्यास और मैचों में वो शॉट नहीं खेल पाता, खासकर मेरे फ्लिक शॉट, जो पूरी तरह से कलाई और हाथ-आंख के तालमेल पर आधारित होते हैं। इस बल्लेबाज ने कहा कि वह केवल उन चीजों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिन्हें वह नियंत्रित कर सकते हैं। सूर्या ने कहा, मैं इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता, क्योंकि यह मेरे नियंत्रण में नहीं है। ये सभी अनियंत्रित कारक हैं और मैं इन पर ज्यादा ध्यान नहीं देता। आईपीएल के खराब प्रदर्शन को लेकर भी सूर्या ने कहा कि उन्होंने काम के तरीके में में कोई बदलाव नहीं किया है। उन्होंने बताया, मैंने पूरे सीजन में कड़ी मेहनत की है। मैंने साल की शुरुआत में भी कड़ी मेहनत की थी। न्यूजीलैंड सीरीज में, मैंने प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड जीता था। फिर मेरा वर्ल्ड कप अच्छा रहा, कम से कम मेरे हिसाब से तो ऐसा ही था। फिर आईपीएल आया। मैंने आईपीएल में रन नहीं बनाए, लेकिन मैंने कभी कड़ी मेहनत करना बंद नहीं किया। उन्होंने आगे कहा, मैं उस पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करता हूं जो मेरे हाथ में है। आखिरकार, प्रदर्शन की कोई गारंटी नहीं होती। जो आपके नियंत्रण में है, वह है कड़ी मेहनत। इसलिए मैं कड़ी मेहनत करता रहता हूं और अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करता हूं।

मैदान पर दिल का दौरा पड़ने के बाद कर्नाटक के पूर्व रणजी क्रिकेटर अक्षय की मौत

बेंगलुरु ।

बेंगलुरु में एक मैच के दौरान ही पूर्व रणजी क्रिकेटर एसएल अक्षय को दिल का मौत का दौरा पड़ा। अक्षय को तत्काल अस्पताल ले जाया गया पर उन्हें बचाया नहीं जा सका। 39 साल के अक्षय की अचानक ही इस प्रकार हुई मौत होने से क्रिकेट जगह में दुख की लहर फैल गयी है। यह दुखद घटना बेंगलुरु के केआर पुरम में एक थर्ड-डिवीजन मैच के दौरान हुई। एक रिपोर्टों के अनुसार अक्षय मैच में दोपहर के समय अक्षय फील्डिंग कर रहे थे। तभी उन्होंने अचानक सीने में तेज दर्द की शिकायत की। बिना किसी देरी के उन्हें तत्काल ही पास के अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। अक्षय ने अपने करियर में कर्नाटक के लिए रणजी ट्रॉफी में खेला था।

आईपीएल प्लेऑफ के पहले क्वालिफायर में उतरने जा रहीं आरसीबी और टाइटंस को हारने पर भी मिलेगा दूसरा अवसर

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के लीग स्तर के रोमांचक मुकाबले खत्म होने के साथ ही अब प्लेऑफ मुकाबले शुरु होंगे। इसमें शीर्ष चार टीमों रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और गुजरात टाइटंस (जीटी) के अलावा सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स ने जगह बनायी है। अंक तालिका में पहले दो स्थान हासिल करने वाली आरसीबी और गुजरात टाइटंस के बीच पहला क्वालिफायर मंगलवार को खेला जाएगा। इस मुकाबले में हारने वाली टीम को फाइनल में पहुंचने का एक और अवसर मिलेगा। आईपीएल के प्लेऑफ नियमों के अनुसार, लीग स्टेज में शीर्ष दो स्थानों पर रहने वाली टीमों को एक विशेष लाभ मिलता है। वे सीधे पहले क्वालिफायर में भिड़ती हैं, और इस मुकाबले में हारने के बाद भी बाहर नहीं होती हैं। पहले क्वालिफायर में पराजित होने वाली टीम को दूसरे क्वालिफायर में खेलने का अवसर मिलता है, जहां उसका सामना एलिमिनेटर मुकाबले की विजेता टीम से होता है। इस तरह, आरसीबी और जीटी, दोनों में से जो भी टीम पहले क्वालिफायर में हारती है, उसे फाइनल में जगह बनाने के लिए एक और अवसर मिलेगा। इससे मुकाबले का रोमांच भी बढ़ जाएगा।

इस सीजन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का प्रदर्शन असाधारण रहा है। डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में, रजत पाटीदार की कुशल अगुवाई में टीम ने लगातार दूसरी बार प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की की है। लीग स्टेज के 14 मुकाबलों में से 9 में जीत दर्ज कर और केवल 5 में हार का सामना कर, आरसीबी ने 18 अंक और बेहतर नेट रन रेट के साथ अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। बल्लेबाजी में, पूर्व कप्तान विराट कोहली ने 14 मैचों में 163 के शानदार स्ट्राइक रेट से 557 रन बनाकर अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी है। देवदत्त पडिक्कल ने भी बल्ले से महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जबकि कप्तान रजत पाटीदार ने खुद भी मध्यक्रम में महत्वपूर्ण पारियां खेली हैं। टिम डेविड ने निचले क्रम में फिनिशर की भूमिका को बखूबी निभाया है, जिससे टीम को कई अहम जीत मिली हैं। गेंदबाजी

की बात करें तो भुवनेश्वर कुमार ने इस सीजन अपनी स्विंग और नियंत्रण से बल्लेबाजों को खूब परेशान किया है, और उन्हें जोश हेजलवुड का भी साथ मिला। वहीं दूसरी ओर, युवा शुभमन गिल के नेतृत्व में गुजरात टाइटंस ने भी इस सीजन में धमाकेदार खेला है। 14 लीग मैचों में 9 जीत और 18 अंकों के साथ, जीटी ने अंक तालिका में दूसरा स्थान सुरक्षित किया।

राहुल ने गेल का रिकॉर्ड तोड़ा, कई अन्य उपलब्धियां भी अपने नाम कीं

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने आईपीएल 2026 में अंतिम लीग मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम कर लिया। अपनी इस पारी में राहुल ने 5 चौके और 4 छक्के लगाये। इसी के साथ ही राहुल ने आईपीएल में छक्के लगाने के मामले में गेल का एक रिकार्ड तोड़ दिया। राहुल अब आईपीएल में सबसे ज्यादा तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजी में एक सत्र में 30 से अधिक छक्के लगाने का कीर्तिमान स्थापित किया है। दिल्ली कैपिटल्स के लिए इस सीजन में राहुल ने 31 छक्के लगाये हैं। इससे पहले, राहुल ने पंजाब किंग्स के लिए 2018 में (32 छक्के) और 2021 में (30 छक्के), तथा लखनऊ सुपर जाएंट्स के लिए 2022 में (30 छक्के) लगाये थे। इससे वह आईपीएल इतिहास में तीन टीमों से इतने अधिक छक्के लगाने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। इस रिकॉर्ड को तोड़कर राहुल ने क्रिस गेल और ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने यह कारनामा 2-2 आईपीएल टीमों के लिए किया था। क्रिस गेल ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए चार बार (2011, 2012, 2013, 2015) और पंजाब किंग्स के लिए एक बार (2019) एक सत्र में 30 से अधिक छक्के लगाए थे। वहीं, ग्लेन मैक्सवेल ने पंजाब किंग्स (2014) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (2023) के लिए 1-1 बार यह रिकार्ड बनाया था। सिर्फ छक्कों के रिकॉर्ड तक ही केएल राहुल का कमाल सीमित नहीं रहा। कोलकाता के खिलाफ लगाया गया यह अर्धशतक उनके आईपीएल करियर का 51वां अर्धशतक था।

एनटीए की कार्यशैली पर सवालिया निशान, केंद्रीय शिक्षा मंत्री इस्तीफा दें : कांग्रेस

रांची(एजेंसी) । कांग्रेस की पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने नीट परीक्षा विवाद को सिर्फ पेपर लीक तक सीमित नहीं बताते हुए पूरे नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाया है ।उन्होंने कहा कि यह सिर्फ नीट घोटाला नहीं, बल्कि एनटीए घोटाला है. इसकी सीबीआई एवं ईडी से जांच करायी जानी चाहिये ।साथ ही केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफे की मांग की ।कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर अंबा प्रसाद ने कहा कि एनटीए देश में केवल नीट ही नहीं, बल्कि इंजीनियरिंग, मेडिकल, मैनेजमेंट और वैज्ञानिक क्षेत्रों सहित 21 से अधिक परीक्षाएं आयोजित करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2017 में पारदर्शिता और केंद्रीकरण के नाम पर गठित एनटीए अब छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 23 लाख छात्र नीट परीक्षा से प्रभावित हुए हैं, लेकिन अब तक जवाबदेही तय नहीं हुई है ।उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक मामले में कुछ कोचिंग संचालकों, दलालों और छोटे व्यापारियों पर कार्रवाई हुई, लेकिन शिक्षा मंत्रालय और एनटीए प्रबंधन पर कोई कार्रवाई नहीं की गयी। सुश्री प्रसाद ने कहा कि यदि नीट जैसी परीक्षा प्रभावित हो सकती है, तो एनटीए द्वारा आयोजित अन्य परीक्षाओं की निष्पक्षता पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है ।कांग्रेस नेता ने कहा कि परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए विशेष कानून बनाया जाना चाहिए और पेपर लीक मामलों की जांच विशेषज्ञ एजेंसी से करायी जानी चाहिये। दोषियों के लिए कठोर सजा का प्रावधान भी होना चाहिये। प्रेस वार्ता में प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, प्रवक्ता सोनल शांति समेत अन्य नेता उपस्थित थे।

जिला जेल दंतेवाड़ा परिसर एवं परिसर के आस-पास के क्षेत्र को ''नो फ्लाई जोन'' घोषित

दंतेवाड़ा (एजेंसी)। कार्यालय अधीक्षक जिला जेल जारी विज्ञप्ति अनुसार जिला जेल दंतेवाड़ा के संपूर्ण परिसर एवं आस-पास के क्षेत्र को सुरक्षा की दृष्टि से भारतीय सुरक्षा संहिता-2023 की प्रासंगिक धाराओं के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एवं स्थानीय पुलिस तथा सुरक्षा एजेंसियों से परामर्श उपरांत जिला जेल दंतेवाड़ा के सम्पूर्ण परिसर के चारों दिशाओं में 200 मीटर की दूरी तक के क्षेत्र को ''नो फ्लाई जोन''घोषित किया जाता है। क्योंकि बिना अनुमति ड्रोन का संचालन जेल परिसर क्षेत्र में सुरक्षा उल्लंघन एवं अवैध निगरानी को बढ़ावा दे सकता है। तदनुसार - कोई भी व्यक्ति बिना पूर्व लिखित अनुमति जिला दण्डाधिकारी अथवा सक्षम सुरक्षा प्राधिकरण की अनुमति प्राप्त किए बिना इस क्षेत्र में किसी प्रकार के ड्रोन मानवरहित विमान का संचालन नहीं करेगा। अधिसूचित क्षेत्र मंत किसी भी प्रकार की अनाधिकृत ड्रोन गतिविधि दण्डनीय अपराध मानी जाएगी एवं संबंधित कानूनों के अंतर्गत कठोर कार्यवाही की जाएगी। यह अधिसूचना तत्काल प्रभाव से लागू होगी तथा अगले आदेश तक प्रभावी रहेगी।

14 साल लड़की ने अस्पताल के बाथरूम में बच्ची को दिया जन्म

-पुलिस ने करीबी रिश्तेदार को किया गिरफ्तार, पॉक्सो के तहत मामला दर्ज

रांची (एजेंसी)। झारखंड के गिरिडीह जिले में एक किशोरी ने सरकारी अस्पताल में बच्ची को जन्म देने के बाद रेप के आरोप में एक युवक को रविवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि नाबालिग लड़की ने शुक्रवार शाम को अस्पताल के बाथरूम में एक बच्ची को जन्म दिया, जिसके बाद अस्पताल कर्मचारियों ने पुलिस को सूचना दी। संभागीय पदाधिकारी ने बताया कि पीड़िता के पिता के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई और शनिवार को बेंगाबाद पुलिस थाना क्षेत्र से लड़की के एक करीबी रिश्तेदार को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि लड़की का बयान एक महिला पुलिस अधिकारी ने दर्ज किया और पॉक्सो के तहत मामला दर्ज किया है। रिपोर्ट में एक अधिकारी ने बताया कि अस्पताल पहुंचने के तुरंत बाद लड़की बाथरूम गई, जहां उसने एक बच्ची को जन्म दिया। उन्होंने बताया कि बाद में उसने अस्पताल परिसर से निकलने की कोशिश की, लेकिन कर्मचारियों ने उसे रोक लिया और पुलिस को सूचना दी। उन्होंने कहा कि मां और नवजात शिशु को बाद में एम्बुलेंस से दूसरे चिकित्सा केंद्र में ले जाया गया। दोनों स्वस्थ हैं और चिकित्सकीय निगरानी में हैं।

ट्विशा शर्मा मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त, मीडिया से संयम बरतने की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी) । मॉडल और अभिनेत्री ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सुनवाई के दौरान मीडिया और दोनों पक्षों से संयम बरतने की अपील की। मामले की सुनवाई तीन सदस्यीय पीठ कर रही है, जिसकी अध्यक्षता भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत कर रहे हैं। अदालत ने कहा कि मामले को लेकर मीडिया में आ रहे बयानों और चर्चाओं से जांच प्रभावित हो सकती है, इसलिए किसी भी पक्ष को सार्वजनिक बयानबाजी से बचना चाहिए। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने इस घटना पर दुख जताते हुए कहा कि मृतका की सास एक पूर्व जिला न्यायाधीश हैं और यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि न्यायपालिका पर ट्रायल में देरी के आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने मीडिया से अपील की कि वह रिश्तेदारों और परिचितों के बयानों को सनसनीखेज तरीके से पेश न करे। अदालत ने यह भी कहा कि जांच प्रक्रिया को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण वातावरण में पूरा होने दिया जाना चाहिए। मध्य प्रदेश सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को सौंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सरकार ने कहा कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाएगी। नोएडा निवासी ट्विशा शर्मा 12 मई की रात भोपाल के कटारा हिल्स क्षेत्र स्थित अपने घर में संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटकी मिली थीं। ससुराल पक्ष ने इसे आत्महत्या बताया है, जबकि ट्विशा के परिवार ने पति और ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने दहेज उत्पीड़न के आरोप में ट्विशा के पति समर्थ सिंह और उनकी मां गिरिबाला सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया है। भोपाल की एक अदालत ने समर्थ सिंह को सात दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। वहीं गिरिबाला सिंह ने कहा है कि पुलिस ने अब तक इस मामले में उनका बयान दर्ज नहीं किया है। मामले को लेकर लगातार राजनीतिक और सामाजिक प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जांच एजेंसियां स्वतंत्र रूप से काम करें और मीडिया रिपोर्टिंग तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए।

एथेनॉल आधारित स्टोव से सस्ता होगा खाना बनाना

– नितिन गडकरी ने पेश की स्वदेशी तकनीक

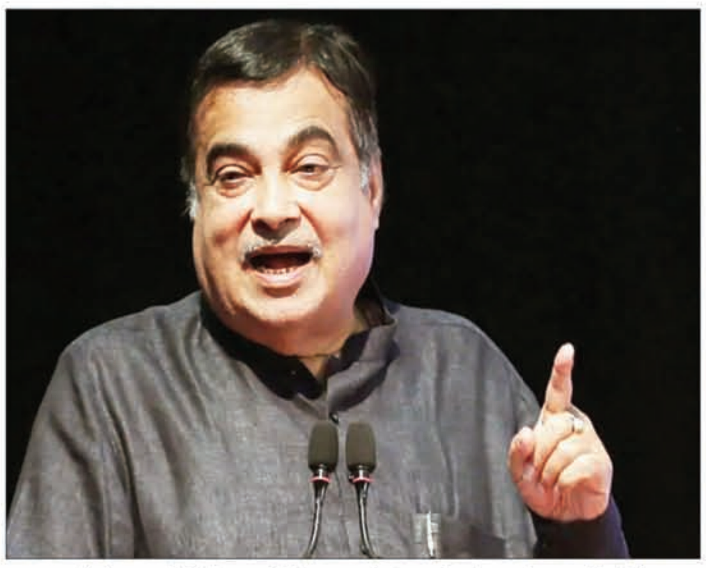

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने देश में विकसित एथेनॉल आधारित स्वदेशी कुकिंग स्टोव तकनीक का अनावरण करते हुए दावा किया है कि इस तकनीक से खाना बनाने की लागत एलपीजी गैस की तुलना में कम होगी। नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि यह तकनीक न केवल घरेलू ऊर्जा खर्च को कम करने में मदद करेगी, बल्कि भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी बड़ा कदम साबित हो सकती है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने युवाओं में विज्ञान और नवाचार के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए 40 करोड़ रुपये की नई परियोजना शुरू करने की भी घोषणा की। गडकरी ने बताया कि इस नए स्टोव में एथेनॉल और पानी के मिश्रण का उपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि केवल 7 प्रतिशत एथेनॉल को पानी में मिलाकर ऐसी लौ तैयार की जा सकती है, जो खाना पकाने के लिए पूरी तरह उपयुक्त है। उनके अनुसार यह तकनीक पूरी तरह स्वदेशी है और भारतीय वैज्ञानिकों तथा इंजीनियरों द्वारा विकसित की गई है। उन्होंने कहा कि यदि इसे बड़े स्तर पर लागू किया जाता है, तो यह एलपीजी सिलेंडरों पर निर्भरता कम कर सकता है और आम लोगों के लिए रसोई गैस का सस्ता विकल्प बन सकता है।

केंद्रीय मंत्री लंबे समय से एथेनॉल को वैकल्पिक ईंधन के रूप में बढ़ावा देते रहे हैं। उनका मानना है कि एथेनॉल के इस्तेमाल से भारत की आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम होगी और किसानों को भी आर्थिक लाभ मिलेगा। वर्तमान में भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 87 प्रतिशत हिस्सा विदेशों से आयात करता है, जिससे ऊर्जा सुरक्षा सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी कारण केंद्र सरकार लगातार पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। वर्ष 2014 में जहां पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण का स्तर केवल 1.53 प्रतिशत था, वहीं अब यह बढ़कर 20 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। गडकरी ने कहा कि एथेनॉल आधारित स्टोव तकनीक घरेलू रसोई के क्षेत्र में बड़ा बदलाव ला सकती है। देश के करोड़ों परिवार आज भी एलपीजी सिलेंडरों पर निर्भर हैं और लगातार बढ़ती कीमतों से प्रभावित होते हैं। ऐसे में यह तकनीक सस्ती, पर्यावरण अनुकूल और स्थानीय स्तर पर उपलब्ध विकल्प प्रदान कर सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दे रही है। इसी उद्देश्य से 40 करोड़ रुपये की परियोजना शुरू की जा रही है, जिससे बच्चों और युवाओं में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा और नवाचार की भावना विकसित की जा सके।

गुजरात से पहली बार कांग्रेस का नहीं होगा कोई राज्यसभा सांसद

गांधीनगर (एजेंसी)। गुजरात में कांग्रेस पार्टी के लिए एक और बेहद चिंताजनक खबर है। राज्य में लगातार घटते जनाधार के बीच अब देश के सर्वोच्च सदन (राज्यसभा) में भी पार्टी का वजूद पूरी तरह सिमटने जा रहा है। गुजरात से कांग्रेस के एकमात्र राज्यसभा सांसद शक्तिसिंह गोहिल का कार्यकाल आगामी 21 जून को समाप्त हो रहा है। इसके बाद इतिहास में ऐसा पहली बार होगा, जब राज्यसभा में गुजरात से कांग्रेस का एक भी प्रतिनिधि नहीं बचेगा। गुजरात की 4 राज्यसभा सीटों के लिए आगामी 18 जून को चुनाव होने जा रहे हैं। वर्तमान राजनीतिक समीकरणों को देखें तो इन सभी सीटों पर भाजपा की जीत तय मानी जा रही है। 182 सदस्यीय गुजरात विधानसभा में भाजपा के पास 162 विधायकों का भारी बहुमत है। वहीं, मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस सिमटकर महज 12 विधायकों पर आ गई है। इसके अलावा आम आदमी पार्टी के 5, समाजवादी पार्टी का 1 और दो निर्दलीय विधायक हैं। इस संख्या बल के कारण कांग्रेस के पास नया सांसद चुनने की कोई उम्मीद नहीं बची है। निर्वाचन आयोग के मुताबिक, इन सीटों के लिए 1 जून को नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 8 जून है, जबकि 9 जून को पर्चों की जांच होगी। उम्मीदवार 11 जून तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। यदि आवश्यक हुआ तो 18 जून को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक गांधीनगर स्थित विधानसभा परिसर में मतदान होगा और उसी दिन शाम 5 बजे से मतों की गिनती शुरू हो जाएगी। पूरी चुनाव प्रक्रिया 20 जून तक संपन्न कर ली जाएगी। गौरतलब है कि गुजरात में राज्यसभा की कुल 11 सीटें हैं। इनमें से वर्तमान में 10 सीटों पर भाजपा का कब्जा है और एकमात्र सीट कांग्रेस के पास थी, जो अब हाथ से निकल जाएगी। शक्तिसिंह गोहिल के अलावा जिन अन्य तीन सांसदों का कार्यकाल 21 जून को खत्म हो रहा है, उनमें भाजपा के नरहरि अमीन, रमीला बारा और राम मोकारिया शामिल हैं।

अपराधियों के सम्राट जवाब दें कि पिछले 1 महीने में ही बिहार से 8 हजार 681 बच्चे गायब क्यों हुए?- नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव

पटना(एजेंसी)। बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य की सम्राट सरकार पर तीखा हमला किया है। उन्होंने कहा, आज समूचे बिहार की महिलाएं, बच्चे और आम नागरिक असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। डायलॉग बाजी से ही बिहार सम्भालने की गलतफहमी पाले बैठे 'बयान बहादुर' की सरकार में बिहार की कानून व्यवस्था इतनी बुरी तरह खराब हो चुकी है कि पिछले 1महीने में ही बिहार से 8 हजार 681 बच्चों के गायब हुए है, जिसमें 85 फीसद लड़कियां हैं। बिहार में प्रतिदिन अनेकों दुष्कर्म की जघन्य घटनाएं घटती है। घर में घुसकर महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया जाता है। चंद दिनों में 75 से अधिक दुष्कर्म एवं सामूहिक दुष्कर्म की घटनाओं को अंजाम दिया गया है। स्वर्णकारों के साथ दिनदहाड़े लूट की घटनाएँ होती है। हर जिले में हर दिन हत्या, लूट और चोरी की वारदात हो रही है। लेकिन इसके बावजूद पूरे जीवन में बार-बार राजनीतिक गमछा और चश्मा बदलने वाले असहाय मुख्यमंत्री 'एआई तकनीकयुक्त कैमरा' का इस्तेमाल नहीं कर पाते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि आर्टिफिशियल बातें करने वाले आर्टिफिशियल सीएम को न तो बिहार की फिक्र है और न ही बिहारवासियों की। बिहार की एनडीए सरकार में पहले रेप पीड़िता नीट छात्रा की हत्या और अब पॉलिटेक्निक परीक्षा देने पटना आई नाबालिग छात्रा के साथ होटल में छेड़छाड़ और अपहरण का प्रयास, बिहार में 'अपराधियों के सम्राट रूप धारण करने का प्रमाण है।' बिहार के अलग-अलग जिलों की छात्राएं पटना में रहकर पढ़ाई करती है लेकिन एनडीए राज में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा बेहद चिंताजनक है। नारी 2025 की रिपोर्ट के मुताबिक, पटना महिलाओं के लिए देश का सबसे असुरक्षित शहर है। तेजस्वी यादव कहते कि पाताल से अपराधियों को ढूंढ़ने का दावा कर डायलॉग बांचने वाले कृत्रिम तरीके से नॉमिनेटेड मुख्यमंत्री बने 'अपराधियों के सम्राट' की सरकार में पुलिस और कानून का डर पूरी तरह से खत्म हो चुका है। बड़बोले मुख्यमंत्री से आग्रह है कि टपोरियों की तरह सड़कछाप डायलॉगबाजी छोड़, रीलबाजी से फुर्सत निकाल कर बिहार की मातृशक्ति की सुरक्षा के लिए कारगर उपाय करें। हम महिलाओं की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होने देंगे।

अचानक सिद्धारमैया को दिल्ली बुलावा, नेतृत्व परिवर्तन को लेकर अटकलें शुरू

आज होने वाली बैठक के एजेंडे में संगठनात्मक और चुनावी रणनीतियां शामिल

बैंग्लुरु (एजेंसी)। कर्नाटक कांग्रेस में सीएम पद को लेकर चल रही अंदरूनी कलह और खींचतान के बीच एक बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। मंगलवार को सीएम सिद्धारमैया को दिल्ली बुलाया है, जहां वे कांग्रेस आलाकमान के साथ बैठक करेंगे। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि अपनी इस यात्रा के दौरान सिद्धारमैया कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी से भी मुलाकात कर सकते हैं। बुलावे के बाद राज्य में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चल रही अटकलें एक बार फिर तेज हो गई हैं।

आधिकारिक तौर पर इस बैठक के एजेंडे में आगामी संगठनात्मक और चुनावी रणनीतियां शामिल हैं। माना जा रहा है कि सिद्धारमैया आलाकमान के साथ बैठक में इन मुख्य विषयों पर चर्चा कर सकते हैं जिसमें आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों के चयन और रणनीति पर बात होना तय है। कर्नाटक में होने वाले आगामी विधान परिषद चुनावों की तैयारियों और टिकट बंटवारे को लेकर भी मंथन होगा। हालांकि, राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि इन चुनावों के बहाने असली बातचीत राज्य सरकार के नेतृत्व और सीएम की कुर्सी को लेकर होना है।

बता दें इससे पहले 20 मई को, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सिद्धारमैया और शिवकुमार के साथ बातचीत की थी। सूत्रों के मुताबिक खड़गे तिरुवनंतपुरम से सिद्धारमैया, शिवकुमार और अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ बेंगलुरु आए थे। बाद में सोमवार को उन्होंने राज्य के ऊर्जा मंत्री के जे जॉर्ज के आवास पर चर्चा की। सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में राज्य में हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों और सीएम पद को लेकर चल रही लगातार अटकलों पर चर्चा हुई।

यह घटनाक्रम कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के तीन साल पूरे होने के बाद सामने आया। साथ ही, यह सीएम पद को लेकर सिद्धारमैया और उनके उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के बीच चल रही लंबी सत्ता की खींचतान के बीच हुआ है। पिछले साल नवंबर में जब कांग्रेस सरकार ने अपने कार्यकाल का आधा सफर पूरा कर लिया, तो नेतृत्व-साझेदारी का मुद्दा और भी जोर पकड़ गया। इससे इन दोनों वरिष्ठ नेताओं के बीच रोटेशनल मुख्यमंत्री की व्यवस्था को लेकर अटकलें फिर से तेज हो गईं हैं।

बता दें पिछले 18 महीनों से शिवकुमार के समर्थक दावा करते आ रहे हैं कि वह जल्द ही सीएम का पद संभाल लेंगे, हालांकि अभी तक ऐसा कोई बदलाव नहीं हुआ है। पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा कि पिछले तीन सालों से एक ही बात दोहराई जा रही है। राज्य इकाई के भीतर असंतोष बढ़ रहा है। कई नेता आलाकमान से आग्रह कर रहे हैं कि इस भ्रम को जल्द से जल्द खत्म किया जाए। उनका तर्क है कि यह लंबी अनिश्चितता कर्नाटक में पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचा रही है। अब तक केंद्रीय नेतृत्व ने कई कारणों का हवाला देते हुए इस पर कोई अंतिम फैसला लेने से परहेज़ किया है।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की चेतावनी – सबका हिसाब होगा

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं पर हुए कथित हमलों को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि वर्ष 2021 के विधानसभा चुनावों के बाद हुई हिंसा की कानूनी जांच कराई जाएगी और पीड़ितों को न्याय दिलाया जाएगा। नंदीग्राम में आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों पर हुए हमलों का पूरा रिकॉर्ड रखा गया है और समय आने पर कानून के तहत कार्रवाई होगी। हालांकि उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कानून हाथ में न लेने की भी अपील की। मुख्यमंत्री के रूप में जीत के बाद पहली बार नंदीग्राम पहुंचे शुभेंदु अधिकारी ने इस क्षेत्र को अपनी राजनीतिक यात्रा का केंद्र बताते हुए भावुक अंदाज में कहा कि यहां के लोगों ने उन्हें हमेशा समर्थन दिया और कई लोगों ने उनके लिए संघर्ष भी किया। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद कई भाजपा समर्थकों के घर तोड़े गए और अनेक लोगों पर हमले हुए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे किसी प्रकार की प्रतिशोधात्मक कार्रवाई न करें, क्योंकि भाजपा इस तरह की राजनीति में विश्वास नहीं करती। अधिकारी ने कहा कि उन्हें हर घटना याद है और किसी भी पीड़ित को न्याय से वंचित नहीं किया जाएगा।

सड़कों पर जानवर चलते हैं और लोग थूकते, पेशाब भी करते हैं वहां नमाज जायज नहीं

-मौलाना रशीदी ने सीएम योगी का किया समर्थन, मुस्लिमों को पिटवाना चाहती हैं पार्टियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन (एआईआईए) के प्रमुख मौलाना साजिद रशीदी ने सड़क पर नमाज को लेकर शिफ्ट में नमाज को जायज ठहराते हुए कहा कि सड़क नापाक होती है और इसलिए वहां मुसलमानों के इबादत नहीं करनी चाहिए। रशीदी ने कहा कि सड़क पर जानवर भी चलते हैं और लोग थूकते, पेशाब भी करते हैं। उन्होंने मुसलमानों को उकसाने का आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ पार्टियां उन्हें पिटवाना चाहती हैं।

एक यूट्यूब चैनल से बातचीत में मौलाना रशीदी ने सड़क पर नमाज ना पढ़ने का सीएम योगी का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि सीएम का बयान बिलकुल सही है। हमने कोरोना काल में भी नमाजे शिफ्ट में पढ़ी हैं। उन्हें पता है कि शिफ्ट में नमाज हो सकती है, इसलिए उन्होंने ऐसा बयान दिया है। पूरे देश और प्रदेश में किसी मौलवी ने उनका खंडन नहीं किया। कोई खंडन कर रहा है तो वह कांग्रेस-सपा के लोग या उनसे जुड़े नेता हैं। उनको पता नहीं दीन के बारे में कि नमाज शिफ्ट में भी पढ़ी जा सकती है।

मौलाना रशीदी ने इस्लाम के दो सिद्धांतों का जिक्र करते हुए बताया कि क्यों सड़क पर नमाज पढ़ना जायज नहीं है। उन्होंने कहा कि इस्लाम का बुनियादी सिद्धांत है कि नमाज नापाक जगह पर नहीं पढ़ी जा सकती है। सड़क पाक नहीं हो सकती है, कैसे पाक होगी जब उस पर लोग, जानवर चलते हैं, थूकते हैं और पेशाब भी करते हैं। सबकुछ होता है तो कैसे नमाज हो सकती है। दूसरा सिद्धांत यह है कि वह मुसलमान नहीं हो सकता है जिससे किसी दूसरे को तकलीफ पहुंचे। अगर आप सड़क जाम करते हैं तो लोगों तकलीफ भी हो सकती है।

मौलाना साजिद रशीदी ने कहा कि कुछ समय पहले तक कुछ मुसलमान अपराधों में लिप्त थे, लेकिन बीजेपी सरकार आने के बाद अब वे शिक्षा की राह पर चल रहे हैं। रशीदी ने कहा कि पहले कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने जो फ्री हैंड दिया था मुसलमानों को उससे कई कमियां आ गईं। उससे मुसलमानों का भला नहीं हुआ, शिक्षा से दूर हो गए। कई बुराइयां उनमें आ गईं। आज मुसलमान 15-20 साल से और जब से बीजेपी सरकार आई है मुसलमानों ने बच्चों को पढ़ाना शुरू कर दिया है। चाहे गरीब मजदूर है वह भी पढ़ा रहा है।

रशीदी ने कहा कि बुलडोजर ऐक्शन को लेकर कहा कि यह उन लोगों के खिलाफ रहा है जो गलत काम में शामिल होते हैं। उन्होंने कहा कि अक्लमंदी इसी में है कि हवा के खिलाफ मत चलो। सपा से जुड़े एक सवाल पर रशीदी ने कहा कि हमें नहीं चाहिए ऐसी पार्टी जिसका मकसद यह हो कि मुसलमान नमाज के लिए सड़क पर उतरे, उनकी पिटाई हो, मुकदमे लगे, जेल जाएं और उनके घर टूटे। क्या अखिलेश यादव बनवा देंगे घर किसी का। आजम खान को तो बचा नहीं पाए।

बीजेपी के माननीय दिखावटी चिट्ठियां लिखकर अपनी राजनीतिक जमीन बचा रहे

–सपा अध्यक्ष अखिलेश ने प्रदेश में गहराते बिजली संकट पर सरकार को घेरा

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव ने प्रदेश में गहराते बिजली संकट और भीषण गर्मी को लेकर बीजेपी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जनता के बढ़ते आक्रोश से भयभीत बीजेपी विधायक और सांसद अब दिखावटी चिट्ठियां लिखकर अपनी राजनीतिक जमीन बचाने में जुटे हैं। अखिलेश ने आरोप लगाया कि यह जनहित की चिंता नहीं, बल्कि आगामी चुनावों से पहले डूबती बीजेपी से दूरी बनाकर अपनी सियासत सुरक्षित करने की कोशिश है, जबकि बिजली संकट और अव्यवस्था का खामियाजा आम जनता भुगत रही है।

अखिलेश ने सोमवार को एक्स पर लिखा कि यूपी में असहनीय 'महा विद्युत आपदा' की वजह से लगातार बढ़ते आक्रोश से बचने के लिए भयभीत भाजपाई विधायक-सांसद दिखावटी चिट्ठियों के रूप में जिस 'कागजी कवच' से खुद को बचाना चाह रहे हैं, वह चिट्ठी दरअसल अपनी सरकार को लिखा कोई 'जनहित का पत्र' नहीं, बल्कि बीजेपी रूपी डूबते जहाज को छोड़कर आगामी चुनावों में विपक्ष से टिकट पाने के लिए लिखा गया 'आवेदन पत्र' है। उन्होंने लिखा कि हमारे गठबंधन में ऐसे नेताओं के लिए कोई जगह नहीं है, जो जनता को दुख-दर्द और दिक्कतों के सिवा कुछ नहीं देते। इस जानलेवा गर्मी में परिवारों के बड़े-बुजुर्गों, बीमारों, बच्चों और खाने-पानी की व्यवस्था में जुटी महिलाओं की क्या दुर्दशा हो रही है, यह केवल परिवार वाले ही समझ सकते हैं। अखिलेश ने कहा कि कभी आपदा में अवसर ढूंढने वालों ने अवसर की जगह जिस 'अफसर' को ढूंढा था, वही अफसर अब स्वयं आपदा साबित हो रहा है। समस्या का समाधान पूछने पर दोनों हाथ खड़े करके नारे लगाकर बच निकलने वालों के रहते समस्या नहीं सुलझेगी। अखिलेश ने कहा कि यूपी की बीजेपी सरकार भी जानती है कि अब वह कभी वापस नहीं आएगी, इसलिए वह जनता की मुश्किलों और मांगों को पूरी तरह नजरअंदाज करके बस अपने खजाने भरने में लगी है।

जैसलमेर में डंपिंग यार्ड में मिलीं सैकड़ों मृत गायें, वायरल वीडियो के बाद प्रशासन पर उठे सवाल

जैसलमेर (एजेंसी)। राजस्थान के जैसलमेर जिले से सामने आई एक दर्दनाक घटना ने गौ संरक्षण और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को लेकर गंभीर बहस छेड़ दी है। नगर परिषद क्षेत्र के कचरा डंपिंग यार्ड में बड़ी संख्या में मृत गायों के सड़े हुए शव मिलने के बाद स्थानीय लोगों और गौ सेवकों में भारी आक्रोश फैल गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में खुले मैदान में सैकड़ों गायों के शव पड़े दिखाई देने के बाद प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। घटना के सामने आने के बाद जिला प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार जैसलमेर जिला मुख्यालय से करीब सात किलोमीटर दूर रामगढ़ मार्ग पर नगर परिषद का डंपिंग यार्ड स्थित है। रविवार को वायरल हुए वीडियो में वहां बड़ी संख्या में मृत गायों के शव दिखाई दिए। स्थानीय लोगों का आरोप है कि लंबे समय से मृत पशुओं के उचित निस्तारण की व्यवस्था नहीं की जा रही थी, जिसके कारण यह स्थिति पैदा हुई। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में बदबू और गंदगी का माहौल बना हुआ था, लेकिन जिम्मेदार विभागों ने समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

बताया जा रहा है कि नगर परिषद ने मृत पशुओं के निस्तारण का कार्य एक अधिकृत हड्डी ठेकेदार को सौंप रखा था। आरोप है कि समय पर शवों को हटाने और उनका वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण नहीं किए जाने के कारण बड़ी संख्या में मृत पशु डंपिंग यार्ड में जमा होते गए। वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय नागरिकों और गौ प्रेमियों ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए जैसलमेर जिला कलेक्टर अनुपमा जोरवाल ने अधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। वहीं नगर परिषद आयुक्त लजपाल सिंह सोढा ने संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण तलब किया है। प्रशासन का कहना है कि घटना की जानकारी मिलते ही डंपिंग यार्ड से मृत पशुओं को हटाकर उनका निस्तारण कराया गया है। साथ ही पूरे मामले की जांच की जा रही है, ताकि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने गौ संरक्षण को लेकर सरकार और प्रशासन की व्यवस्थाओं पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि केवल मंचों से गौ सेवा और गौ रक्षा की बातें करने से समस्या का समाधान नहीं होगा। इसके लिए जमीनी स्तर पर मजबूत व्यवस्थाएं तैयार करनी होंगी। लोगों ने गौशालाओं में बेहतर सुविधाएं, पर्याप्त चारे-पानी और पशुओं के समय पर उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। स्थानीय गौ सेवकों ने दावा किया कि जब वे मौके पर पहुंचे तो वहां का दृश्य बेहद भयावह था। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में शव खुले में पड़े थे और दुर्गंध के कारण वहां खड़ा रहना मुश्किल हो रहा था। गौ सेवक हुक्मदान ने कहा कि जिस समाज में गाय को माता का दर्जा दिया जाता है, वहां इस तरह की घटनाएं चिंता का विषय हैं। उन्होंने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से जवाबदेही तय करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है। यह मामला अब प्रदेश में गौ संरक्षण से जुड़ी व्यवस्थाओं और उनकी वास्तविक स्थिति पर बड़ा सवाल बनकर उभरा है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902